बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला

इतिहास (**HISTORY**)

Set-1 - 10

Set – 1 कुल प्रश्नों की संख्या : 40+10+5=55

HISTORY (इतिहास)
A-HIST (OPT)

समय : 3 घंटे 15 मिनट पूर्णांक : 100

परीक्षार्थी के लिए निर्देश :

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर दें।
2. दाहिनी ओर हाशिये पर दिए हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
3. परीक्षार्थी प्रत्येक उत्तर के साथ भाग संख्या, खंड संख्या ओर प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

निर्देश :

इस प्रश्न पत्र में दो भाग–भाग–I एवं भाग–II हैं। भाग–I में खण्ड–अ एवं भाग–II में खण्ड–ब एवं खण्ड–स हैं।

भाग–I :

भाग–I के खण्ड अ के प्रश्न वस्तुनिष्ठ हैं। इस खण्ड के प्रश्न संख्या 1 से 40 तक प्रत्येक 1 अंक का है।

भाग–II :

भाग–II के सभी प्रश्न गैर–वस्तुनिष्ट हैं। भाग–II के खण्ड–ब के प्रश्न लघु उत्तरीय हैं। इसमें 10 प्रश्न हैं। सभी के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। भाग–II के खण्ड–स के प्रश्न दीर्ध उत्तीय प्रकार के हैं। इसमें कुल 5 प्रश्न हैं। सभी के उत्तर दीजिएं प्रत्येक प्रश्न 6 अंक के हैं।

भाग–I :

1. सिंधु सभ्यता का कौन सा स्थल मृतकों का टीला कहना है ?

(A) चाहुदड़ों (B) हड़प्पा (C) मोहनजोदड़ों (D) कालीबंगा

2. भारतीय पुरातत्व का पिता कहलाता है –

(A) कनिंघम (B) जॉन मार्शल (C) एस.आर.राव (D) मार्टिमर व्हीलर

3. सिंधुवासी निमन धातु उपयोग नहीं करते थे –

(A) ताम्बा (B) लोहा (C) सोना (D) कांसा

4. सिंधु सभ्यता नर्तकी की मूर्ति कहा से मिली है ?

(A) मोहनजोदड़ों (B) कोटदीजि (C) हड़प्पा (D) राखीगढ़ी

5. किसने भारत में सर्वप्रथम स्वर्ण सिक्के जारी की ?

(A) मौर्य (B) हिन्द–यूनानी (C) कुषाण (D) गुप्त

6. शक् संवत का आरंभ किसने किया ?

(A) मिनांडर (B) रूद्रदामन (C) गोंदोफर्निश (D) कनिष्क

7. किसने भूमि अनुदान की प्रथा आरंभ की ?

(A) कुषाण (B) सातवाहन (C) गुप्त (D) मौर्य

8. मनु स्मृति की रचना काल है –

(A) 200 ई०पू०–200ई० (B) 300 ई०पू०–100ई० (C) 100 ई०पू०–200ई० (D) कोई नहीं

9. मृक्षकटिकम् रचना है –

(A) कालिदास की (B) शूद्रक की (C) आर्यभट्ट की (D) अमर सिंह की

10. चैत्य क्या है ?

(A) घर (B) पाठशाला (C) गौशाला (D) पूजा स्थल

11. बारह अंग संबंधित है –

(A) बौद्ध धर्म से (B) जैन धर्म से (C) ब्राहमण धर्म से (D) किसी से नहीं

12. संगम साहित्य की रचना हुई–

(A) उत्तर भारत में (B) मध्य भारत में (C) दक्षिण भारत में (D) पूर्वी भारत में

13. सातवाहनों का सवसे महान शासक कौन थे ?

(A) सिमुक (B) कृष्ण (C) गौतमी पुत्र सातकर्णी (D) सातकर्णी प्रथम

14. अकबरनामा की रचना किसने की ?

(अ) अमीर सुसरो (ब) अलबरूनी (स) इब्नबतूता (द) अबुल फजल

15. अकबर का वित्त मंत्री कौन था ?

(अ) बीरबल (ब) मानसिंह (स) टोडरमल (द) अबुल फजल

16. मुगलकालीन चित्रकला किसके काल में चारमोत्कर्ष पर महुँची–

(अ) हुमायूँ (ब) अकबर (स) जहांगीर (द) शाहजहाँ

17. लाड़ली बेगम किसकी पुत्री थी –

(अ) नूरजहाँ (ब) मुमताज (स) अस्मा बेगम (द) जहाँआरा

18. दिल्ली में चाँदनी चौक का निर्माण किसने कराया ?

(अ) जहाँआरा (ब) रोशनआरा (स) गौहर आरा (द) किसी ने नहीं

19. भारत की अंतिम मुगल सम्राट कौन था ?

(अ) शाहजहाँ (ब) औरंगजेब (स) मुजम्मद शाह (द) बहादुरशाह जफर

20. गोपुरम से आप कया समझते हैं ?

(अ) मंदिर का प्रवेश द्वारा (ब) गाय का एक प्रकार (स) भूराजस्व का एक प्रकार (द) नृत्य की एक शैली

21. तेनालीराम का सम्बन्ध किस राजवंश से है ?

(अ) विजयनगर (ब) बीजापुर (स) मुगल (द) बहमनी

22. बल्लमाचार्य का जन्म कहाँ हुआ था ?

(अ) आगरा (ब) बैंगलौर (स) वाराणसी (द) श्री रंगपट्टनम

23. बंगाल के प्रसिद्ध संत कौन थे ?

(अ) चैतन्य माहप्रभु (ब) गुरूनानक (स) कबीर (द) बाबा फरीद

24. 'सुल्तान उल हिन्द' किसे कहा गया ?

(अ) रूवाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (ब) शेख सलीम चिश्ती (स) निजामुद्दीन औलिया (द) फरीदउद्दीन गंज–ए–शक्कर

25. 'यात्रियों का राजकुमार' किसे कहा गया है ?

(अ) फाह्यान (ब) ह्वेनसांग (स) अलबरूनी (द) इब्नबतूता

26. 'कैप्टन हाकिन्स' किस मुगल शासक के दसबार में आया था ?

(अ) अकबर (ब) जहाँगीर (स) औरंगजेब (द) शाहजहाँ

27. जोतदार प्रायः कहाँ रहते थे ?

(a) गाँव (b) शहरों (c) महानगरों (d) कस्बो

28. स्थायी बन्दोवस्त में भूमि का स्वामी किसे माना गया था ?

(a) जमींदार (b) राज्य (c) रैयत (d) दलाल

29. अवध के साथ वेलेजली ने सहायक संधि कब किया ?

(a) 1800 (b) 1801 (c) 1810 (d) 1840

30. 1857 का सिपाही विद्रोह कहाँ प्रारंभ हुआ था ?

(a) बंगाल (b) बिहार (c) मेरठ (d) झांसी

31. 1857 में बिहार में विद्रोहियों का नेतृत्व किसने किया था ?

(a) नाना साहेब (b) नाना फड़नवीसर (c) वीर कुँवर सिंह (d) लक्ष्मी बाई

32. प्लासी किस राज्य में स्थित है ?

(a) बंगाल (b) बिहार (c) उड़ीसा (d) मध्य प्रदेश

33. ईस्ट इंडिया द्वारा कलकत्ता में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना कब की गई ?

(a) 1885 (b) 1895 (c) 1773 (d) 1673

34. भारत की राजधानी कलकत्ता की जगह दिल्ली को कब लाया गया ?

(a) 1911 (b) 1922 (c) 1811 (d) 1905

35. भारत में जनगणना कब से प्रारंभ किया गया ?

(a) 1872 (b) 1881 (c) 1891 (d) 1901

36. बंगाल विभाजन किस वायसराय ने किये थे ?

(a) डलहौजी (b) कर्जन पड़ी (c) रिपन (d) डकरिन

37. सूरत फूट कब ?

(a) 1905 (b) 1907 (c) 1911 (d) 1916

38. खिलाफत आन्दोलन कब हुआ ?

(a) 1920 (b) 1930 (c) 1940 (d) 1950

39. मुस्लिम लीग ने मुसलमानों के लिए पृथक राष्ट्र की मांग कब की ?

(a) 1920 (b) 1940 (c) 1950 (d) 1905

40. भारतीय संविधान सभा के प्रारूप समिति का अध्यक्ष कौन थे ?

(a) डा० राजेन्द्र प्रसाद (b) जवाहर लाल नेहरू (c) डा० भीम राव अम्बेडकर (d) पुरूषोत्तम दास टंडन

लघु उत्तरीय प्रश्न : –

Q. 1. सिन्धु सभ्यता में अन्नागारों का क्या महत्व था ?

Q. 2. हड़प्पा लिपि के विषय में आप क्या जानते हैं ?

Q. 3. मगध के उत्कर्ष के कारणों की विवेचना करें ।

Q. 4. महाभारत पर 50 शब्दों में परिचय दें।

Q. 5. अकबर के नवरत्नों के नाम बतायें।

Q. 6. विजयनगर साम्राज्य का संस्थापक कौन था ? इसकी स्थापना कब हुई ?

Q. 7. मीराबाई पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Q. 8. दुबास लोग कौन थे ?

Q. 9. लखनऊ समझौता का कया महत्व है ?

Q. 10. भारत एक धर्म–निरपेक्ष राज्य है क्या ?

दीर्ध उत्तरीय प्रश्न : –

Q. 11. गौतम बुद्ध के जीवन एवं शिक्षकों का वर्णन करें।

Q. 12. अशोक की उपलब्धियों का मूल्यांकन करें।

Q. 13. आहन–ए–अकबरी ''अपने काल का आइना है।'' व्याख्या करें।

Q. 14. भक्ति और सूफी आन्दोलन एक दूसरे के पूरक थे। व्याख्या कीजिए।

Q. 15. क्रिप्स मिशन भारत क्यों आया था ? इसका क्या परिणाम हुआ।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर : –

Set - 1

(1) C	**(2)** A	**(3)** B	**(4)** A	**(5)** B	
(6) D	**(7)** B	**(8)** A	**(9)** B	**(10)** D	
(11) B	**(12)** C	**(13)** C			
(14) द	**(15)** स	**(16)** स	**(17)** अ	**(18)** अ	**(19)** द
(20) अ	**(21)** अ	**(22)** स	**(23)** अ	**(24)** अ	**(25)** ब
(26) ब					
(27) a	**(28)** a	**(29)** b	**(30)** c	**(31)** c	**(32)** a
(33) c	**(34)** a	**(35)** a	**(36)** b	**(37)** b	**(38)** a
(39) b	**(40)** c				

लधु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर :–

1. प्रश्नोत्तर – सिंधु सभ्यता के अन्नागारों का विशेष महत्व था। अतिरिक्त उत्पादन का संचय किय जाता था। अनाज सुरक्षित रखे जाते थे। मोहनजोदड़ों का अन्नागार सबसे बड़ा था। यह व्यापार वाणिज्य का केन्द्र भी था। संभतः अकाल एवं भूखमरी के समय अन्नागार में संचित अनाज का उपयोग किया जाता रहा होगा। वर्त्तमान गोडाउन के समान मोहनजोदड़ों में विशाल अन्नागार था जो विदेशी व्यापार का साधन भी था।

2. प्रश्नोत्तर – हड़प्पाई स्थलों के उत्खन्न में बडी संख्या में लिपिबद्ध मुहरें मिली हैं मुहरों पर छोटे–छोटे अभिलेख खुदे हुए हैं। मुहरें जारी करने वाले व्यक्ति के यह नाम और पद की ओर इंगित होता है। लिपि का वास्तविक स्वरूप आज भी स्पष्ट नहीं है। कुछ विज्ञानों ने इससे पढ़ने का प्रयास किया है। कुछ इसे संस्कृत अथवा द्रविड़ भाषा पर आधारित मानते है। ब्राहणी लिपि से भी इसकी तुलना की जाती है। परन्तु इस सबंध में अंतिम निर्णय आना वाकी है। अक्षरों को चित्रों अथवा अभी चिन्हों में दर्शाया गया है। अनुमानतः अक्षरों की संख्या 400 थी।

3. प्रश्नोत्तर – 16 महाजनपदों में मगध सबसे शक्तिशाली महाजनपद था। इसके उत्कर्ष के अनेक कारण थे। जैसे मगध की भौगोलिक स्थिति जो पहाड़ों, नदियों से धिरा था। मगध की आर्थिक संपन्नता भी थी। इसके लिए खनिजों की पर्याप्तता एवं उर्वर कृषि भूमि का उपलब्ध होना था। मगध का सैन्य संगठन भी परम्परा एवं मजबूत योगदान भी महत्वपूर्ण कारण थे। इसके अतिरिक्त नदियों के होने से आवागमन एवं यातायात की सुविधा भी वाणिज्य व्यापार को वढ़ावा दिया।

4. प्रश्नोत्तर – महाभारत को प्राचीन भारत का सवसे विशाल महाकाव्य माना जाता है। यह 150 अधिकरण एवं 180 प्रकरण में विभक्त है। इसमें कुल 15 अध्याय हैं। इसके रचना एवं संकलन काल को 500 ई० पूर्व से 400 ई० तक माना जाता हैं इसमें पाण्डवों, कौरव वंश के बीच युद्धों का विस्तृत एवं विशद विवरण दिया गया है। यह भारतीय इतिहास का साहित्यक श्रोत भी माना जाता है।

5. अकबर के नवरत्नों के नाम बतायें।

Ans :- अकबर के निम्नलिखित नवरत्न थे :–

1. अबदुर रहीम खान–ए–खाना
2. हकीम हुमाम
3. मुल्ला दो प्याजा

4. अबुल फजल

5. फैजी

6. तनसेन

7. राजा मानसिंह

8. राजा टोडरमल

9. बीरबल

6. बिजयनगर साम्राज्य का संस्थापक कौन था ? इसकी स्थापना कब हुई ?

Ans :- विजयनगर साम्राज्य का संस्थापक हरिहर एवं बुक्का थे जिसने 1336 ई ० में दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राजय की स्थापना की थी।

7. मीराबाई पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Ans :- मीराबाई का जन्म 1498 ई० में मेड़ता के एक गॉव कुस्ली में हुआ था। वह मेड़ता के राजा रत्न सिंह राठौर की पुत्री थीं। उनके पति भोजराज की असमय मृत्यु हो गई और मीराबाई विधवा हो गई। बाद में मीराबाई कृष्ण से प्रतीकात्मक प्रेम करते हुए कृष्ण भक्ति में लीन रहने लगी।

प्रशन 8. दुबास लोग कौन थे ?

उत्तर – (i) दुबास लोग ब्लैक टाउन में रहते थे ओर स्थानीय भाषा और अंग्रेजी भाषा बोलना जानते थे।

(ii) वे एजेंट ओर व्यापारी के रूप में कार्य करते थे ओर भारतीय समाज और गॉवों व्यक्ति के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाते थे। वे सम्पति एकत्र करने के लिए सरकार में अपनी पहुँच का इस्तेमाल करते थे।

प्रशन 9. लखनऊ समझौता का क्या महत्व है ?

उत्तर – (i) यह समझौता दिसम्बर 1916 ई० में कांग्रेस ओर मुस्लिम लीग की आपसी तालमेल को दर्शाता है।

(ii) लखनऊ समझौते के अंतर्गत कांग्रेस ने पृथक् चुनाव क्षेत्रों को स्वीकार किया समझौता ने कांग्रेस के मध्यमार्गियों, उग्रपंथियों ओर मुस्लिम लीग के लिए एक संयुक्त राजनीतिक मंच प्रदान किया।

प्रशन 10. क्या भारत एक धर्म–निरपेक्ष राज्य है ?

उत्तर – हाँ, भारत एक धर्म–निरपेक्ष राज्य हैं भारतीय संविधन में भारत को एक धर्म–निरपेक्ष राज्य धोषित किया है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना में भी 'धर्म–निरपेक्ष' शब्द 42 वें संशोधन द्वारा 1976 ई० में जोड़ा गया है। राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है और न ही राज्य के नागरिकों को कोई धर्म अपनाने की प्रेरणा देता है। वह सभी धर्मों का आदर करता है तथा नागरिकों को भी अपने इच्छानुसार धर्म को मानने की स्वतंत्रता है। मौलिक अधिकार में अनुच्छेद–25 से 28 धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है।

दीर्ध उत्तरीय प्रश्नोत्तर –

11. प्रश्नोत्तर – गौतम बुद्ध का जीवन परिचय – गौतम बुद्ध का मूल नाम सिद्धार्थ था। उनका जन्म 563 ई० पूर्व में कपिलवस्तु के निकट लुम्विनी में हुआ था। उनके पिता शुद्धांदन कपिलवस्तु के ज्ञाक्य गणराज्य के प्रमुख थे। उनकी माता महामाला कौशल राज्य की राजकुमारी थी। माता का निधन हो जाने के कारण उनका लालन–पालन उनकी मौसी महाप्रजापति गौतयी ने किया। गौतम गोत्र में उत्पन्न होने के कारण वे गौतम भी कहलाएँ। वे वचपन से ही चिंतन में निमग रहे थें वे संसारिक माया–मोह से मुक्ति पाने का उपाय सोचते रहते थे।

एक दिन भ्रमण के दौरान उन्हें एक वृद्ध व्यक्ति, एक रोगी वयक्ति, एक मृत व्यक्ति का शव एवं एक सन्यासी को देखा सन्यासी को देखकर उन्हें लगा कि सन्यासी वनकर संसारिक माया–मोह से मुक्ति मिल सकती हैं सन्यासी का वेश धारण कर वे धर से निकल पड़े। इस धटना को 'महामिनिक्रमण' कहा गया। उन्हें 35 वर्ष की आयु में वैशाली, पूर्णिया की रात्रि में सच्चे ज्ञान की प्राप्ति हुई।

गौतम बुद्ध का उपदेश एवं शिक्षा :–

उनके उपदेश एवं शिक्षा बौद्ध ग्रंथो से मिलती है। यह आरंभ में पालि एवं वाद में संस्कृत में भी लिखें गये। बौद्ध धर्म का मूल आधार चार आर्य सत्य हैं– (i)– दुःख (ii) दुःख समुदाय (iii) दुःख निरोध और (iv) दुःख निरोधगामिनी प्रतिपदा। महात्मा बुद्ध के अनुसार मानव जीवन दुःख से भरा हुआ है। इसका कारण माया–मोह तृष्णा एवं लालसा है। दुःखों पर विजय आष्टांगिक मार्ग या मध्यम मार्ग के द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है। आष्टांगिक मार्ग है – सम्यक् दृष्टि, सम्यक्संकल्प, सम्यक् वाणी, सम्यक् कर्म, सम्यक् आजीव, सम्यक्व्यायाम, सम्यक् स्मृति एवं सम्यक् समाधि। उन्होंने इसके लिए 10 शील जैसे सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, नशीले पदार्थों के सेवन नहीं करने एवं सुख–सुविधा के परित्याग की भी बात कही।

12. प्रश्नोत्तर – अशोक भारत सहित विश्व के महान शासकों में सीान रखता है। बौद्ध श्रोतों के अनुसार उसने उत्तराधिकार युद्ध में 99 भाईयों की हत्या कर गद्दी प्राप्त की। लेकिन उत्तराधिकार का यह युद्ध सही प्रतीत नहीं होता है। आरंभ में अशोक का उललेख चंडाशोक परन्तु वाद में अर्माशोक के रूप में किया गया।

अशोक कलिंग युद्ध के वाद हृदय परिवर्तित हो गया। उसने दिग्विजय की नीति त्याग दी तथा धम्मविजय को अपनाया।

अशोक ने समाज में सभी वर्गों के बीच सदभाव एवं सामन्जस्य स्थापित करने के लिए धम्म की नीति का पालन किया धम्म वस्तुतः सभी धर्मो का सार रूप था। इससे सामाजिक आचार संहिता भी कहा जाता हैं उसने धम्म के माध्यम से सतय, अहिंसा,

सदायार मधुर वाणी, लोक कल्याण, दया, दान एवं क्षमा की भावना को अपनाने एवं ईर्ष्या, क्रोध लालच तृष्णा एवं धृणा का परित्याग करने की बात कही।

अशोक विश्व का अनोखा शासक था जिसने अपने प्रजा को पुत्र के समान समझा। उसने प्रजा के कल्याण के लिए अनेक कल्याणकारी कार्य किया। यात्रियों की सुविधा के लिए सड़कों के किनारे वृक्ष लगवाया, पेयजल की सुविधा के लिए कुँआ खुदवाया, उनके सराय का निर्माण करवाया, पशु–पक्षियों की हत्या को कम करने का आदेश दिया। जरूरत मंदो को दान दिया।

इस प्रकार अशोक की अहिंसा की नीति, धम्म की नीति, लोक कल्याण की नीति महत्वपूर्ण उपलब्धियों में है। इसी उपलब्धियों के कारण अशोक को महान भी कहा जाता है।

Q **13.** 'आईन–ए–अकबरी' अपने काल का आइना है। ''व्याख्या करें।

Ans. 'आईन–ए–अकबरी' अबुल फजल के द्वारा लिखा गया था। यह पुस्तक तीन भागों में लिखी गई थी। अकबर के शासन काल का समारात्मक पक्ष पेश करना इस ग्रंथ का मुख्य उद्देश्य था।

'आईन–ए–अकबरी' अपने काल के इतिहास का महत्वपूर्ण स्रोत है। यह उस काल के जीवन के सभी पक्षों का एक क्रमिक वर्णन प्रस्तुत करता है –

(i) यह एक एतिहासिक ग्रंथ है। यह मुगलकाल की वारीकियों से आगत कराता है।

(ii) यह ग्रंथ किसानों का विस्तृत वर्णय करता है क्योंकि किसान अपने बारे में स्वयं नहीं लिखते थे।

(iii) 'आइन' उस समय लिखे गए कम्पनी के दस्तावेजों को समझने में सहायक करता है।

(iv) 'आइन' उस राजधानी के अतिरिक्त दूर–दराज के क्षेत्रों का भी विवरण प्रस्तुत करता है।

Q **14.** भक्ति और सूफी आन्दोलन एक दूसरे के पूरक थे। व्याख्या कीजिए।

Ans. भारत में मध्यकाल में एक नवीन धर्मिक आंदोलन प्रारम्भ हुआ हिन्दुओं के आन्दोलन को भक्ति आंदोलन तथा मुसलमानों के आंदोलन को सूफी आंदोलन कहते हैं। भक्ति आंदोलन में दो धाराएँ थी – सगुण और निर्गुण धारा सगुण धारा के भक्त कृष्ण और राम के आराधक थे। सूफी परिचय संतो की विचारधारा नहीं रहस्यात्मक थी। ये दोनों ही आंदोलन आम जनता पर अपना प्रभाव छोड़ने में सफल हुए। हालॉकि रीति–रिवाजों में ये

एक दूसरे से बिल्कुल भिन्न थे किन्दु वृहद् दृष्टि से ये एक–दूसरे के पूरक भी थे। दो समुदायों में एक साथ आंदोलन शुरू होना ही इस तथ्य की पुष्टि करता है कि दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं।

भक्ति एवं सूफी आन्दोलन के प्रभाव :–

(i) इस आन्दोलनों के संतों ने धर्म की जटिलताओं को दूर करके उसे सभी के लिए सरल एवं सुलभ बना दिया।

(ii) भक्ति तथा सूफी दोनों की आन्दोलनों में स्थापित धार्मिक कावस्था पर कड़ा प्रहार किया था।

(iii) दोनों ही आन्दोलन में गरीब, लाचार एवं बेबस लोगों की ओर विशेष ध्यान दिया गया था।

(iv) संतो एवं सूफियॉ की वाणी घर–घर तक पहुँच गई।

(v) संतों का जीवन अत्यंत सादा तथा आदर्शों से भरा हुआ था।

(vi) नृत्य एवं संगीत ईश्वर से प्रेम करने का साधन बना।

(vii) इस आंदोलन ने जाति प्रथा जैसी समाजिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया।

प्रशन 15. क्रिप्स मिशन भरत दीर्ध कयों आया ? इसका क्या परिणाम हुआ ?

उत्तर – दूसरे महायुद्ध (1939–45) में इंगलैण्ड की स्थिति बड़ी खराब हो ई थी। इसलिए उसे भारतीयों से सहयोग की आवश्यकता थी, परन्तु अंग्रेजों की गलत नीतियों के कारण भारतीय अंग्रेजों से नाराज थे और उन्हें किसी प्रकार के सहयोग देने को तैयार नहीं थे। इस समस्या को सुलझाने के लिए ही ब्रिटिश सरकार ने सर स्टेफाई क्रिप्स को 1942 ई० में भारत भेजा। उसने भारतीय नेताओं के सामने अपनी योजना रखी। इसमें कहा गया कि यदि भारतीय दूसरे विश्वयुद्ध में अंग्रेजों के साथ दें तो उन्हें युद्ध बाद 'अधिराज्य' दिया जायेगा। गाँधी जी ने क्रिप्स मिशन योजना की तुलना एक ऐसे चेक से की जिस पर बाद की तिथि पड़ी हुई हो ओर जो ऐसे बैंक का नाम जो फेल होने वाला हों इस प्रकार सभी भारतीय नेताओं ने क्रिप्स मिशन की योजना को अस्वीकार कर दिया अंततः स्टेफोर्ड क्रिप्स को खाली हाथ वापस लौना पड़ा।

Set – 2 **Inter (12th) History**

वस्तुनिष्ट–प्रश्न

1. हड़प्पा सभ्यता किस काल की सभ्यता है ?

(A) पुरा पाषाण काल (B) नव पाषाण काल (C) कास्य युग (D) लौह युग

2. हड़प्पा सभ्यता में सर्वप्रथम किस स्थल का उत्खनन हुआ है ?

(A) मोहन जोदड़ो (B) लोथल (C) हड़प्पा (D) कालीबंगन

3. पशुपति शिव की मुहर पर किस पशु का चित्र नहीं है ?

(A) हिरण (B) बाघ (C) साँड़ (D) भैंस

4. जनपद शब्द इंगित करता है।

(A) प्रशासनिक अधिकारी (B) धार्मिक सम्प्रदाय (C) सामाजिक इकाई (D) क्षेत्रीय इकाई

5. मौर्यकाल में राजकीय कृषि का प्रधान था –

(A) आकराध्यक्ष (B) सीताध्यक्ष (C) पण्याध्यक्ष (D) पौतवाध्यक्ष

6. शतसहसी संहिता का दूसरा नाम है ?

(A) वेद (B) रामायण (C) महाभारत (D) पुराण

7. मनु स्मृति में कितने प्रकार के विवा की चर्चा है ?

(A) चार (B) आठ (C) पाँच (D) छह

8. प्राचीनतम वेद कौन है ?

(A) ऋवेद (B) सामवेद (C) यजुर्वेद (D) अथर्ववेद

9. ऋवैदिक कार्यों के सर्वप्रमुख देवता थे ?

(A) अग्नि (B) इन्द्र (C) वरूण (D) प्रजापति

10. आजीवक सम्प्रदाय के संस्थापक थे ?

(A) पूरण कश्यप (B) मखली गोशाल (C) अजित (D) पकुध कच्चायन

11. महात्मा बुद्ध को कहाँ ज्ञान प्राप्त हुआ है ?

(A) वैशाली (B) बोधगया (C) पटना (D) नेपाल

12. निर्गंव का अर्थ कया है ?

(A) बंधनहीन (B) बंधनयुक्त (C) संन्यासी (D) कोई नहीं

13. पाणिने की अष्टाध्यायी रचित है ?

(A) 450 ई०पू० (B) 500 ई० पू० (C) 400 ई० पू० (D) 200 ई०पू०

14. तम्बाकू का सेवन सर्वप्रथम किस मुगल सम्राट ने किया ?

(अ) अकबर (ब) जहाँगीर (स) शाहजहाँ (द) औरंगजेब

15. तम्बाकू पर किस शासक ने प्रतिबन्ध लगाया ?

(अ) अकबर (ब) बाबर (स) जहाँगीर (द) शाहजहाँ

16. शेख मुइनुद्दीन चिरती की दरगाह स्थित है ?

(अ) आगरा (ब) दिल्ली (स) अजमेर (द) फतेहपुर सिकरी

17. स्थापत्य कला का सर्वाधिक विकास किसके समय में हुआ ?

(अ) अकबर (ब) जहाँगीर (स) शाहजहाँ (द) औरंगजेब

18. आलमगीर के नाम से कौन–सा मुगल बादशाह जाना जाता है ?

(अ) जहाँगीर (ब) अकबर (स) शाहजहाँ (द) औरंगजेब

19. आमुक्तमाल्याद किसने लिखी ?

(अ) हरिहर–I (ब) बुक्का –I (स) देवराय – I (द) कृष्णदेवराय

20. कौन–सा विदेशी यात्री घोड़ों का व्यापारी था ?

(अ) अफनासीनिकितन (ब) फर्नाओ नूनीज (स) निकोलो कोण्टी (द) (अ) एवं (ब)

21. निम्न में से पुर्तगाली यात्री कौन था ?

(अ) एडुअर्डो बारबोसा (ब) डेमिंगौस पेइस (स) फन्म्रओ नूनीज (द) इनमें से सभी

22. इब्नबतूता किस सुल्तान के शासनकाल में भारत आया था ?

(अ) मुहम्मद बिन तुगलक (ब) बलबन (स) रजिया (द) सिकंदर लोदी

23. अलबरूनी किसके साथ भारत आया ?

(अ) महमूद गजनी (ब) मोहम्मद गोरी (स) तैमूर (द) मोहम्मद बिन कासिम

24. 'किताब–उर–रेहला' में किसका यात्रा वत्तान्त मिलता है ?

(अ) अलबरूनी (ब) अब्दुर्रज्जाक (स) इब्नबतूता (द) वर्नियर

25. निम्न में से महिला रहस्यवादी सन्त थी ?

(अ) अंडाल (ब) कराइकल (स) रबिया (द) मीराबाई

26. निजामुद्दीन औलिया किस सूफी सिलसिले से समबन्धित है ?

(अ) चिश्ती (ब) सुहरावर्दी (स) कादिरी (द) फिरदौसी

27. पहाड़ी लोग किस प्रकार की खेती अपनाते है ?

(a) सीढ़ीदार खेती (b) झूम खेती (c) मौसमी (d) कोई नहीं

28. शिकमी–रैयत को बंगाल में जमीन पट्टे पर कौन देता है ?

(a) रैयत (b) कम्पनी (c) जमींदार (d) ह्क्दोर

29. भारत का अंतिम मुगल शासक कौन था ?

(a) शाहजहाँ (b) बहादुर शाह जफर II (c) मुहम्मदशाह (d) बाबर

30. 1857 के बिद्रोह का मुख्य केन्द्र था ?

(a) उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश का बेन्देल खण्ड (b) पंजाब

(c) मद्रास एवं पूरे दक्षिण भारत (d) पूर्वी भारत

31. मद्रास में विश्वविद्यालय की स्थापना कब की गई ?

(a) 1855 (b) 1857 (c) 1834 (d) 1835

32. भारत में हड़प नीति का जनक किस गवर्नर जनरल को माना जाता था ?

(a) रिपन (b) इलहौजी (c) क्लाइव (d) कार्नवालिस

33. 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा' का नारा किसने दिया ?

(a) भगत सिंह (b) मंगल पाण्डेय (c) सुभाष चन्द्र बोस (d) गाँधी जी

34. 'करो या मरो' का नारा किसने दिया ?

(a) महात्मा गाँधी (b) भगत सिंह (c) मंगल पाण्डेय (d) बोस

35. सविनय अकश आन्दोलन की शुरूआत कब हुई ?

(a) 12 मार्च 1930 (b) 12 मार्च 1931 (c) 30 मार्च 1931 (d) सभी

36. भारत छोड़ो आन्दोलन का नेतृत्व किसने किया ?

(a) महात्मा गाँधी (b) सुभाष चन्द्र बोस (c) भगत सिंह (d) सरदार पटेल

37. असहयोग आन्दोलन का नेतृत्व किसने किया ?

(a) सिद्धू (b) महात्मा गाँधी (c) सरदार पटेल (d) भगत सिंह

38. असहयोग आन्दोलन को स्थगित कब किया गया था ?

(a) 1920 (b) 1922 (c) 1925 (d) 1930

39. लाला का पूरा नाम क्या था ?

(a) लाल बहादूर (b) लाला लाजपत राय (c) खुदीराम बोस (d) लाल सक्सेना

40. संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष कौन थे ?

(a) डॉ० सच्चिदानंद सिन्हा (b) डॉ० भीम राव अम्बेडकर

(c) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद (d) जबाहर लाल नेहरू

भाग–II A

लघु उत्तरीय प्रश्न

Q. 1. हड़प्पा सभ्यता के मनके किन पदार्थों से बनाए जाते थे ? इनको वनाने की विधि कया थी ?

Q. 2. अशोक के अभिलेखों के विषय में आप क्या जानते हैं ?

Q. 3. भारतीय सिक्कों का संक्षिप्त परिचय दें ।

Q. 4. कुल एवं जाति का अंतर स्पष्ट करें ।

Q. 5. मुगल शब्द की उत्पत्ति किस प्रकार हुई ?

Q. 6. विजयनगर के राजाओं के अन्तर्गत अमरनायक कौन थे ? वे क्या करते थे।

Q. 7. रेहला पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

प्रश्न 8. उपनिवेशवाद का क्या अर्थ है ? उदाहरण सहित समझाइए।

प्रश्न 9. फिरंगी शब्द का प्रयोग कयों किया गया ?

प्रश्न 10. भारत में जनगणना कब शुरू हुई ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :–

प्रश्न 11. हड़प्पा सभ्यता के स्तिार एवं तिथि पर टिप्पणी लिखें।

प्रश्न 12. मौर्य इतिहास के अध्ययन के प्रमुख श्रोत क्या है ? उनका संक्षितप्त परिचय दें।

प्रश्न 13. जाति–व्यवस्था के सम्बन्ध में अलबरूनी की व्याख्या की चर्चा की जिये।

प्रश्न 14. मुगल काल में पांडुलिपि किस प्रकार तैयार की जाती थी ? इसकी मुख्य विशेषताओं का वर्णन करें।

प्रश्न 15. 1857 ई० के विद्रोह की असफलता के कारणों वर्णन करें।

(14) अ	**(15)** स	**(16)** स	**(17)** स	**(18)** द	
(19) द	**(20)** द	**(21)** द	**(22)** अ	**(23)** अ	
(24) स	**(25)** स	**(26)** अ			

(27) b	**(28)** a	**(29)** b	**(30)** a	**(31)** b	**(32)** b
(33) c	**(34)** a	**(35)** a	**(36)** a	**(37)** b	**(38)** b
(39) b	**(40)** a				

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर :–

1. हड़प्पा सभ्यता के मनके अर्द्धबहुमूल्य पत्थर सेलखड़ी, फयान्स, मिट्टी, ताम्बा, कांसा, सोना, संख इत्यादि से वनाए जाते थे। ये सुन्दर एवं बेलनाकाद, गोलाकार और ढोलनाकार आदि। मनके को कई तरह से बनाए जाते थे। कुछ मनके दो पत्थरों को जोड़कर बनाए जाते थे। कुछ के शीर्ष पर सोना लगाया जाता था। इन्हें सुन्दर चित्रों से सुसज्जित किया जाता था। कुल पत्थरों को आग में पकाकर कुछ को धिसकर पॉलिश की जाती थीं मनकों से मुख्यतः आभूषण वनाए जाते थे।

2. अशोक और उसके वाद के मौर्य सम्राटों के अध्ययन के लिए अभिलेख महत्वपूर्ण साक्ष्य है। अशोक के अभिलेखों को प्रकाश में लाने का श्रेय जेम्स प्रिंसेप को है। वह अंग्रेजी कंपनी का पदाधिकारी था। 1837 ई० में उन्होंने एक अभिलेख को पढ़ा जिसपर ब्राह्मी लिपि और प्राकृत भाषा में 'देवानांपिय' पियदस्सी अर्थात देवों के प्रिय प्रियदर्शी का उल्लेख था। 1915 में इसी प्रकार का एक अन्य लेख प्राप्त हुआ जिनपर पियदस्सी अशोक खुदा हुआ था। इस आधार पर पियदस्सी शब्द वाले अभिलेख अशोक के माने गए। अशोक के अभिलेख अनेक प्रकार के हैं। जैसे – वृहत शिलालेख, लघु शिलालेख, स्तंमलेख, गुहालेख आदि।

3. सिक्कों के प्रचलन से अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिला। भारत के प्राचीनतम सिक्के आहत सिक्के हैं। इनका चलन छठी शताब्दी ईसवी पूर्व में आरंभ हुआ। ये चाँदी और ताम्वा के बने थे। इनपर सिर्फ कुछ चिन्ह बने थे। इन्हें जारी करने की आकृति एवं लेखा नहीं है। चिन्हों के आधार पर ही इन्हें राजवंशों से जोड़ा गया है। संभवतः कुछ सिक्के व्यापारियों एवं धनी नागरिकों द्वारा भी जारी किए गए। मयूर के छाप वाले सिक्के मौर्यों के माने गए। मौर्यों ने सिक्कों को ढालने पर राजकीय नियंत्रण स्थापित किया। हिन्द यूनानियों के समय से सिक्कों को ढ़ालने में क्रांतिकारी परिवर्तन आया। सोने के सिक्के सर्वप्रथम इन्होंने ही जारी किया। सातवाहनों ने भी मूल्यवान धतु के सिक्के चलाए। ईसा के छठी शताब्दी तक सिक्कों की संख्या कम हो गयी।

4. कुल शब्द परिवार का दयोतक है। ये कुल बड़े समूह का एक भाग होता है। यह बड़ा समूह वांधवों अथवा संबंधियों का समूह होता है। यही बांधवों अथवा संबंधियों का बड़ा समूह जाति कहलाता है। परिवार एवं जाति में अटूट संबंध होता है। यह रक्त संबंधों पर आधारित होता है। इस जाति विभिन्न सगा संबंधियों एवं बंधु–बांधवों का बड़ा समूह होता है जबकि कुल उस समूह का एक भाग अथवा छोटा हिस्सा होता है।

Q.5. मुगल शब्द की उत्पत्ति किस प्रकार हुई ?

Ans :- मुगल शब्द की उत्पत्ति मंगोल शब्द से हुई मुगलों ने स्वयं इस विशेषण का प्रयोग नहीं किया क्योंकि पितृपक्ष से वे तैमूर के वंशज थे और तैमूरी कहलाते थे तथा मातृपक्ष से बाबर चंगेज खाँ से सम्बन्धित था। सोहलवीं सदी के यूरोपीय इतिहासकारों ने बाबर और उसके परिवार के लिए मुगल शब्द का प्रयोग किया।

Q.6. विजयनगर के राजाओं के अन्तर्गत अमरनायक कौन थे ? वे क्या करते थे।

Ans :- विजयनगर साम्राज्य में राजा सैनिक व असैनिक अधिकारियों को उनकी विशेष सेवाओं के बदले भूमि प्रदान करते थे। इस प्रकार की भूमि अमरम कहलाती थी। इसके प्राप्तकर्त्ता अमरनायक कहलाते थे। अमरनायक अपने भू–क्षेत्र के कृषकों, शिल्पियों एवं व्यापारियों से भू–राजस्व तथा अन्य कर वसूल करते थे। अमरनायक वर्ष में एक बार राजा को भेंट भेजते थे।

Q.7. रेहला पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Ans :- 'रेहला' इब्नबतूता का यात्रा वृतान्त है, जिसे इब्न जुजये ने 1353 ई० में इब्नबतूता के मोरक्को लौटने के पश्चात अजाइबुल अफसार नाम से लिया था। इतिहासकार मेंहदी हसन ने इस पुस्तक का नाम रेहला रखा। इसमें इब्नबतूता के यात्रा के उद्देश्य एवं आरम्भ पर लिखा गया है। साथ ही तुगलककालीन न्याय व्यवस्था, सड़क व्यवस्था तथा डाक व्यवस्था का भी जिक्र है। भारत से किए जाने वाले अन्य देशों की यात्रा का भी वर्णन है। इब्नबतूता ने मोहम्मद बिन तुगलक को अभी तक सुल्तानों में सर्वाधिक विनम्र एवं न्यायप्रेमी कहा है।

लघु

प्रश्न (8) उपनिवेशवाद का क्या अर्थ है ? उदाहरण सहित समझाए।

उत्तर – उपनिवेशवाद वह विचार धारा है जिसमें एक शक्तिशाली देश दूसरे कमजोर देश पर अधिकार कर लेता है और उनके संसाधनों का मनमाने ढ़ँग से उपयोग करने लगता है।

भारत कभी ब्रिटेन का एक उपनिवेश था। ब्रिटेन के उपनिवेशवाद की बजह से ही भारत गुलाम हुआ और उसके संसाधनों का शेषण हुआ।

प्रश्न (9) फिरंगी शब्द का प्रयोग क्यों किया गया ?

उत्तर – यह फारसी भाषा का शब्द है जो संभवतः फ्रैंक (जिससे फ्रांस का नाम पड़ा है) से निकला है।

इसे उर्दू और हिन्दी में पश्चिम के लोगों का मजाक उड़ाने के लिए कभी–कभी इसका प्रयोग अपमानजनक दृष्टि से किया जाता था।

प्रश्न (10) भारत में जनगणना कब शुरू हुई ?

उत्तर – (i) अखिल भारतीय जनगणना का प्रथम प्रयास 1872 ई० में किया गया।

(ii) इसके 1881 से दशकीय जनगणना की एक नियमित व्यवस्था बन गई। भारत में नगरीकरण का अध्ययन करने के लिए जनगणना से निकले आंकड़े एक बहुमूल्य स्त्रोत हैं।

दीर्ध उत्तरीय प्रश्नोत्तर –

11. हड़प्पा सभ्यता विश्व के प्राचीनतम सम्यताओं में सवसे विस्तृत एवं विशाल माना जाता है। आरंभ में हड़प्पा सभ्यता के दो प्रमुख स्थल हड़प्पा तथा मोहन जोदड़ों प्रकाश में आए। विगत वर्षों में हड़प्पा संस्कृति से सम्बद्ध लगभग 2800 स्थल भारतीय उपमहाद्वीप के बलुचिस्तान, सिंध, पंजाब, जम्मू काश्मीर, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र, काठियावाड़ तथा पिश्चमी उत्तर प्रदेश की सीमा तक ढूढे गए हैं। यह सभ्यता उत्तर में मांदा, दक्षिण में दैमावाद पश्चिम में सांतकांगेदोर एव पूर्व में आलमगीरपुर तक फैला हुआ था।

हड़प्पा सभ्यता में तीन प्रकार के स्थल थे – (i) आरंभिक (ii) विकसित एवं (iii) उत्तरकालीनं पूर्ण विकसित हड़प्पा स्थलों की संख्या 1022 है। इसमें 406 पाकिस्तान में एवं 616 भारत में है। यह सभ्यता लगभग 13 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ था। यह प्राचीन नदी घाटी सभ्यताओं में सवसे अधिक विस्तृत थी।

हड़प्पा सभ्यता की तिथि संबंधी अनेक अवधारण है। विभिनन विद्वानों में भिन्न–भिन्न तिथियाँ सुझाई है। कुछ विद्वानों के अनुसार इसका विकास 3250–2750 ई० पूर्व के मध्य हुआ। जॉन मार्शल इसका विकास काल तीन हजार वर्ष ई० पूर्व मानता है। मार्टिनर व्हीलर इसका काल 2500 ईसा पूर्व से 1500 ईसा पूर्व के मध्य मानता है।

आधुनिक अनुसंधानों के आधार पर इस सभ्यता के तीन चरण माने जाते हैं। प्रथम चरण (i) 3500–2700 ईसा पूर्व, द्वितीय चरण (ii) 2600–1900 ईसा पूर्व तथा तृतीय चरण जो अंतिम चरण (iii) 1900 ई० पूर्व से 1200 ई० पूर्व के मध्य माना जाता है। c सी–कार्वन 14 के अनुसार इसका काल 2350–17500 के मध्य माना जाता है।

12. मौर्य के इतिहास की जानकारी के लिए विविध श्रोत उपलब्ध है। इनमें संस्कृत, पालि तथा प्राकृत में लिए गए विविध ग्रंथ विदेशी यात्रियों के विवरण तथा पुरातात्विक साक्ष्य सम्मिलित है। पुराण जो संस्कृत में लिख गए, बौद्ध ग्रंथ जो पालि में लिखे गए जैसे दीपवंश, मंहावंश, दिव्यावदान, अशोकावदान हैं। प्राकृत में रचित जैन ग्रंथ परिशिष्ट पर्व से मौर्यों की विजय की जानकारी मिलती है। संस्कृत में विशाखदत्त रचित मुद्रा राक्षस नाटक भी मौर्यों के आरंभिक इतिहास के अध्ययन के लिए उपयोगी है। लेकिन साहित्यिक श्रोतों में सवसे अधिक महत्वपूर्ण है– कौटिल्लय का अर्थशास्त्र एवं मेगास्थनिज की इंडिका। मौर्यवंश विशेष रूप से चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रशासन के अध्ययन के लिए अथशास्त्र सवसे अधिक महत्वपूर्ण है। मेगास्थनिज ने अपनी कृति इंडिका में चन्द्रगुप्त मौर्च एवं तत्कालीन व्यवस्था का आँखों–देखा विवरण प्रस्तुत किया है।

पुरातात्विक श्रोत में अभिलेखों सिक्कों, स्तंमाभिलेख, लघु शिलालेख, वृहत शिक्षा लेख, गूहा लेख एवं मृद्मांड प्रमुख हैं। अशोक कालीन प्रस्तर स्तंभ मौर्यकालीन कला का अनूठा नमूना है। बिहार के गया जिला में बराबर एवं नागार्जुनी की पहाड़ियों में मौर्यकालीन गुफाएँ प्रकाश में आई है। इन कलाकृतियों से भी मौर्यों के विषय में जानकारी मिलती है। अशोक के अभिलेख जो ब्राह्मणी लिपि एवं प्राकृत भाषा में लिखी गई है, को 1837 ई० में ईस्ट इंडिया के अधिकारी प्रिन्सेप ने पढ़ा थां साम्राजय के सभी दिशाओं में अशोक कालीन वृहत, लघु एवं स्तंभलेख मिले हैं।

इस प्रकार मौर्यो के इतिहास लेखन में बहुतायत मात्रा में साहित्यिक तथा पुरातात्विक श्रोत मौजूद हैं।

Q.13. जाति व्यवस्था के सम्बन्ध में अलबरूनी की व्याख्या की चर्चा कीजिये।

Ans :- अलबरूनी अपनी पुस्तक किताब–उल–हिन्द के नॉवें अध्याय में भरतीय जाति व्यवस्था पर विस्तार में प्रकाश डालता है। वह अन्य देशों के साथ तुलनात्मक अध्ययन करते हुए भारतीय जाति व्यवस्था का वर्णन करता है। वह प्राचीन फरस के चार सामाजिक वर्णों का उल्लेख करता है। इन चार वर्णों के अन्दर अलग–अलग उपजातियाँ थी, जैसे कि हिन्दुओं के गोत्र होते हैं। साथ ही वह बताया है कि इस्लाम में सभी लोगों को समान माना जाता है और उसमें भिन्नता केवल धर्मिकता के पालन में थी।

<u>वर्णव्यवस्था</u> :– भारतीय जाति व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए अलबरूनी कहता है कि हिन्दू पुस्तकों के अनुसार ब्रह्म के लिए ब्राह्मण वर्ण की उत्पति हुई है। बाहुओं से क्षत्रिय, जंघा से वैश्य एवं पेसे से शूद्र वर्ण की उत्पत्ति हुई है। शूद्रों के पश्चात अन्त्यज लोग हैं जो नाना प्रकार के सेवा कार्य करते हैं, जिनकी आठ जातियाँ हैं। ये आठ जातियाँ–धुनिये, मोची, मदारी, टोकरी और ढाल बनाने वाले, नाविक, मछली पकड़ने वाले, आखेट करने वाले एवं जलाहे हैं। चण्डालों की गणना किसी वर्ण या जाति में नहीं होती। उनका व्यवसाय गाँव की सफाई, प्रभूति मैले कर्म करना हैं उनका जन्म शूद्र पिता ओर ब्राह्मण माता के व्यविचार से हुआ है अतः वे पति, निष्काषित एवं अपवित्र है।

Q.14. मुगल काल में पांडुलिपि किस प्रकार तैयार की जाती थी? इसकी मुख्य विशेषताओं का वर्णन करें।

Ans :- पांडुलिपि का अर्थ है हाथ से लिखी हुई कितावें। मुगलकाल में एक किताबखाना नामक विभाग होता था जिसमें पांडुलिपियाँ तैयार की जाती थीं यहाँ तैयार पांडुलिपियों का संग्रह किया जाता था तथा नई पांडुलिपियाँ तैयार की जाती थी। उनकी रचना कई चरण में पुरी की जाती थी। सबसे पहले कागज तैयार

किया जाता था। फिर सुन्दर अक्षरों में इस पर लिखा जाता था। तत्पश्चात सभी लिखे हुए पृष्ठों को एकत्रित करके जिल्दसाज उसे अंकृत आवरणों के साथ सिलते थे तथा अंतिम रूप प्रदान करते थे।

सुलेखों की कई शैलियाँ थी किन्दु 'नस्तलिक' अकबर की पसंदीदा शैली थी।

मुगलकाल की पाडुलिपियों की विशेषताएँ –

(i) सुनियोजित तरीके से तैयार की जाती थी।

(ii) इन्हें कई बार सोने एवं चाँदी के पानी से भी अलंकृत किया जाता था।

(iii) अक्षरों की समानता पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाता था।

(iv) जिल्दसाजी बहुत अच्छे तरीके से की जाती थी।

(v) इनकी गुणवत्ता का पूरा–पूरा ध्यान रखा जाता था।

(vi) कई बार इसमें लेखों के अतिरिक्त घटनाओं का वर्णन चित्रों के माध्यम से भी किया जाता था।

दीर्घ

Q.15. 1857 ई० के विद्रोह की असफलता के कारणों का वर्णन करें।

Ans :- 1857 ई० के विद्रोह की असफलता के निम्न लिखित कारण थे।

(i) समय से पहले घटित होना :– बिद्रोह की निर्धारित तिथि 31 मई 1857 थी। लेकिन चर्बी वाले कारतूसों का प्रयोग करने से इनकार करने और दमन के कारण समय से पहले ही सिपाही भड़क उठे, जिससे अंग्रेज चौकन्ने हो गए और उन्होंने संभावित खतरों को बूरी तरह से कुचल दिया।

(ii) नेतृत्व कर्त्ता का अभाव :– पूरे विद्रोह का संचालन करने वाला एक नेता नहीं था। सभी अपने–अपने क्षेत्र में नेतृत्व कर रहे थे। ऐसी स्थिति में आपसी तालमेल नहीं हो सका।

(iii) असंतुष्ट राजाओं का नेतृत्व :– जमींदार और देशी राजा अंग्रेजों से प्रसन्न नहीं थे। अतः मौका मिलते ही विद्रोह में शामिल हो गए। जनसाधारण उनके साथ नहीं था क्यों कि वे भी अंग्रेजों की तरह उन्हें शोषण के प्रतीक नजर आते थे।

(iv) युद्ध समाग्री और रसद का अभाव–अंग्रेजी सेना के पास बंदुकें और तोपें थी, परन्तु भारतीय लोग लाठी, भाले, फारसे, कुल्हाड़ी आदि से लड़े। उनके पास खाने–पीने का समान भी नहीं था और न ही अन्य कोई साधन था जिसके द्वारा वे हथियारों और अन्न की आशा करते।

Set – 3 **Inter (12th) History**

वस्तुनिष्ट–प्रश्न

3. सुमेर अभिलेख में 'नाविकों का देश' कौन था ?

(A) मेलुहा (B) मगान (C) दिलमून (D) इनमें कोई नहीं

2. तौलने की इकाई में सिंधुवासी किस अंका का प्रयोग करते थे ?

(A) चार (B) बाहर (C) आठ (D) सोलह

3. चान्दुदरों उत्पादन केन्द्र था –

(A) मुहर (B) मनका (C) वस्त्र (D) मूर्ति

4. अशोक का शासन काल था –

(A) 270–230 ई.पू. (B) 269–232 ई.पू. (C) 2260–240 ई.पू. (D) कोई नहीं

5. अशोक का अभिलेख सर्वप्रथम पढ़ा गया –

(A) 1845 ई० में (B) 1833 ई० में (C) 1837 ई० में (D) 1850 ई० में

6. मुद्राराक्षस का लेखक कौन था ?

(A) कौटिल्य (B) विष्णु ईमा (C) हिरषेण (D) विशाखदत

7. अंग जनपद की राजधानी कहाँ थी ?

(A) पाटलिग्राम (B) विराटनगर (C) चम्पा (D) वैशाली

8. द्विज के अन्तर्गत कौन–कौन हैं ?

(A) प्रथम दो वर्ण (B) प्रथम तीन वर्ण (C) प्रथम एवं चतुर्थ वर्ण (D) सभी वर्ण

9. पुरूष सूक्त का उल्लेख किस ग्रंथ में है ?

(A) अर्थवेवेद में (B) सामवेद में (C) यजुर्वेद में (D) ऋग्वेद में

10. समुद्र गुप्त किस वंश का शासक था ?

(A) मौर्य वंश (B) गुप्त वंश (C) हृर्चक वंश (D) इनमें कोई नहीं

11. शास्त्रों के अनुसार राज्य करने का अधिकार था ?

(A) क्षत्रियों को (B) ब्राहमणों को (C) वैश्य को (D) शुद्र को

12. कार्ले के चैत्य का किससे निर्माण करवाया ?

(A) ईंटों से (B) पहाड़ी चट्टानों से (C) पत्थर से (D) संगमरमर से

13. बौद्धों के लिए सवसे पवित्र स्थल है –

(A) स्तूप (B) बिहार (C) चैत्य (D) इनमें से कोई नहीं

14. राज्मनामा के नाम से किस ग्रन्थ का फारसी अनुवाद किया गया –

(अ) रामायण (ब) माहभारत (स) गीता (द) उपनिषद्

15. गुलवदन बेगम ने किसके आग्रह पर हुमायूँनाम लिखा–

(अ) अकबर (ब) हुमायूँ (स) बाबर (द) अबुल फजल

16. विजयनगर राज्य की स्थापना कब हुई –

(अ) 1326 (ब) 1336 (स)1339 (द) 1359

17. विजयनगर का महानतम शासक कौन था –

(अ) वीरनरसिंह (ब) कृष्णवेव राय (स) अच्युतरण (द) सदाशिवराय

18. अबुल फजल कृत 'आईन–ए–अकबरी' में किस शासक का वर्णन है ?

(अ) बाबर (ब) अकबर (स) हजाँगीर (द) शाहजहाँ

19. अकबरनामा एवं 'आइन–ए–अकबरी' के अनुवादक कौन थे ?

(अ) वेबरीन (ब) जैरंट (स) ब्लाकमैन (द) सभी

20. राजकुमार दारा का सम्बन्ध किस से था ?

(अ) चिश्ती (ब) सुहारवर्दी (स) कादिरी (द) इनमें से सभी से

21. सूफी मत की फिरदौसी शाखा निम्न में से कहाँ सबसे अधिक पनपी ?

(अ) बंगाल (ब) उड़ीसा (स) दिल्ली (द) बिहार

22. इब्नबतूता किस देश का यात्री था ?

(अ) मोरक्को (ब) मिस्र (स) तुर्की (द) ईरान

23. मध्ययुगीन यात्रियों का सरताज किस यात्री को कहा जाता है ?

(अ) अलबरूनी (ब) मार्कोपोला (स) वन्रियर (द) इब्नबतूता

24. हुमायूँ के दरबार में कौन अफ्रीकी यात्री भारत आया ?

(अ) अब्दूर्रज्जाक (ब) अलबरूनी (स) बर्नियर (द) इनमें से कोई नहीं

25. तुजक–ए–जहाँगीरी की रचना किसने की ?

(अ) अब्बास खाँ सरवानी (ब) गुलवदन बेगम (स) जहाँगी (द) नूरजहाँ

26. अकबर का बजीर था –

(अ) बैरम खाँ (ब) मुनीम खाँ (स) टोडरमल (द) अब्दुल रहीम

27. कार्नवालिस कोड बना ?

(a) 1797 (b)1793 (c) 1805 (d) 1775

28. जमीनदारी प्रथा भारत के किस राज्य में लागू हुआ।

(a) बंगाल (b) मद्रास (c) बम्बई (d) कोई नहीं

29. 1857 के विद्रोह के समय भारत का गवर्नर जनरल कौन था ?

(a) इलहौजी (b) केनिंग (c) लिटन (d) रिपन

30. केनिंग से ठीक पहले भारत का गवर्नर जनरल कौन था ?

(a) केनिंग (b) इलहौजी (c) मिन्टो (d) कार्नवालिस

31. प्लासी की लड़ाई किसके–किसके बीच में हुई ?

(a) क्लाइव और सिराजउद्दौला (b) क्लाइव और सिराजुद्दौला

(c) इलाहौजी और सिराजउद्योला (d) इनमें से कोई नहीं

32. बंगाल का सर्वप्रथम गवर्नर कौन बना था ?

(a) कलाइव (b) केनिंग (c) रिपन (d) कार्नवालिस

33. सिराजउद्दौल के बाद बंगाल का नबाव कौन बना ?

(a) शुजाउद्दौला (b) मीर जाफर (c) क्लाइव (d) कार्नवालिस

34. 'गेटवे ऑफ इंडिया' का निर्माण कब हुआ था ?

(a) 1911 (b) 1916 (c) 1920 (d) 1930

35. गाँधी जी ने अहमदाबाद से डांडी की यात्रा किस लिए किया था ?

(a) असहयोग आन्दोलन (b) नमक कानून को तोड़ने के लिए

(c) इरविन से समझौता करने के लिए (d) इनमें से कोई नहीं।

36. ''गाँधी–इर्विन समझौता कब हुआ था ?

(a) 1930 (b) 1931 (c) 1940 (d) 1942

37. दूसरा गोलमेज सम्मेलन कब हुआ था ?

(a) 1930 (b) 1931 (c) 1932 (d) 1942

38. 'मारो फिरंगी' का नारा किसने दिया था ?

(a) भगत सिंह (b) मंगल पाण्डेय (c) बोस (d) गाँधी जी

39. भारत कब स्वतंत्र हुआ ?

(a) 1947 (b) 1948 (c) 1949 (d) 1950

40. स्वतंत्र भारत का अन्तिम गवर्नर जनरल कौन था ?

(a) लार्ड कर्जन (b) लार्ड माउन्टबैटन (c) सी० राजगोपालचारी (d) इनमें से कोई नहीं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

Q. 1. प्राचीन भारत में राजा के दैवीकरण का सिद्धान्त क्या था ? परिचय दें।

Q. 2. हड़प्पा सभ्यता के समाजिक वर्गीकरण का उल्लेख करें।

Q. 3. पुरातात्विक श्रोत से क्या समझते हैं ? लिखें।

Q. 4. चाचर व बंजर भूमि की परिभाषा लिखिये।

Q. 5. सूफीवाद से क्या तात्पर्य है ?

Q. 6. बर्नियर द्वारा लिखित पुस्तक का नाम लिखिए। सती प्रथा के बारे में उसने क्या लिखा था ?

प्रश्न 7. रैयतवाड़ी भू–राजस्व बन्दोवस्ती व्यवस्था की विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

प्रश्न 8. 1857 के विद्रोह का तात्कालिक कारण क्या था ?

प्रश्न 9. गाँधी जी 1917 ई० में चम्पारण क्यों गए ? वहाँ उन्होंने क्या किया।

प्रश्न 10. भारतीय संविधान का निर्माण कब हुआ ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :–

प्रश्न 11. भारत में मंदिर स्थापत्य पर निबंध लिखें।

प्रश्न 12. मौर्य प्रशासन के विशेषताओं का उल्लेख करें।

प्रश्न 13. कृषि उत्पादन में महिलाओं की भूमिका का विवरण दीजिए।

प्रश्न 14. भारत में केन्द्र और राज्यों के मध्य विधायी सम्बन्धों की विवेचना करें।

प्रश्न 15. गोलमेज सम्मेलन कयों आयोजित किए गए ? इनके कार्यों की विवेचना कीजिए।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर : –

(1) A	(2) A	(3) B	(4) B	(5) C	
(6) D	(7) C	(8) B	(9) D	(10) B	
(11) A	(12) B	(13) A			
(14) ब	(15) अ	(16) ब	(17) ब	(18) ब	(19) द
(20) स	(21) द	(22) अ	(23) ब	(24) द	(25) स
(26) अ					
(27) b	(28) a	(29) b	(30) b	(31) a	(32) a
(33) b	(34) a	(35) b	(36) b	(37) b	(38) b
(39) a	(40) c				

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर :–

8. राजा को दैवीकरण की परिपाटी उत्तर भारत में ज्यादा प्रचलित थी। इसका प्रमुख कारण शासन में बिकेन्द्रीकरण की प्रवृति को रोकना एवं नियंत्रित करना था। इसके अन्तर्गत राजा का संबंध देवता से दिखलाया जाता था। इसके उद्देश्य पुजा का सहयोग एवं समर्थन प्राप्त करना था। इस उद्देश्य से अशोक ने देवानांप्रिय की उपाधि धारण की। अशोक के वाद में शासकों ने भी इस परम्परा का अनुसरण दिया। सातवाहनों ने राम, कृष्ण, भीम, अर्जुन जैसे देवताओं से तुलना की। चोल राजाओं और रानियों की मूर्तियां मंदिरों में स्थापित कर उनकी पूजा की जाने लगी। शकों, पह्लवों कुषाणों एवं गुप्तों ने भी दैवी सिद्धांत को अपनाया।

9. हड़प्पा सभ्यता के सामाजिक वर्गीकरण विविध रूपों में मिलते हैं। वर्ग संरचना, समाजिक विभेद, आहार, वस्त्र–आभूषण, रहन–सहन मनोरंजन एवं साधन की विधियों की जानकारी हमें पुरातात्विक साक्ष्यों से होती है। हड़प्पाई परिवार संभवतः वड़े थे। पुरास्थलों से वड़ी संख्या में स्त्री मृण्मूर्तियों को देखकर यह अनुमान लगाया जाता है कि समाज में मातृसत्तात्मक तत्व प्रभावशाली थे। भवनों के आकार–प्रकार के आधार पर पुराविदों ने समाजिक संगठन की परिकल्पना की है। दुर्गों या गढ़ी में शासक वर्ग के लोग, बड़े आरामदायक मकानों में धनी वर्ग कम छोटे मकानों में मध्यम वर्ग वाले, तथा बैरकनूमा मकानों में श्रमिक वर्ग निम्न वर्ग, एवं किसान, शिल्पी रहते होंगे।

10. पुरातात्विक श्रोत अधिक प्रमाणिक होता है। गुहा लेख, स्तंमलेख, शिलालेख, सिक्के, मृद् मृण्मूर्तियों धातु पत्थर उपकरणों आदि रूप में देखा जा सकता है। सिंधु घाटी सभ्यता में बड़ी मात्रा में पुरातात्विक श्रोत प्राप्त हुए जिनसे सभ्यता के वारे में जानकारी मिलती है। सिंधु घाटी सभ्यता की मुहरे विशिष्ट वस्तु है। अग्निकुंड स्नानागार, गोदीवाड़ा गहने धातुओं की मौजूदगी भी पुराताप्विक श्रोंत ही है। प्राचीन भारत में सर्व प्रथम आहत सिक्के छठी शताब्दी इसा पूर्व से मिलने लगते हैं। इस प्रकार पुरातात्विक श्रोत साहित्यिक श्रोतों की पुष्टि में भी सहायक होता है।

Q.4. चाचर व बंजर भूमि की परिभाषा लिखिये।

Ans :- चाचर/छच्चर भूमि :– यह वह भूमि होती थी जो कृषि योग्य होने या उर्वरा शक्ति प्राप्त करने हेतु 3 या 4 वर्ष परती छोड़ दी जाती थी।

बंजर भूमि :– यह सबसे निम्न कोटि की भूमि थी जो 5 वर्ष के लिए खाली छोड़ दी जाती थी।

Q.5. सूफीवाद से क्या तात्पर्य है ?

Ans :- सूफीवाद प्रगाढ़ भक्ति एवं धर्म है। प्रेम उसका भाव है, कविता, संगीत तथा नृत्य उसकी आराधना के साधन हैं तथा परम्पराओं में विलीन हो जाना इसका आदर्श है। सूफी मद का प्रादुर्भाव दसवीं शताब्दी में माना जाता है।

Q.6. बर्नियर द्वारा लिखित पुस्तक का नाम लिखिए। सती प्रथा के बारे में उसने क्या लिखा था ?

Ans :- बर्नियर ने अपना यात्रा वृत्तान्त अपनी पुस्तक ''ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर'' में किया है। सती प्रथा के बारे में वह बताता है कि भारत में कुछ महिलाएँ प्रसन्नता से सती होती थीं एवं कुछ महिलाओं को सती होने के लिए बाध्य किया जाता था। अपने वर्णन द्वारा वह युरोपीय श्रेष्ठता एवं भारत में व्याप्त बुराई को प्रमाणित करना चाहता था।

प्रश्न (7) रैयतवाड़ी भू–राजस्व बन्दोवस्ती व्यवस्था की विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

उत्तर – भारत वर्ष में जैसे–जैसे अंग्रेजी राज्य का विस्तार की गई, यह व्यवस्था मद्रास, असम और बम्बई में भी लागू की गई। इस व्यवस्था में जमीन सीधे किसानों को दे दी गई। किसानों को अपनी भूमि बेचने या गिरवी रखने, खेती करने के लिए दूसरों को देने का अधिकार था। समय पर भूमि–कर देते रहने पर किसानों को भूमि के स्वामित्व से वंचित नहीं किया जा सकता था। किसान सरकार को कर देते थे। पैदावार की कुल कीमत का आधा भाग किसान सरकार को देते थे और आधा अपने पास रखते थे। इस व्यवस्था में किसानों की स्थिति अच्छी थी। रैयतवाड़ी व्यवस्था भारत की भूमि का 51.1 भाग पर लागू किया गया था।

प्रश्न (8) 1857 के विद्रोह का तात्कालिक कारण क्या था ?

उत्तर – तात्कालिक कारण कारतूसों में लगी सूअर और गाय की चर्बी थी। 1857 ई० में सैनिकों को नई एनफील्ड राईफल दी गई और इन एनफील्ड राइफल में गोली भरने से पूर्व कारतूस को दॉत से छीलना पड़ता था। हिन्दू और मुसलमान दोनो ही गाय और सूअर की चर्बी को अपने–अपने धर्म के विरूद्ध समझते थे। अतः उनका भड़कना स्वाभाविक था। 26 फरवरी, 1857 ई० को बहरामपुर में 19वीं नेटिव इनफक्ट्री ने नए कारतूस प्रयोग करने से मना कर दिया। 29 मार्च 1857 ई० को चौतीसवीं नेटव इनफैक्ट्री के सिपाही मंगल पाण्डेय ने दो अंग्रेजों अधिकारियों को मार डाला। बाद में मंगल पाण्डेय को पकड़ कर फांसी दे दी गई। सिपाहियों का निर्णयाक विद्रोह 10 मई 1857 ई० को मेरठ से शुरू हो गया था।

प्रश्न (9) गाँधी जी 1917 ई० में चम्पारण क्यों गए ? वहाँ उन्होंने क्या किया।

उत्तर – बिहार के चम्पारण जिले में गोरे बागान मालिकों ने किसानों से एक अनुबंध किया था, जिसके अनुसार किसानों को अपनी जमीन के 3/20 वें हिस्से में नील

की खेती करना अनिवार्य था। किसान इस अनुबंध से मुक्त होना चाहते थे। क्योंकि नील की खेती करने से भूमि की उर्वरा–शक्ति समाप्त हो जाती थी। 1917 ई० में चम्पारण के राजकुमार शुक्ल के अनुरोध पर गाँधी जी चम्पारण पहुँचे और नील–बगान मालिकों के शोषण का विरोध किया। उनके प्रयासों से सरकार ने चम्पारण को किसानों की समस्याओं की जाँच हेतु एक आयोग नियुक्त किया। अंत में गाँधी जी की विजय हुई। गाँधी जी का पहला सफल आन्दोलन भारत में था।

प्रश्न (10) भारतीय संविधान का निर्माण कब हुआ ?

उत्तर – भारतीय संविधान का निर्माण एक संविधान सभा द्वारा किया गया। 9 दिसम्बर 1946 को संविधान सभा की प्रथम बैठक हुई और सच्चिदानंद सिन्हा इसके अस्थायी अध्यक्ष थे। 11 दिसम्बर 1946 ई० को डॉ० राजेन्द्र प्रसार को संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष चुना गया। इस संविधान सभा के द्वारा 2 वर्ष 11 माह 18 दिन के अथक प्रयास के द्वारा 26 नवम्बर 1949 ई० को हमारा संविधान बनकर तैयार हो गया था और हमारा संविधान 26 जनवरी 1950 ई० को लागू हो गया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर –

11. मंदिरों की स्थापना धार्मिक विश्वासों का प्रतीक माना जाता है। बौद्ध धर्म के अनुयायियों ने जहाँ अपने उपासना स्थल के रूप में चैत्यों एवं स्तूपों का निर्माण किया वहीं ब्राहमण धर्म वालों ने अपने देवी–देवताओं के निर्माण के लिए मंदिर बनवाए। मंदिर दो प्रकार के थे–गुहा मंदिर जो पहाड़ी चट्टानों को काटकर बनाए गए एवं संरचनात्मक मंदिर जिनका निर्माण ईंट–पत्थरों से एवं कहीं–कहीं लकड़ी से किया गया।

गुहा/गुफा मंदिर– गुप्तकाल के पूर्व गूफा मंदिर वनें। वाद में हिन्दू देवी–देवताओं के लिए ऐसे मंदिर बनाए गए। प्राचीनतम गुफा मंदिर के प्रमाण बिहार के गया के निकट बराबर एवं नागार्जुनी की पहाड़ियों में मिले हैं। यहाँ कुल मिलाकर सात गूफा मंदिर वने जो स्थानीय लोगों में सतघरवा के नाम से विख्याता है। उड़िसा में हाथीगूफा। एहॉल में विष्णु के वराह प्रतिमा वने। गूफा निर्माण के अंतिम चरण में एलोरा और महवलीपुरम के गूफा मंदिर वने।

संरचनात्मक मंदिर गुप्तकल में बनना आरंभ हुए। इस काल के मंदिरों में देवगढ़ (झासीं, उत्तर प्रदेश) विशेष रूप से उल्लेखनीय है। एरन (मध्य प्रदेश) तथा तिगवा मंदिर (मध्य प्रदेश) आदि भी वने। कुछ मंदिरों में मुख्य देवता के अतिरिक्त अन्य देवताओं के भी मंदिर वनाए गए। ऐसे मंदिर पंचायतन मंदिर कहलाए।

मंदिर निमोढ़ा की तीन प्रमुख शैलिय बिकसित हुईं– नगर शैली जो उत्तर भारत में द्रविड़ शैली जो दक्षिण भारत में एवं वेसर शैली जो दोनों शैली का संयुक्त रूप है, का निर्माण किया गया।

12. मौर्य शासकों ने साम्राज्य की स्थापना के साथ प्रशासन की भी समुचित व्यवस्था की। मौर्य प्रशासन का उदेश्य साम्राज्य को स्थायित्व प्रदान करना एवं शक्तिशाली बनाना था।

<u>केन्द्र प्रशासन</u> – राजा प्रशासन का प्रधान था। मंत्रियों, प्रशासनिक एवं सैनिक अधिकारियों की नियुक्ति उसी के द्वारा की जाती थी। सचिव अथवा मंत्री राजा को

सलाह देते थे। अर्थशास्त्र में नौरशाही का विस्तृत विवरण है। कौटिल्य ने 18 तीर्थों एवं 27 अध्यक्षों का विवरण दिया है। तीर्थों में सेनापति, समाहर्त्ता, सन्निधाता, युवराज आदि थे। अध्यक्षों में सीताध्यक्ष, पोतवाहाध्यक्ष, आकटाध्यक्ष, काराध्यक्ष आदि थे। इसके अलावा स्थानिक स्तर के पदाधिकारियों का भी उल्लेख है। इसमें स्थानिक, गोप, नागरक प्रमुख हैं। गुप्तचर व्यवस्था के लिए मौर्यों के गूढ़ पुरूष एवं न्याय व्यवस्था के लिए न्यायधीश वहाल किए थे।

सैनिक व्यवस्था – प्लिनी के अनुसार चन्द्रगुपत मौर्य की सेना में 600000 पैदल, 30,000 घुड़सवार, 9000 हाथी तथा 8000 रथ थे। मेगास्थनिज भी सैन्य व्यवस्था का विवरण देता है।

<u>राजस्व व्यवस्था</u> – प्रशासन एवं सेना के खर्च के लिए मौर्यो ने सभी उपलब्ध साधनो का उपयोग किया अर्थशास्त्र में राजकीय आय के अनेक श्रोत थे। इनमें दुर्ग, राष्ट्रखनि, सेतु, वन वनिक पथ आदि। कृषि विस्तार की भी नीति अपनाई गई। सामान्यतः किसानों से 1/4 या 1/6 भूमिकर वसूला जाता था।

<u>नगर प्रशासन</u> – नगर प्रशासन का पहली वार विस्तृत विवरण मौर्यकाल में मिलता है। इंडिका और अर्थशास्त्र दोनों ग्रंथों में इसका विवरण है। नगर प्रवंध के लिए 30 सदस्यीय बोर्ड था। प्रत्येक समितियों में 5–5 सदस्य थे।

प्रश्न (13) कृषि उत्पादन में महिलाओं की भूमिका का विवरण दीजिए।

उत्तर – मुगलकालीन श्रोतो के अनुसार कृषि समाज में महिलाओं की निम्नलिखित भूमिका थी–

(i) मर्द और महिलाएँ खास किस्म की प्रक्रिया में भूमिकाएँ अदा करते हैं।

(ii) खेतों में महिलाएँ ओर मर्द कन्धे से कन्धा मिलाकर काम करते थे। मर्द खेत जोतते थे एवं हल चलाते थे और महिलाएँ बुआई, निराई और कटाई के साथ–साथ पकी हुई फसल का दाना निकालने का काम करती थी।

(iii) सूत कातने, वर्त्तन बनाने के लिए मिट्टी को साफ करने और गूँथने और कपड़ों पर कढ़ाई जैसे दस्तकारी के काम उत्पादन के ऐसे पहलू थे, जो महिलाओं के श्रम पर निर्भर थे।

(iv) किसी वस्तु का जितना वाणिज्यीकरण होता था, महिलाओं के श्रम की उसके उत्पादन के लिए उतनी ही माँग होती थी। जरूरत पड़ने पर किसान और दस्तकार महिलाएँ न सिर्फ खेतों में काम करती थीं बल्कि नियोक्ताओं के धरों पर भी जाती थीं और बाजारों में भी।

(v) महिलाएँ पुश्तैनी सम्पति के विकेता के रूप में ग्रामीण जमीन के बाजार में सक्रिय हिस्सेदारी रखती थीं।

प्रश्न (14) भारत में केन्द्र और राज्यों के मध्य विधायी सम्बन्धों की विवेचना करें।

उत्तर – केन्द्र और राज्यों के मध्य व्यवस्थापिका सम्बन्धों का तात्पर्य ऐसे सम्बन्धों से हे जो कानून बनाने की शक्ति से सम्बन्धित है। भारतीय संविधान में केन्द्र तथा राज्यों में व्यवस्थापिका की शक्तियों का बंटवारा विषयों की तीन सूचियाँ बनाकर किया गया है। ये सूचियाँ हैं :–

(1) संघ सूची

(2) राज्य सूची

(3) समवर्ती सूची

(1) संघ सूची – संघ सूची में राष्ट्रीय महत्व को 97 विषयों का उल्लेख किया गया है। इनमें प्रमुख विषय है – सुरक्षा, विदेश युद्ध, सन्धि, रेल, वायुयान, समुद्री जहाज, डाक, टेलफोन, प्रसारण, व्यापार, नोट मुद्रा, रिजर्व बैंक, जनगणना और आयकर इत्यादि। संघ सूची के विषयों पर कानून बनाने का अधिकार केवल संसद का ही प्राप्त है।

(2) राज्य सूची – राज्य सूची में 66 विषय रखे गये हैं जिन पर कानून बनाने का अधिकार राज्य सरकारों को दिया गया। राज्य सूची का प्रमुख विषय है– कृषि, जेल, स्वास्थ्य चिकित्सा, सिंचाई का मालगुजारी इत्यादि।

(3) समवर्ती सूची – समवर्ती सूची में 47 विषय हैं। इस सूची के विषयों पर केन्द्र और राज्य दोनों कानून बना सकते हैं परन्तु किसी विषय पर यदि संसद और राज्य के विधान मंडल द्वारा बनाए गए कानूनों में विरोध होता है तो संसद द्वारा बनाए गए कानून की मान्य होंगे। इस सूची के प्रमुख विषय हैं – बिजली, विवाह, शिक्षा, कानून, मूल्य नियंत्रण, समाचार पत्र, छापेखाने, दीवानी कानून हिंसा, वन, जनसंख्या नियंत्रण और परिवार नियोजन इत्यादि।

प्रश्न (15) गोलमेज सम्मेलन क्यों आयोजित किए गए ? इनका कार्यों की विवेचना कीजिए।

उत्तर – 12 नवम्बर 1930 ई० को प्रथम गोलमेज सम्मेलन लंदन में हुआ था। इस गोलमेज सम्मेलन का उदघाटन तात्कालिन ब्रिटिश सम्राट जार्ज पंचम ने किया और प्रधानमंत्री रैम्जे मैकडोनाल्ड ने सम्मेलन की अध्यक्षता की। इस सम्मेलन में 89 प्रतिनिधयों ने भाग लिया। इसमें ब्रिटेन के तीनों दलों का प्रतिनिधितव करने वाले 16 ब्रिटिश संसद सदस्य, ब्रिटिश भारत के 57 प्रतिनिधि जिन्हें वायसराय ने मानोनीत किया था तथा देशी रियासतों के 16 सदस्य सम्मिलित थे। कांग्रेस ने इस सम्मेलन का बहिष्कार किया था।

गाँधी— इरविन समझौता— ब्रिटिश प्रधानी रेम्जे मेकडोनाल्ड तथा इरविन दोनों को ज्ञात हो गया कि कांग्रेस के बिना किसी संविधान का निर्माण नहीं किया जा सकता है। इस लिए बिना किसी शर्त के कांग्रेस के नेताओं को जेल से रिहाकर दिया गया। अंततः 5 मार्च 1931 को गाँधी और इरविन में समझौता हो गया। सविनय अवज्ञा आन्दोलन वापस हो गया। द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेना स्वीकार कर लिया।

दूसरा गोलमेज सम्मेलन— द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस की ओर से एक मात्र प्रतिनिधि के रूप में महात्मा गाँधी ने भाग लिया। मुस्लिम लीग से अली जिन्ना ने भाग लिया। 7 सितम्बर 1931 ई० को दूसरा गोलमेज सम्मेलन प्रारम्भ हुआ। गाँधी जी 12 सितम्बर को लन्दन पहुँचे। विभिन्न दल व वर्ग अपना—अपना हित देख रहे थे। इस बात से गाँधी जी दुखी थे और खाली हाथ वापस आ गए।

तृतीय गोलमेज सम्मेलन— 17 नवम्बर 1932 ई० में तृतीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस के किसी प्रतिनिधि ने भाग नहीं लिया। 24 दिस्म्बर 1932 को बिना किसी निर्णय के यह सम्मेलन समाप्त हो गया।

Set – 4
Inter (12th) History

वस्तुनिश्ठ उत्तरीय प्रश्न : –

1. हड़प्पा सभ्यता में युगल शवाधान किस स्थल से मिला है?
   (अ) मोहनजोदड़ो से (ब) लोथल से (स) वनावली से (द) शोर्तुबई से
2. सिंधु घाटी सभ्यता किस युग की मानी जाती है?
   (अ) प्रस्तर युग (ब) स्वर्ण युग (स) कांस्य युग (द) ताम्र युग
3. उत्तर वैदिक काल की अवधि क्या थी?
   (अ) 1100–500 ई॰पू॰ (ब) 1200–600 ई॰पू॰ (स) 1000–600 ई॰पू॰ (द) उक्त काई नहीं
4. सिंधु घाटी सभ्यता की विशिष्ट वस्तु क्या थी?
   (अ) धातु के समान (ब) मनके के समान (स) मिट्टी की मूर्त्तियाँ (द) मुहरें
5. वैदिक सभ्यता के संस्थापक कौन थे?
   (अ) मौर्य (ब) हड़प्पावासी (स) आर्य (द) गुप्त
6. भारत का नेपोलियन कहलाता है : –
   (अ) चन्द्रगुप्त (ब) समुद्रगुप्त (स) अशोक (द) महापदमनंद
7. अशोक का अभिलेख सर्वप्रथम किसने पढ़ा है?
   (अ) ह्वीलर (ब) मार्शल (स) प्रिंसेप (द) उक्त कोई नहीं
8. गुप्त वंश का संस्थापक कौन था?
   (अ) समुद्रगुप्त (ब) चन्द्रगुप्त द्वितीय (स) रामगुप्त (द) श्रीगुप्त
9. हर्षवर्द्धन कहाँ का शासक था?
   (अ) मथुरा (ब) कनौज (स) सौराष्ट्र (द) उड़ीसा
10. अरबों की सिंध विजय कब हुई?
    (अ) 710 ई॰ में (ब) 715 ई॰ में (स) 716 ई॰ में (द) 712 ई॰ में
11. साँची का स्तूप कहाँ स्थित है?
    (अ) राजस्थान में (ब) पंजाब में (स) मध्य प्रदेश में (द) हरियाणा में
12. नगरीय सभ्यता के नाम से जाना जाता है?
    (अ) वैदिक सभ्यता (ब) हड़प्पा सभ्यता (स) उक्त दोनों (द) उक्त कोई नहीं
13. प्रारंभिक वैदिक काल की अवधि थी : –
    (अ) 1600–1000 ई॰पू॰ (ब) 1000–900 ई॰पू॰
    (स) 1000–500 ई॰पू॰ (द) 1500–1000 ई॰पू॰
14. अकबर ने किस साल में दीन–ए–इलाही धर्म चलाया?
    (अ) 1562 (ब) 1564 (स) 1579 (द) 1581
15. दारा एवं शाहजहाँ के पास आगरा में रहती थी : –
    (अ) जहाँआरा (ब) रोशन आरा (स) गौहर आरा (द) उक्त सभी
16. बाबर, चंगेज खाँ का कौन–सा वंशज था?
    (अ) पाँचवाँ (ब) सातवाँ (स) बारहवाँ (द) चौदहवाँ

17. गुलबदन बेगम कौन थी?
(अ) नर्त्तकी (ब) गायिका (स) लेखिका (द) नायिका

18. हुमायूँ का भाई कौन था?
(अ) कामरान (ब) असकरी (स) हिन्दाल (द) उक्त सभी

19. पानीपत की प्रथम लड़ाई कब हुई?
(अ) 1526 (ब) 1527 (स) 1528 (द) 1529

20. कृष्णदेव राय का शासनकाल है : —
(अ) 1509—1529 ई॰पू॰ (ब) 1406—1422 ई॰पू॰
(स) 1336—1354ई॰पू॰ (द) 1422—1446 ई॰पू॰

21. निकोलो कोण्टी किस देश का यात्री था?
(अ) इटली (ब) मोरक्को (स) इंग्लैण्ड (द) फ्रांस

22. निम्नलिखित में से महिला संत थीं : —
(अ) मीरा (ब) अंडाल (स) कराईकल (द) उक्त कोई नहीं

23. रामानन्द के शिष्य कौन थे?
(अ) रैदास (ब) कबीर (स) पीपा (द) उक्त सभी

24. कृष्ण को कौन अपना पति मानती थीं?
(अ) मीरा (ब) अंडाल (स) कराईकल (द) उक्त सभी

25. अब्दुर्रज्जाक समरकन्दी नामक यात्री ने किसके यात्रा वृत्तांतों को पढ़ा और उससे प्रेरणा ली?
(अ) अलबरूनी (ब) इब्नबतूता (स) बर्नियर (द) उक्त सभी

26. 'किताब—उल—हिन्द' कुल कितने अध्यायों में विभक्त है?
(अ) 80 (ब) 81 (स) 79 (द) 82

27. महलवाड़ी व्यवस्था में राजस्व वसूलने का इकाई क्या था?
(अ) उपज (ब) भूमि (स) महल (द) उक्त सभी

28. संथाल विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था?
(अ) बिरसा मंडल (ब) सिद्धू (स) तिलका मांझी (द) महात्मा गाँधी

29. अवध के नवाब वाजिद अलीशाह को गद्दी पर से कब हटाया गया?
(अ) 1840 (ब) 1865 (स) 1885 (द) 1856

30. झाँसी में 1857 ई॰ की क्रांति का नेतृत्व किसने किया था?
(अ) वीर कुँवर सिंह (ब) रानी लक्ष्मी बाई (स) नाना साहिब (द) तात्या टोपे

31. 'एनफील्ड राइफलों' का इस्तेमाल किसने सर्वप्रथम शुरू कराया था?
(अ) हेनरी हार्डिंग (ब) लॉर्ड डलहौजी (स) लॉर्ड वेलेजली (द) लॉर्ड कैनिंग

32. 1757 ई॰ की प्लासी की लड़ाई के समय बंगाल का गवर्ननर कौन था?
(अ) लॉर्ड डलहौजी (ब) रॉवर्ट क्लाइव
(स) लॉर्ड मिन्टो (द) लॉर्ड कार्नवालिस

33. सर्वप्रथम भारत में रेल कहाँ से कहाँ तक चलाई गई?
(अ) कलकत्ता से थाने (ब) बम्बई से थाने

(स) मद्रास से थाने (द) उक्त में से कोई नहीं

34. भारत में औपचारिक जनगणना कब प्रारंभ हुई?
(अ) 1875 ई॰ में (ब) 1873 ई॰ में (स) 1881 ई॰ में (द) 1872 ई॰ में

35. चौरी–चौरा घटना कब घटी?
(अ) 5 फरवरी, 1922 (ब) 8 फरवरी, 1922 (स) 5 फरवरी, 1924 (द) उक्त में से सभी

36. असहयोग आंदोलन का नेतृत्व किसने किया था?
(अ) आगा खाँ (ब) महात्मा गाँधी (स) मोती लाल नेहरू (द) सुभाष चन्द्र बोस

37. मुस्लिम लीग की स्थापना किसने की थी?
(अ) अली बंधु (ब) खाँ बंधु (स) मो॰ अली जिन्ना (द) महात्मा गाँधी

38. मुस्लिम लीग ने प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस मनाने की घोषणा कब किया था?
(अ) 11 अगस्त, 1945 (ब) 16 अगस्त, 1946 (स) 16 अगस्त, 1950 (द) 9 अगस्त, 1945

39. हिन्दू महासभा के संस्थापक कौन थे ?
(अ) पंडित मदन मोहन मालवीय (ब) सुभाष चन्द्र बोस
(स) भगत सिंह (द) उक्त में से कोई नहीं

40. ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद कब बनी?
(अ) 26 जुलाई, 1945 (ब) 30 जुलाई, 1945
(स) 26 जनवरी, 1950 (द) 15 अगस्त, 1947

लघु उत्तरीय प्रश्न : –

1. हड़प्पा सभ्यता में मनके किन–किन पदार्थों से बनाए जाते थे?
2. अशोक के अभिलेख कितने प्रकार के थे? लिखें।
3. प्राचीन संहिता में वर्णित विवाहों के कितने प्रकार थे?
4. सुल–ए–कुल की नीति क्या थी?
5. कबीर दास जी का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
6. सूफीवाद में सिलसिला का क्या अर्थ है?
7. स्थायी बंदोवस्त से कंपनी को क्या लाभ हुआ?
8. संथालों ने ब्रिटिश शासन के विरूद्ध विद्रोह क्यों किया?
9. 1857 ई॰ विद्रोह में कुँवर सिंह की क्या भूमिका थी?
10. कस्बा और गंज में अंतर स्पष्ट कीजिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : –

11. छठी शताब्दी ईसा पूर्व में धर्म सुधार आंदोलन के कारणों की व्याख्या करें।
12. स्तूपों के निर्माण का उद्देश्य क्या था?
13. हम्पी पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
14. असहयोग आंदोलन की प्रकृति एवं एवं परिणामों का वर्णन करें।
15. भारत में संघात्मक व्यवस्था के साथ–साथ शक्तिशाली केन्द्र की स्थापना की गई है?

वस्तुनिश्ठ प्रश्नोत्तर : —

(1)	ब	(2)	स	(3)	स	(4)	द	(5)	स	(6)	ब
(7)	स	(8)	द	(9)	ब	(10)	द	(11)	स	(12)	ब
(13)	द	(14)	द	(15)	अ	(16)	द	(17)	स	(18)	द
(19)	अ	(20)	अ	(21)	अ	(22)	द	(23)	द	(24)	अ
(25)	ब	(26)	अ	(27)	स	(28)	ब	(29)	द	(30)	ब
(31)	अ	(32)	ब	(33)	ब	(34)	द	(35)	अ	(36)	ब
(37)	ब	(38)	ब	(39)	अ	(40)	अ				

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर : —

प्रश्नोत्तर (1) हड़प्पा सभ्यता में मनके अनेक पदार्थों से बनाए जाते थे। उन पदार्थों में अर्द्धबहुमूल्य पत्थर, सेलखड़ी, फयान्स, मिट्टी, ताम्बा, कांसा, सोना, शंख इत्यादि प्रमुख थे। ये विभिन्न आकार के होते थे। जैसे — चक्राकार, बेलनाकार, गोलाकार, ढ़ोलाकार आदि।

प्रश्नोत्तर (2) अशोक के अभिलेख मुख्यतः तीन प्रकार के थे — (1) स्तंभाभिलेख, (2) शिलालेख और (3) गुहालेख। स्तभ लेख के भी दो रूप थे — पहला लघु स्तंभलेख एवं वृहत स्तंभ लेख। शिलालेख भी लघु एवं वृहत दोनों रूपों में थे। गुहालेख प्रायः पहाड़ों, पठारों को काटकर बनाए गए होते थे। गया में अशोककालीन बराबर की पहाड़ी एवं नागर्जुनी पहाड़ी गुहालेख के रूप में मौजूद है।

प्रश्नोत्तर (3) धर्मसूत्रों एवं धर्मशास्त्रों, जैसे — वौधायन, धर्मसूत्र, मनुस्मृति में विवाह के आठ प्रकार बताए गए हैं। ये है — (1) ब्रह्म विवाह, (2) दैव विवाह, (3) आर्ष विवाह, (4) प्रजापत्य विवाह (5) असुर विवाह (6) गंधर्व विवाह, (7) राक्षस विवाह और (8) पैशाच विवाह। इन विवाहों में एक से चार तक मान्य विवाह है और पाँच से आठ तक अमान्य विवाह माने जाते हैं।

प्रश्नोत्तर (4) अकबर ने सुलह—ए—कुल की नीति अपनाई। इसका अर्थ होता है सबसे शांति और मेल—जोल रखने का सिद्धांत। अबुल फजल सुलह—ए—कुल के आदर्श को प्रबुद्ध शासन की आधारशिला मानता था। सभी अधिकारियों को प्रशासन में सुलह—ए—कुल की नीति अपनाने के निर्देश दिए गए।

प्रश्नोत्तर (5) कबीर दास का जन्म सन् 1425 ई॰ में हुआ था। वाराणसी में लहरतारा के पास एक तालाब के समीप नीमा को बच्चा मिला। तत्पश्चात् उनका पालन—पोषण दम्पत्ति नीरू और नीमा के द्वारा किया गया। उन्होंने ही बालक का नाम कबीर रखा, जो अरबी भाषा का शब्द है। कबीर का अर्थ महान। कबीर निर्गुण भक्ति धारा के भक्त कवि थे। जिन्होंने हिन्दू—मुस्लिम एकता पर अत्यधिक बल देकर समाज में क्रांतिकारी विचार प्रतिपादित किया।

प्रश्नोत्तर (6) सिलसिला का शाब्दिक अर्थ है — 'जंजीर' जो शेख और मुरीद के बीच के निरंतर रिश्ते के द्योतक है। इस जंजीर की पहली कड़ी पैगम्बर मोहम्मद साहब से जुड़ी है। इस कड़ी के मार्फत पैगम्बर मोहम्मद साहब एवं पीर (गुरू) की आध्यात्मिक शक्ति एवं आशीर्वाद उनके इस जंजीर से अंतिम छोर तक जुड़े मुरीदों तक पहुँचता है।

प्रश्नोत्तर (7) स्थायी बंदोवस्त के जनक लॉर्ड कार्नवालिस सन् 1786 ई॰ में भारत के गवर्नर जनरल बनकर आये। 1793 ई॰ में लॉर्ड कार्नवालिस द्वारा बिहार, बंगाल, उड़ीसा में भू—राजस्व की

स्थायी बंदोवस्त लागू की गई। इसमें जमींदारों को भूमि का स्वामी मानते हुए उन्हें नियत तिथि पर निश्चित राजस्व सरकार के पास जमा करना पड़ता था। राजस्व दर सरकार बढ़ा नहीं सकती।

स्थायी बंदोवस्त से कंपनी को लाभ हुआ। निश्चित आय के आधार पर अब नई योजनाएँ बनाकर उनका क्रियान्वयन कर सकती थी। लगान वसूलने का खर्च और परेशानी भी खत्म हो गई। इस नीति से बंगाल में आंतरिक आर्थिक स्थिति में सुधार आया। लगान की अनिश्चितता समाप्त होने से किसान कृषि की ओर लौटने लगे जिससे कृषि का विकास हुआ तथा उत्पादन में भी वृद्धि दर्ज की गई। इसके परिणामस्वरूप उद्योग–धंधों तथा व्यापार की स्थिति में भी विकास देखने को मिला।

प्रश्नोत्तर (8) यह विद्रोह संथालों के नेता 'सिंद्धू' तथा 'कान्हू' के नेतृत्व में किया गया था। यह विद्रोह भूमि कर अधिकारियों द्वारा किये जाने वाले दुर्व्यवहार तथा जमींदार, साहूकार, आदि द्वारा किये जाने वाले उत्याचार के खिलाफ किया गया था।

प्रश्नोत्तर (9) बिहार के आरा जिले के जगदीशपुर में जन्मे जमींदार वीर कुँवर सिंह ने 1857 ई॰ के विद्रोह का बिहार में नेतृत्व किया और अंग्रेज 80 वर्षीय वीर योद्धा से पनाह माँग ली थी। वे उत्तर प्रदेश की ओर निकले। वहाँ आजमगढ़ में अंग्रेजों से उन्होंने भीषण युद्ध किया था। गंगा पार करते समय उनकी बाँह में गोली लग गई थी। उन्होंने अपनी जख्मी बाँह को तलवार से काटकर गंगा को समर्पित कर दियें। लेकिन गोली के जहर से वे मुक्त नहीं हो सकें और जगदीशपुर में 27 अप्रैल, 1858 ई॰ को उनकी मृत्यु हो गई।

प्रश्नोत्तर (10) कस्बा – ग्रामीण इलाके में एक छोटे नगर को कस्बा कहा जाता है, जो सामान्यतः स्थानीय विशिष्ट व्यक्ति का केन्द्र होता है। जबकि गंज एक छोटे स्थायी बाजार को गंज कहा जाता है। कस्बा और गंज दोनों कपड़ा, फल, सब्जी तथा दूध उत्पाद से संबंद्ध थे। विशिष्ट परिवारों तथा सेना के लिए सामग्री उपलब्ध कराते थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर : –

प्रश्नोत्तर (11) छठी शताब्दी ईसा पूर्व धर्म सुधार आंदोलन के अनेक कारण थे, जो निम्नलिखित है : –

1. **जटिल वर्ण व्यवस्था** : – उत्तर वैदिक काल से वर्ण व्यवस्था जटिल बन गयी थी। कर्म का स्थान जन्म ने ले लिया था। सामाजिक विद्वेष के वातावरण आर्थिक क्षेत्र में हुए परिवर्तनों और यज्ञ–बलि प्रधान धार्मिक मान्यताओं ने सुधार आंदोलन के लिए मार्ग प्रशस्त कर दिया।
2. **धार्मिक जीवन के प्रति असंतोष** : – वैदिक धर्म आडम्बरपूर्ण यज्ञ–बलि प्रधान एवं जटिल कर्मकाण्ड से युक्त होने के कारण लोगों के लिए असंतोष का कारण बन गया। इन अवैज्ञानिक व्यवस्थाओं के खिलाफ नये विचारों के रूप में लगभग 62 सम्प्रदायों का उदय हुआ, इनमें बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म प्रमुख था। नये विचारों ने आंदोलन को जन्म दिया।
3. **नई अर्थव्यवस्था का प्रभाव** : – छठी सदी में अर्थव्यस्था में परिवर्तन हो रहे थे। कृषि में लोहे के प्रयोग से कृषि का विकास हो रहा था। नगरों का निर्माण, सिक्कों का प्रचलन एवं अतिरिक्त उत्पादन से व्यापार–वाणिज्य को बढ़ावा मिला। इससे वैश्यों की

संपन्नता बढ़ी और वे सामाजिक व्यवस्था में सम्मान प्राप्त करना चाहते थे। इसी कारण वैश्य एवं नीचे के वर्गों ने सामाजिक दर्जा एवं समानता के लिए ब्राह्मणवादी व्यवस्था का विरोध किया।

इस प्रकार छठी शताब्दी ईसा पूर्व में जटिल वर्ण व्यवस्था, धार्मिक जीवन के प्रति असंतोष, नये विचारों का आगमन एवं नवीन अर्थव्यस्था के प्रभाव ने धार्मिक आंदोलन को जन्म दिया।

प्रश्नोत्तर (12) बौद्ध धर्म के अनुयायियों ने अपने धार्मिक स्मारक के रूप में चैत्य एवं स्तूप बनवाए। स्तूप के निर्माण के निम्न उद्देश्य थे – बुद्ध के अवशेषों को सुरक्षित रखने के लिए स्तूपों का निर्माण किया गया। बुद्ध के महापरिनिर्वाण के पश्चात् स्तूप बनाने की परंपरा आरंभ हुई। परिनिर्वाण के पश्चात् उनके शरीर के अवशेष को आठ भागों में विभक्त किया गया। इन अवशेष को क्षत्रिय राजकुल के सदस्यों ने लेकर अपने–अपने यहाँ स्तूप बनवाकर सुरक्षित कर लिये। मौर्य सम्राट अशोक ने इन अवशेषों को अन्य स्थानों में भी रखकर 84,000 स्तूपों का निर्माण करवाया।

स्तूपों की संरचना एवं आकृति एक उल्टा हुआ कटोरों के समान होती है। इसे अण्ड कहा जाता है। इसके उपरी समतल भाग में हार्यिका बनाई जाती थी। यह एक चौकोर रेलिंग होती थी। हार्यिका में सोना–चाँदी के पेटिका में पवित्र अवशेषों को रखा जाता था। यह स्तूप का पवित्र स्थल था। स्तूप का निचला सिरा स्तूप के ऊपरी भाग में स्थिर रहता था। इस स्तंभ या मस्तूल को 'यष्टि' कहा जाता है। यष्टि के ऊपरी शीर्ष पर तीन छातानुमा तस्तरियां लगाई जाती थी। स्तूप के निचले भाग में गोलाकार अण्ड के चारों ओर प्रदक्षिणा–पथ का निर्माण किया जाता था। वेदिका में चार दिशाओं और स्थानों पर तोरण बनवाए जाते थे। वेदिका एवं तोरण सुन्दर चित्रों एवं आकृतियों से सुसज्जित किया जाता था। इन पर बुद्ध धम्म एवं संघ से संबंद्ध दृश्यों व जातक कथाओं का सुन्दर चित्रण देखा जा सकता है।

प्रश्नोत्तर (13) हम्पी कर्नाटक का एक प्रमुख पर्यटक स्थल है। विजयनगर साम्राज्य की राजधानी होने के कारण मध्यकाल में यहाँ पर स्थापत्य कला का अभूतपूर्व विकास हुआ। 1300 ई० में एक अभियंता तथा पुराविद् कालीन मैकेंजी द्वारा हम्पी के भग्नावेश प्रकाश में लाए गये थे। छायाचित्रकारों ने 1856 ई० में यहाँ के भवनों के चित्र संकलित करने आरंभ किए। 1836 ई० से ही यहाँ और हम्पी के अन्य मंदिरों से अभिलेखकर्त्ताओं ने अभिलेख इक्ट्ठा करना आरंभ कर दिया। तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थिति हम्पी किष्किन्धा राज्य की राजधानी थी, जहाँ भगवान रामचन्द्र के समय बानर राजा बाली राज करते थे। स्थापत्य कला में विजयनगर के राजाओं की रूचि थी। विट्ठल मंदिर तथा राममंदिर हम्पी के भग्नावेश हैं। राजा कृष्णदेव राय ने विट्ठल मंदिर का निर्माण 1513 ई० में कराया था। कृष्णदेव राय ने ही हजारा राम मंदिर का निर्माण 1520 ई० में कराया था।

प्रश्नोत्तर (14) महात्मा गाँधी का संघर्ष एक नई पद्धति असहयोग आंदोलन के रूप में सत्याग्रह एवं अहिंसा के सिद्धांतों पर आधारित था। स्वदेशी आंदोलन की तरह इसमें भी बहिष्कार और स्वदेशी की नीति को अपनाया गया था। यह आंदोलन 31 अगस्त, 1920 ई० से शुरू हुआ।

परिणाम – 1857 ई॰ के विद्रोह के बाद पहली बार असहयोग आंदोलन के परिणामस्वरूप अंग्रेजी राज की नींव हिल गई। गाँधी जी को मार्च, 1922 ई॰ में राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। कांग्रेस संगठन में दरार पड़ गये, जिसके चलते स्वराज दल की स्थापना हुई। साथ ही साथ लखनऊ पैक्ट में कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच जो समझौता हुआ था, वह सम्पूर्ण रूप टूट गया। जिन्ना ने कांग्रेस नेतृत्व तथा गाँधी जी पर खिलाफत के प्रश्न को कमजोर कर देने का आरोप लगाया। 1923 ई॰ में सारे देश में साम्प्रदायिक दंगे हुए। गाँधी जी फरवरी, 1924 ई॰ में जेल से रिहा हो गए और अब उन्होंने अपना ध्यान घर में बुने खादी कपड़े को बढ़ावा, अंग्रेजी भाषा के जगह मातृभाषा का प्रयोग करने तथा छूआ–छूत को समाप्त करने पर लगाया। राजवाड़ो में राष्ट्रवादी सिद्धांत को बढ़ावा देने के लिए 'प्रजामंडलों' की एक श्रृंखला स्थापित की गई। असहयोग आंदोलन की यही परिणाम है।

प्रश्नोत्तर (15) भारतीय संविधान में जहाँ एक ओर संघात्मक शासन की स्थापना की गई है वहीं दूसरी ओर केन्द्र को अधिक शक्तिशाली बनाया गया है। इसके मुख्य कारण निम्नलिखित है : –

1. **विदेशी आक्रमण का मुकाबला करने के लिए** – हमारे संविधान में निर्माताओं ने देश के इतिहास से पाठ सीखा कि जब भी केन्द्र कमजोर हुआ तब विदेशी आक्रमण हुए। इसलिए उन्होंने शक्तिशाली केन्द्र की स्थापना का निर्णय लिया।
2. **राष्ट्रीय एकता की स्थापना के लिए** – भारत पहले छोटे–छोटे राज्यों में विभक्त था। परंतु ब्रिटिश शासनकाल में एकता का प्रदुर्भाव हुआ। संविधान निर्माता एकता को बनाए रखना चाहता था। इसलिए उन्होंने शक्तिशाली केन्द्र की स्थापना की।
3. **भारतीय रियासतों की समस्या** – भारत स्वतंत्र हुआ तो यहाँ पर 563 देशी रियासते थीं। इन रियासतों को भारतीय संघ में विलय करने के लिए भी केन्द्र को शक्तिशाली बनाना अनिवार्य था।
4. **देश की विभिन्न समस्याओं का सामना** – साम्प्रदायिक दंगे, कश्मीर की समस्या, विस्थापितों की पुनर्स्थापना, देशी की बाह्य आक्रमणों से रक्षा आदि समस्याओं का मुकाबला करने के लिए शक्तिशाली केन्द्र को बनाना अनिवार्य था।
5. **आर्थिक उन्नति के लिए** : – भारत जब 1947 ई॰ में आजाद हुआ, तो भारत की आर्थिक व्यवस्था बहुत खराब थीं। देश में आर्थिक उन्नति के लिए आर्थिक योजनाओं का आरंभ करना आवश्यक था ताकि लोगों का जीवन स्तर ऊँचा उठ सके। इस कार्य को करने के लिए भी एक शक्तिशाली केन्द्र स्थापित करने की आवश्यकता थी।

❖❖❖❖❖

Set – 5
Inter (12th) History

वस्तुनिश्ठ उत्तरीय प्रश्न : –

1. गुप्त शासन का आरंभ हुआ : –
   (अ) 330 ई॰ से (ब) 325 ई॰ से (स) 315 ई॰ से (द) 320 ई॰ से
2. समुद्रगुप्त शासक किस ईस्वी में बना?
   (अ) 335 ई॰ में (ब) 331 ई॰ में (स) 315 ई॰ में (द) उक्त काई नहीं
3. अशोक के अभिलेख को सर्वप्रथम कब पढ़ा गया?
   (अ) 1850 ई॰ में (ब) 1830 ई॰ में (स) 1753 ई॰ में (द) 1837 ई॰ में
4. बिन्दुसार किस वंश का शासक था?
   (अ) गुप्त वंश का (ब) मौर्य वंश का (स) हर्यन्द वंश का (द) कुषाण वंश का
5. ऋग्वेद में कितने मंडल है?
   (अ) 20 (ब) 25 (स) 10 (द) 5
6. छठी शताब्दी ई॰पू॰ में कितने महाजनपदों की चर्चा है?
   (अ) 18 (ब) 15 (स) 10 (द) 16
7. भारत का प्रथम नगरीय सभ्यता थी : –
   (अ) वैदिक सभ्यता (ब) हड़प्पा सभ्यता (स) उक्त दोनों (द) उक्त कोई नहीं
8. हड़प्पा स्थल का उत्खनन कब आरंभ हुआ?
   (अ) 1920 ई॰ में (ब) 1950 ई॰ में (स) 1921 ई॰ में (द) 1920 ई॰ में
9. निम्नलिखित में किसे विष्णु का अवतार माना जाता है?
   (अ) महावीर को (ब) गौतम बुद्ध को (स) इन्द्र को (द) वरूण को
10. मगध महाजनपद की राजधानी थी : –
    (अ) राजगृह (ब) वैशाली (स) चम्पा (द) मथुरा
11. पुरन्दर के नाम से कौन जाना जाता है?
    (अ) विष्णु (ब) राम (स) वरूण (द) इन्द्र
12. गौतम बुद्ध का जन्म कब हुआ?
    (अ) 543 ई॰पू॰ (ब) 530 ई॰पू॰ (स) 563 ई॰पू॰ (द) 583 ई॰पू॰
13. सिकंदर कहाँ का शासक था?
    (अ) फ्रांस का (ब) मिस्र का (स) इराक का (द) मखदुनिया का
14. किस ग्रंथ में आदम से लेकर अकबर के काल तक का इतिहास मिलता है?
    (अ) बाबरनामा (ब) अकबरनामा (स) जहाँगीरनामा (द) उक्त सभी
15. अकबर ने अबुल फजल से अपने स्वयं के काल का इतिहास लिखवाया। प्राचीन काल में ऐसी परंपरा कहाँ थी?
    (अ) चीन (ब) यूनान (स) रोम (द) इंग्लैण्ड
16. 'बादशाहनामा' किसने लिखा?

(अ) फैजी (ब) अबुल फजल
(स) अब्दुल हमीद लाहौरी (द) निजामुद्दीन अहमद

17. फतेहपुर सिकरी को राजधानी किसने बनाया?
(अ) अकबर (ब) जहाँगीर (स) शाहजहाँ (द) बाबर

18. दरबार में अभिवादन का तरीका निम्न में से कौन–सा था?
(अ) कौर्निश (ब) सजाद (स) पायबोस (द) उक्त सभी

19. मुमताज एवं शाहजहाँ की पुत्री का नाम था : –
(अ) जहाँआरा (ब) रोशन आरा (स) गौहर आरा (द) उक्त सभी

20. सर्वप्रथम विजयनगर की यात्रा पर आनेवाला विदेशी यात्री कौन था?
(अ) निकोली कोण्टी (ब) अब्दुर्रज्जाक (स) डेमिंगौस पेइस (द) फर्नाओ नूनीज

21. अपना यात्रा वृत्तांत 'मतलडसादेन' नाम से किस विदेशी यात्री ने लिखा?
(अ) डेमिंगौस पेइस (ब) अब्दुर्रज्जाक (स) निकोली कोण्टी (द) फर्नाओ नूनीज

22. शेख कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी का संबंध किस सूफी सम्प्रदाय से है?
(अ) चिश्ती (ब) सुहरावर्दी (स) कादिरी (द) नक्सबंदी

23. ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की अजमेर स्थित दरगाह पर सर्वप्रथम कौन–सा सुल्तान गया?
(अ) बलबन (ब) मुहम्मद बिन तुगलक
(स) अलाउद्दीन खिलजी (द) अकबर

24. शंकराचार्य का मत है : –
(अ) द्वैतवाद (ब) अद्वैतवाद (स) भेदाभेदवाद (द) द्वैता द्वैतवाद

25. भारतीय अध्ययन संबंधी बाधाओं का वर्णन किस विदेशी यात्री ने किया है?
(अ) अलबरूनी (ब) मार्कोपोलो (स) इब्नबतूता (द) बर्नियार

26. लाहौर में एक 12 वर्षीय बालिका को जबरदस्ती सती बनाये जाने की मार्मिक घटना का आँखों देखा हाल किस विदेशी यात्री ने बताया है?
(अ) अलबरूनी (ब) अब्दुर्रज्जाक (स) इब्नबतूता (द) बर्नियार

27. 'अमला' किसके द्वारा भेजा गया अधिकारी होता था?
(अ) दीवान (ब) जमींदार (स) कोतवाल (द) मनसबदार

28. इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी को कब बंगाल की दीवानी प्राप्त हुई थी?
(अ) 1764 ई० में (ब) 1765 ई० में (स) 1777 ई० में (द) 1805 ई० में

29. झाँसी की रानी लक्ष्मी बाई की मृत्यु कब हुई?
(अ) जून, 1858 ई० (ब) मई, 1857 ई० (स) जून, 1856 ई० (द) जुलाई, 1860 ई०

1857 ई० के विद्रोह में किन गोपनीय संकेतों का प्रयोग किया गया था?
(अ) गुलाब का फूल (ब) चपाती और कमल का फूल
(स) पान (द) लाल रूमाल

30. बम्बई में विश्वविद्यालय की स्थापना कब की गई?
(अ) 1833 ई० में (ब) 1840 ई० मे (स) 1857 ई० में (द) 1833 ई० में

31. भारत में रेल सर्वप्रथम किस गर्वनर ने चलाया था?

(अ) रॉबर्ट क्लाइव (ब) लॉर्ड डलहौजी (स) लॉर्ड रिपन (द) लॉर्ड लिटन

32. खेड़ा (गुजरात) में किसान आंदोलन कब हुआ था?

(अ) 1917 ई॰ में (ब) 1918 ई॰ में (स) 1921 ई॰ में (द) 1925 ई॰ में

33. जालियाँवाला बाग हत्याकाण्ड कब हुआ था?

(अ) 13 अप्रैल, 1919 (ब) 13 अप्रैल, 1918 (स) 13 अप्रैल, 1921 (द) 13 अप्रैल, 1922

34. 'काला कानून' किसे कहा गया?

(अ) रॉलेक्ट एक्ट (ब) इल्बर्ट बिल (स) वुड डिस्पौच (द) बंगाल विभाजन

35. भारत छोड़ो आंदोलन किस वर्ष हुआ?

(अ) 1920 ई॰ में (ब) 1921 ई॰ में (स) 1942 ई॰ में (द) 1930 ई॰ में

36. 'दिल्ली चलों' का नारा किसने दिया?

(अ) गाँधी (ब) सुभाषचन्द्र बोस (स) डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद (द) भगत सिंह

37. बारदोली में किसान आंदोलन कब हुआ था?

(अ) 1920 ई॰ में (ब) 1917 ई॰ में (स) 1928 ई॰ में (द) 1942 ई॰ में

38. भारत गणतंत्र दिवस कब मनाता है?

(अ) 15 अगस्त (ब) 26 जनवरी (स) 2 अक्टूबर (द) 5 जून

39. संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे?

(अ) डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद (ब) जवाहर लाल नेहरू

(स) सरदार बल्लभ भाई पटेल (द) बी॰आर॰ अम्बेडकर

लघु उत्तरीय प्रश्न : –

1. हड़प्पा सभ्यता का उत्पत्ति–काल निर्धारित करें।
2. महाभारत–साहित्यिक स्रोत पर टिप्पणी करें।
3. गांधार कला से क्या समझते हैं?
4. मनसबदारी व्यवस्था की मुख्य विशेषताओं का वर्णन करें।
5. पीर और मुरीद में अंतर बताइए।
6. विजयनगर की जल आवश्यकताओं को किस प्रकार पूरा किया जाता था?
7. रॉलेक्ट एक्ट पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखें।
8. भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 ई॰ को क्यों लागू किया गया?
9. ब्रिटिश शासन की भू–राजस्व व्यवस्था का वर्णन कीजिए।
10. तात्या टोपे कौन थे?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : –

11. हड़प्पा सभ्यता के पतन के कारणों की व्याख्या करें।
12. गुप्तों के राजनीतिक इतिहास की विवेचना करें।
13. इतिवृत्त से आप क्या समझते हैं? इसका मुख्य उद्देश्य क्या था?
    अथवा ''इतिवृत्त मुगल शासन काल के आधारभूत स्रोत है।'' समीक्षा करें।
14. 1857 ई॰ के विद्रोह के मुख्य कारण क्या थे?
15. भारत छोड़ो आंदोलन के कारणों और परिणामों का मूल्यांकन करे।

वस्तुनिश्ठ प्रश्नोत्तर : –

(1)	द	(2)	अ	(3)	द	(4)	ब	(5)	स	(6)	द
(7)	ब	(8)	स	(9)	ब	(10)	अ	(11)	द	(12)	स
(13)	द	(14)	ब	(15)	अ	(16)	स	(17)	अ	(18)	द
(19)	द	(20)	अ	(21)	ब	(22)	अ	(23)	ब	(24)	ब
(25)	अ	(26)	द	(27)	ब	(28)	ब	(29)	ब	(30)	ब
(31)	ब	(32)	ब	(33)	ब	(34)	अ	(35)	अ	(36)	स
(37)	ब	(38)	स	(39)	ब	(40)	द				

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर : –

प्रश्नोत्तर (1) हड़प्पा सभ्यता के उत्पत्ति संबंधी कालक्रम के बारे में अनेक अवधारणाऐं है, जो निम्नलिखित है : –

1. मार्टिनर ह्वीलर के अनुसार इसका काल 2500–1500 ई॰पू॰ तक माना जाता है।
2. आधुनिक अनुसंधानों के आधार पर इस सभ्यता के तीन चरण माने जाते हैं – आरंभिक चरण 3500 ई॰पू॰, द्वितीय चरण 2600–1900 ई॰पू॰ एवं अंतिम चरण 1900–1200 ई॰पू॰।
3. कुछ विद्वान इसका कालक्रम 3250–2750 ई॰पू॰ मानते है।
4. रेडियो कार्बन सी–14 के आधार पर इसका काल 2500–1750 ई॰पू॰ के आस–पास माना जाता है।

प्रश्नोत्तर (2) गांधार कला ऐसी कला है जिसके अंतर्गत पहली बार बुद्ध और बोधिसत्व की मानवाकार मूर्तियाँ बनाई गई है। इन्हें सफेद और काले रंग के पत्थर से विभिन्न मुद्राओं में बनाया गया है। इनमें बाल के अलंकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

प्रश्नोत्तर (3) महाभारत इतिहास लेखन में महत्त्वपूर्ण साहित्यिक स्रोत माना जाता है। इसमें 18 अध्याय एवं 180 प्रक्रम है। इसमें इतिहास लेखन से संबंधित अनेक तथ्य प्राप्त होते हैं। इस ग्रंथ की मूल कथावस्तु कुरू कबीला के कौरबों एवं पाण्डवों के बीच हुआ भीषण युद्ध भी है। अनेक राजवंशों का इतिहास भी महाभारत में मिलता है। कौरब वंश, पाण्डव वंश, कृष्ण, बलराम, द्रोपदी, युधिष्ठिर इत्यादि वंश एवं पात्रों के बारे में विस्तृत विवरण है। इस रू॰ में यह साहित्यिक स्रोत के रूप में है।

प्रश्नोत्तर (4) मनसबदारी व्यवस्था की शुरूआत अकबर काल में हुई, जो दशमलव प्रणाली पर आधारित था। मनसबदार को दो पद 'जात एवं सवार' प्रदान किए जाते थे। मनसबसदार जात और सवार पर आधारित है। मनसबदारी व्यवस्था मुगल सेना का प्रमुख आधार थी। उसने मुगल साम्राज्य के विस्तार एवं सुव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी। अकबर की मृत्यु के उपरांत उसके उत्तराधिकारियों ने इस व्यवस्था में थोड़ा बहुत परिवर्तन किया और इसे जारी रखा।

प्रश्नोत्तर (5) सूफी संतों को भारत में 'पीर' तथा विदेशों में 'शेख' नाम से संबोधित किया जाता था। सभी संतों ने गुरू की महत्ता को सर्वोच्च स्थान दिया था। मुगल काल में पीर को श्रद्धा की दृष्टि से देखा जाता था। पीर के जो शिष्य होते थे, वे मुरीद कहलाते थे। मुरीद गुरू के प्रति असीम श्रद्धा भाव रखते थे। वे पीर की शिक्षाओं को जन–जन तक पहुँचाते थे।

प्रश्नोत्तर (6) विजयनगर के राजा जनता का विशेष ध्यान रखते थे। विजयनगर में बड़े–बड़े जलाशयों का निर्माण कराया गया था। नदियों और झीलों में बाँध बनवाये गए थे। नदियों, झीलों से नहरें निकाली गई थी, जिससे सिंचाई होती थी। जनता के लिए पेयजल की सुन्दर व्यवस्था थी।

प्रश्नोत्तर (7) प्रथम विश्वयुद्ध के समय क्रांतिकारी भी बहुत सक्रिय हो गये थे। वे भारत में भी क्रांति द्वारा स्वराज्य प्राप्त करना चाहते थे। भारत में बढ़ रही आतंकवादी गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से अंग्रेजी सरकार ने न्यायाधीश सर सिहनी रॉलेक्ट की अध्यक्षता में में एक समिति गठन किया। इस समिति के सुझाव 1919 ई॰ में केन्द्रीय विधान परिषद् में विधेयक पास हुआ। यह विधेयक रॉलेक्ट एक्ट के नाम से जाना जाता है। इस एक्ट के माध्यम से अंग्रेजी सरकार को अधिकार मिला कि वह जिसको चाहे, जब तक चाहे, बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रख सकती थी। भारतीय लोगों ने इस कानून को 'काला कानून' कहा।

प्रश्नोत्तर (8) भारत का संविधान 26 नवम्बर, 1949 ई॰ को बनकर तैयार हो गया था। इसे बनाने में 2 वर्ष 11 माह और 18 दिन लगा था। परंतु इसे 2 महीना बाद 26 जनवरी, 1950 ई॰ को लागू किया गया। इसका एक कारण था कि जवाहर लाल नेहरू ने काँग्रेस की अध्यक्षता करते हुए 31 दिसम्बर, 1929 ई॰ में लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज्य की माँग का प्रस्ताव पारित कराया। 26 जनवरी, 1930 ई॰ का दिन सारे भारत में 'स्वतंत्रता दिवस' के रूप में मनाया गया था। इसके बाद प्रति वर्ष 26 जनवरी को इसी रूप में मनाया जाने लगा। इसी पवित्र दिवस की याद को ताजा रखने के लिए संविधान सभा ने संविधान को 26 जनवरी, 1950 ई॰ को लागू किया। देश के स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद बने।

प्रश्नोत्तर (9) ब्रिटिश शासन की भू–राजस्व व्यवस्था तीन प्रकार की थी, जो निम्नलिखित है : –

1. **स्थाई बंदोबस्त** : – लॉर्ड कार्नवालिस ने 1793 ई॰ में बंगाल में स्थायी बंदोवस्त आरंभ किया, इसके अंतर्गत लगान सदा के लिए निश्चित कर दिया गया और लगान एकत्र करने वाले को जमींदार बना दिया गये।
2. **रैयतवाड़ी** : – मद्रास और बम्बई प्रेसिडेंसियों में रैयतवाड़ी बंदोवस्त आरंभ किया गया। यह कंपनी और रैयत (किसान) के मध्य लगान संबंधी सीधा इकरारनामा था। समय– समय पर लगान बढ़ाया जा सकता था।
3. **महालवाड़ी** : – इसके अंतर्गत लगान का समझौता कंपनी और गाँव या महाल के मध्य हुआ। यह उत्तर और मध्य भारत में लागू किया गया।

प्रश्नोत्तर (10) तात्या टोपे नाना साहब के विश्वसनीय सेवक और पक्के देशभक्त थे। उन्होंने गोरिल्ला सेना के बल पर अंग्रेजों के दाँत खट्टे कर दिये। कैम्पबेल में अंग्रेजों से हारने के बाद भी ग्वालियर में अंग्रेजों के विरूद्ध रानी लक्ष्मीबाई का साथ दिया। झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की मृत्यु के पश्चात् वे अंग्रेजों के द्वारा पकड़ लिये गये और उन्हें फाँसी दे दी गई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर : –

प्रश्नोत्तर (11) हड़प्पा सभ्यता के पतन के लिए अनेक कारण बताए गए हैं, जो निम्नलिखित है : –

1. **विदेशी आक्रमण** : – मोहनजोदड़ो से मिले साक्ष्य जैसे – यत्र–तत्र विखरित नरकंकाल, आभूषण, अस्थियाँ आदि के आधार पर कुछ विद्वानों ने सुझाव दिया है कि इस नगर का विनाश विदेशी आक्रमणकारियों ने किया।
2. **प्राकृतिक कारणः** – हड़प्पा सभ्यता के पतन के लिए प्राकृतिक कारण को भी उत्तरदायी माना गया है। बड़े पैमानें पर आग लगना, बाढ़ का प्रकोप, नदियों के जलधारा में परिवर्तन, विवर्तनिक हलचलों, भूमि की आर्द्रता में कमी इत्यादि से इस सभ्यता का पतन हुआ।
3. **प्रशासनिक शिथिलताः** – ऐसा अनुमान लगाया गया है कि विकसित हड़प्पा सभ्यता विकास के अंतिम चरण तक आते–आते प्रशासनिक दृष्टि से कमजोर पड़ने लगा। राज्य पर से प्रशासनिक नियंत्रण समाप्त हो गया। नगर–निर्माण एवं भौतिक जीवन में परिवर्तन आने लगा। फलतः सभ्यता का पतन आरंभ हो गया।
4. **आर्थिक कारण** : – हड़प्पा सभ्यता के पतन के कारणों में आर्थिक कारण भी प्रमुख कारण माना जाता है। कृषि उत्पादन में कमी आने, व्यापार–वाणिज्य का ह्रास होना, इत्यादि से सभ्यता की संपन्नता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। आर्थिक निष्क्रियता ने अर्थ–व्यवस्था को दुर्बल बना दिया। लंबे समय तक उपकरणों एवं तकनीकों में परिवर्तन नहीं होने उपयोगिता खो बैठे।

इस प्रकार उपर्युक्त कारणों के आधार पर हड़प्पा सभ्यता के पतन के लिए उत्तरदायी माना जाता है। लेकिन किसी एक कारण पर सर्वानुमति नहीं है।

प्रश्नोत्तर (12) गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त को माना जाता है। लेकिन इसका वास्तविक संस्थापक चन्द्रगुप्त प्रथम है, क्योंकि राज्य को संप्रभु स्वरूप चन्द्रगुप्त प्रथम के काल में ही प्राप्त हुआ। इसका शासन काल 319–330 ई॰ तक रहा। वह इस वंश का पहला प्रभावशाली राजा हुआ। वैवाहिक संबंधों एवं सैनिक अभियानों द्वारा अपनी स्थिति सुदृढ़ कर राज्य का विस्तार किया। 319 ई॰ में गुप्त संवत् का आरंभ चन्द्रगुप्त प्रथम के गद्दी पर बैठने के साथ आरंभ हुआ।

चन्द्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त (330–380) हुआ। हरिषेण रचित प्रयाग प्रशस्ति में इसकी चर्चा है। इसने अपने सैन्य अभियानों द्वारा गुप्त साम्राज्य के चरमोत्कर्ष पर पहुँचा दिया। अपने अभियान में उत्तरी भारत के 9 राजाओं, दक्षिण भारत के 12 राज्यों को पराजित किया। उसने सीमावर्ती राज्यों एवं गणराज्यों पर भी विजय प्राप्त की। उसके विशाल सैन्य अभियानों के कारण कुछ विद्वान उसे नेपोलियन से तुलना की है।

समुद्रगुप्त के उत्तराधिकारी चन्द्रगुप्त द्वितीय हुआ। इसके काल में गुप्त साम्राज्य के अंतर्गत अभूतपूर्व साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास हुआ। इसी उपलब्धियों के कारण गुप्तकाल को 'स्वर्णकाल' भी कहा जाता है। चन्द्रगुप्त द्वितीय के बाद क्रमशः कुमारगुप्त प्रथम, स्कंधगुप्त हुए। स्कंधगुप्त के बाद क्रमशः दुर्बल शासकों के कारण गुप्त साम्राज्य का पतन आरंभ हुआ।

प्रश्नोत्तर (13) मुगलकाल में शासकों ने दरबारी इतिहासकारों को अपने काल का विवरण लिखने का कार्य सौंपा। यद्यपि इन दरबारी इतिहासकारों ने शासक की प्रशंसा की मगर साथ ही मुगल

दरबार की तथ्यपरक जानकारी भी प्रदान की, जो कि सत्य से अधिक निकट थी। इन इतिवृत्ति द्वारा घटनाओं का अनवरत् कलानुक्रमिक विवरण प्रस्तुत किया गया। अंग्रेजी में मुगलकालीन इतिहास लिखनेवाले आधुनिक इतिहासकारों ने मूल पाठ की इस शैली को इतिवृत का नाम दिया। निष्कर्षतः इतिवृत मुख्य रूप से मुगल काल में लिखे गये दस्तावेज थे। ये दस्तावेज प्रमुख रूप से मुगल बादशाहों द्वारा लिखवाये जाते थे। ये इतिवृत मुगलकाल के अध्ययन के महत्त्वपूर्ण स्रोत है।

इतिवृत की रचना के प्रमुख उद्देश्य है : –

1. शासक की भावी पीढ़ी को शासन की संपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाना।
2. मुगल शासकों के विरोधियों को चेतावनी देना तथा यह बताना की विद्रोह का परिणाम असफलता है।

इतिवृत्तों के लेखक मुख्यतः दरबारी होते थे। इतिवृत्तों के मुख्य विषय थे – शासनकाल की घटनाएँ, शासक का परिवार दरबार तथा अभिजात्य वर्ग, युद्ध इत्यादि।

प्रश्नोत्तर (14) 1857 ई॰ के विद्रोह के मुख्य कारण निम्नलिखित थे : –

1. लॉर्ड डलहौजी की हड़प्प नीति के कारण अनेक भारतीय शासक अंग्रेजों के विरूद्ध हो गये थे। डलहौजी ने सतारा झाँसी, नागपुर और अवध को मिला लिये थे।
2. अंग्रेजों ने भारत को इंग्लैण्ड के कारखानों के लिए कच्चे माल खरीदना और तैयार माल बेचने की मण्डी समझा था। इसलिए उन्होंने भारतीय व्यापार तथा उद्योगों को नष्ट करने के लिए पूरे प्रयत्न किये जिससे भारत में गरीबी और भूखमरी फैल गई। अतः भारतीय लोग ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी से घृणा करने लगे थे।
3. सिपाहियों का असंतोष भारतीय सैनिकों में भी अंग्रेजों के प्रति असंतोष था। उन्हें अंग्रेज सैनिकों की अपेक्षा बहुत कम वेतन मिलता था। फिर उनसे बुरा व्यवहार भी किया जाता था। भारतीय सैनिक इस अन्यास को अधिक देर तक सहन नहीं कर सकें।

1856 ई॰ में सरकार ने सैनिकों से पुरानी बंदूकें वापस लेकर उन्हें नई 'एनफील्ड राइफलें' दी। इन राइफलों में गाय और सुअर की चर्बी वाले कारतूसों का प्रयोग होता था। अतः भारतीय सैनिक ने इनका उपयोग करने से इंकार कर दिया। धीरे–धीरे यह घटना इतना गंभीर रूप धारण कर लिया कि 10 मई, 1857 ई॰ को क्रांति आरंभ हो गई।

प्रश्नोत्तर (15) भारत छोड़ो आंदोलन या अगस्त क्रांति भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की अंतिम महान लड़ाई थी, जिसने ब्रिटिश सरकार की नींव हिलाकर रख दिया। भारत छोड़ो आंदोलन के निम्नलिखित कारण थे : –

1. क्रिप्स मिशन के खाली हाथ भारत से वापस जाने पर भारतीयों के अपने छले जाने का अहसास हुआ।
2. द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण परिस्थितियाँ गंभीर होती जा रही थी।
3. जापान सरकार सफलतापूर्वक सिंगापुर, मलाया, वर्मा, पर कब्जा कर भारत की ओर बढ़ने लगा।
4. द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण तमाम वस्तुओं के दाम बेतहासा बढ़ रहे थे।
5. अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ भारतीय जनमानस में असंतोष फैलने लगा था।

परिणाम : — भारत छोड़ो आंदोलन बहुत ही कम दिनों तक चला, परन्तु इसके बावजूद भी भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में यह सबसे महत्त्वपूर्ण आंदोलन माना गया है, क्योंकि इसके पाँच वर्षों के भीतर ही भारत को आजादी मिली। इसीलिए यह कहा जाता है कि इस इस आंदोलन ने भारतीय आजादी के प्रश्न को एक वास्तविकता बना दिया। अंग्रेज इसे कुछ वर्षों के लिए टाल तो सकते थे। लेकिन आजादी को नकार नहीं सकते थे। यह याद रखने की बात है कि क्रिप्स प्रस्ताव के समय अंग्रेजों ने यह धमकी दी थी कि यदि भारतीय राजनीतिक दल इस प्रस्ताव को नहीं मानते है, तो पुनः बातचीत के माध्यम से राजनीतिक गतिरोध को दूर करने का प्रस्ताव नहीं किया जायेगा। परंतु 1942 ई॰ के आंदोलन की सफलता ने अंग्रेजों के इस घमंड को चूर कर दिया और वे शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया ढूढ़ने लगे।

भारत छोड़ो आंदोलन के यही उपर्युक्त कारण और परिणाम है।

❖❖❖❖❖

Set – 6
Inter (12th) History

वस्तुनिश्ठ उत्तरीय प्रश्न : –

1. हड़प्पावासी ताम्बा कहाँ से प्राप्त करते थे?
   (अ) भारत से (ब) पाकिस्तान से (स) राजस्थान से (द) लोथल से
2. शोर्तुघई कहाँ पर अवस्थित था?
   (अ) अफगानिस्तान (ब) बलुचिस्तान (स) भारत (द) पाकिस्तान
3. सबसे पहले खोजा गया स्थल था : –
   (अ) मोहनजोदड़ो (ब) लोथल (स) कालीबंगा (द) हड़प्पा
4. गुप्त सवंत का आरंभ कब हुआ?
   (अ) 319 ई॰ में (ब) 320 ई॰ में (स) 330 ई॰ में (द) 350 ई॰ में
5. देवकुलों का निर्माण किसने करवाया?
   (अ) शकों ने (ब) पहलवों ने
   (स) कुषाण ने (द) बैक्ट्रियाई यूनानियों ने
6. कौटिल्य का अर्थशास्त्र किस विषय पर है?
   (अ) अर्थशास्त्र पर (ब) राजनीति पर (स) गणित पर (द) संस्कृत पर
7. शतसहस्री संहिता का दूसरा नाम है : –
   (अ) रामायण (ब) वेद (स) पुराण (द) महाभारत
8. माता के नाम से पुत्रों के नामाकरण की परंपरा किस वंश में थी?
   (अ) मौर्य में (ब) कुषाण में (स) सातवाहनों में (द) वाकाटक में
9. महाभारत में कितने पर्वों की चर्चा है?
   (अ) 16 (ब) 20 (स) 15 (द) 18
10. विहार का अर्थ है?
    (अ) जैन सभा (ब) बौद्ध धर्म (स) बौद्ध मठ (द) उक्त कोई नहीं
11. गोपुरम क्या था?
    (अ) मंदिर का शीर्ष (ब) मंदिर का प्रवेश द्वार
    (स) मंदिर का छत (द) गर्भगृह
12. सिकन्दर की मृत्यु कब हुई?
    (अ) 323 ई॰पू॰ (ब) 330 ई॰पू॰ (स) 315 ई॰पू॰ (द) 320 ई॰पू॰
13. अशोक द्वारा कलिंग का युद्ध हुआ : –
    (अ) 260 ई॰पू॰ (ब) 250 ई॰पू॰ (स) 261 ई॰पू॰ (द) 240 ई॰पू॰
14. भारत में तम्बाकू का पौधा लगाया गया : –
    (अ) अंग्रेजों द्वारा (ब) हूणों द्वारा (स) पुर्तगालियों द्वारा (द) अरबों द्वारा
15. तुजक–ए–बाबरी किसने लिखी?
    (अ) बाबर (ब) फैजी (स) अबुल फजल (द) हूमायूँ
16. अकबर निम्न में से किस पर अधिकार नहीं कर सका?

(अ) मारवाड़ (ब) मेवाड़ (स) जोधपुर (द) चितौड़

17. भारत में मुगल वंश का संस्थापक कौन था?
(अ) बाबर (ब) हुमायूँ (स) अकबर (द) जहाँगीर

18. मुगल चित्रकला किसके समय चरमोत्कर्ष पर थी?
(अ) बाबर (ब) अकबर (स) जहाँगीर (द) शाहजहाँ

19. निम्न में से किसने विजयनगर की यात्रा की?
(अ) बर्नियर (ब) टेवर्नियर (स) निकोली कोण्टी (द) इब्नबतूता

20. विजयनगर के ध्वंश के बाद इसकी पहचान की गई : –
(अ) हम्पी नाम से (ब) वारिगल नाम से (स) तालीकोट नाम से (द) वनिहट्टी नाम से

21. हम्पी को यूनेस्को द्वारा विश्व पुरातत्व स्थल किस वर्ष घोषित किया गया?
(अ) 1856 ई॰ में (ब) 1876 ई॰ में (स) 1902 ई॰ में (द) 1986 ई॰ में

22. महाराष्ट्र के संत कौन थे?
(अ) तुकाराम (ब) रामदास (स) ज्ञानेश्वर (द) उक्त कोई नहीं

23. पाहन पूज हरि मिले .... किसकी काव्य पंक्ति है।
(अ) रहीम (ब) कबीर (स) सूरदार (द) तुलसीदास

24. तलबंदी किसका जन्म स्थान था?
(अ) कबीर (ब) नानक (स) रैदास (द) मीरा

25. किताब–उल–हिन्द किसकी रचना है?
(अ) अलबरूनी (ब) इब्नबतूता (स) रामानन्द (द) बर्नियर

26. बर्नियर किस देश से मुगल दरबार में आया?
(अ) फ्रांस (ब) ब्रिटेन (स) इटली (द) मोरक्को

27. बक्सर का युद्ध कब हुआ था?
(अ) 1760 ई॰ में (ब) 1757 ई॰ में (स) 1764 ई॰ में (द) 1780 ई॰ में

28. बक्सर का युद्ध के बाद कौन–सी संधि हुई थी?
(अ) मंगलोर (ब) इलाहाबाद (स) श्रीरंगपट्टम (द) उक्त कोई नहीं

29. सिपाहियों ने मेरठ से दिल्ली पहुँचकर किसे अपना नेता चुना?
(अ) कुँवर सिंह (ब) नाना साहिब
(स) बहादुरशाह जफर द्वितीय (द) बख्त खाँ

30. 1857 ई॰ की क्रांति की शुरूआत किस तिथि को करने की योजना थी?
(अ) 31 मई, 1857 ई॰ को (ब) 10 जून, 1857 ई॰ को
(स) 10 मई, 1857 ई॰ को (द) 20 अगस्त, 1850 ई॰ को

31. सर्वप्रथम भारत में रेल कब चलाई गई थी?
(अ) 1753 ई॰ में (ब) 1853 ई॰ में (स) 1953 ई॰ में (द) 1950 ई॰ में

32. भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करनेवाले वायसराय कौन थे?
(अ) लॉर्ड कार्नवालिस (ब) कर्जन
(स) लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय (द) केनिंग

33. कलकता विश्वविद्यालय की स्थापना कब की गई?

(अ)	1840 ई॰ में	(ब)	1857 ई॰ में	(स)	1950 ई॰ में	(द)	1957 ई॰ में

34. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पार्टी की स्थापना कहाँ हुई?

(अ)	कलकता	(ब)	मद्रास	(स)	बम्बई	(द)	बिहार

35. अहमदाबाद किस राज्य में स्थित है?

(अ)	बिहार	(ब)	बंगाल	(स)	गुजरात	(द)	मध्य प्रदेश

36. बारदोली में किसान आंदोलन का नेतृत्व किसने किया था?

(अ)	गाँधी जी	(ब)	नेहरू जी	(स)	सरदार पटेल	(द)	भगत सिंह

37. भारत छोड़ो आंदोलन और असहयोग आन्दोलन का नेतृत्व किसने किया?

(अ)	सुभाष चन्द्र बोस	(ब)	महात्मा गाँधी	(स)	सरदार पटेल	(द)	उक्त सभी

38. भारतीय संविधान के अनुसार संप्रभुता निहित है : –

(अ)	राष्ट्रपति में	(ब)	प्रधानमंत्री में	(स)	न्यायापालिका	(द)	संविधान में

39. 'नेता जी' किसका उपनाम है?

(अ)	सुभाष चन्द्र बोस	(ब)	भगत सिंह	(स)	महात्मा गाँधी	(द)	उक्त कोई नहीं

40. भारतीय संविधान लागू कब हुआ था?

(अ)	15 अगस्त, 1947	(ब)	26 जनवरी, 1950
(स)	26 नवम्बर, 1950	(द)	उक्त कोई नहीं

लघु उत्तरीय प्रश्न : –

1. धम्म क्या है? इसे किसने चलाया?
2. भूमि अनुदान क्या है? इसकी शुरूआत कब मानी जाती है?
3. इंडिका किसी रचना है? इसमें नीहित विवरण किस विषय पर है?
4. औरंगजेब द्वारा जजिया कर लगाने से क्या हानि हुई?
5. विजयनगर के शासकों में कृष्णदेव राय को महानतम शासक क्यों माना जाता है?
6. अलबरूनी की यात्रा के उद्देश्य क्या था?
7. पहाड़िया लोगों की जीविका के क्या साधन थे?
8. मंगल पाण्डेय कौन थे?
9. पहला हिल स्टेशन कब बना? हिल स्टेशन क्यों बनाये गये?
10. भारत को स्वतंत्रता किस प्रकार मिली?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : –

11. ऋग्वैदिक धार्मिक जीवन की क्या विशेषताऐं थी? उत्तरवैदिक काल में इनमें क्या परिवर्तन देखें गए?
12. प्राचीन भारत में नगरों के विकास पर टिप्पणी लिखें।
13. बनिर्यर के वृत्तांतों मे मध्यकालीन भारतीय कृषकों के विषय में विरोधाभासी विवरण प्राप्त होता है। समीक्षा कीजिए।
14. साइमन कमीशन भारत में क्यों आया? भारत में इसका विरोध क्यों हुआ?
15. खिलाफत आंदोलन क्या है? इसका महत्त्व बताइए।

वस्तुनिश्ठ प्रश्नोत्तर : –

(1)	स	(2)	ब	(3)	द	(4)	अ	(5)	स	(6)	ब
(7)	द	(8)	स	(9)	द	(10)	स	(11)	ब	(12)	अ
(13)	स	(14)	स	(15)	अ	(16)	द	(17)	अ	(18)	स
(19)	स	(20)	अ	(21)	द	(22)	ब	(23)	ब	(24)	ब
(25)	अ	(26)	अ	(27)	स	(28)	ब	(29)	स	(30)	अ
(31)	ब	(32)	स	(33)	ब	(34)	स	(35)	स	(36)	ब
(37)	ब	(38)	द	(39)	अ	(40)	ब				

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर : –

प्रश्नोत्तर (1) 'धम्म' विभिन्न धर्मो मे अंतर्निहित बातों का सार है। इससे आचार संहिता के रूप में भी देखा जाता है। धम्म के दो पहलू है – स्वीकारात्मक और निषेधात्मक। स्वीकारात्मक पहलू दान, दया, क्षमा, अहिंसा, भाईचारा, परोपकार है, वही निषेधात्मक पहलू – हिंसा का त्याग, ईर्ष्या का त्याग, क्रोध का त्याग पाप से बचना आदि है। धम्म मौर्य शासक अशोक द्वारा चलाया गया।

प्रश्नोत्तर (2) भूमि अनुदान उसे कहते हैं, जो किसी व्यक्ति को जमीन के रूप में दी जाती है। इसे प्रायः बौद्धों, ब्राह्मणों एवं विद्वानों को दानस्वरून दिया जाता था।

भूमि अनुदान की प्रथा को सर्वप्रथम सातवाहन शासकों ने आरंभ की। सातवाहनों ने बौद्ध एवं ब्राह्मणों को भूमि अनुदान में दिया। ब्राह्मणों को दिया जानेवाला भूमि को अग्रहार कहा जाता था।

प्रश्नोत्तर (3) इंडिका मेगास्थनीज की रचना है। वह यूनानी मूल का था तथा यूनानी शासक सेल्युकस निकेटर के राजदूत के रूप में पाटलिपुत्र आया था।

इंडिका में नीहित विवरण राजनीतिक, भौगोलिक एवं सांस्कृतिक, सामाजिक विषय पर है। मेगास्थनीज ने चन्द्रगुप्त मौर्य के नगर प्रशासन, सामाजिक वर्गीकरण एवं तात्कालिक भौगोलिक एवं सांस्कृतिक दशाओं का चित्रण प्रस्तुत किया है।

प्रश्नोत्तर (4) 1679 ई॰ में औरंगजेब ने जजिया कर लागू किया। यह हिन्दुओं पर लगाया जानेवाला अत्यंत घृणित कर था। यह नीति मुगल साम्राज्य के विघटन और विनाश का कारण बनी। जजिया कर लगा देने से राज्य की आय में अवश्य वृद्धि हुई। किन्तु उससे मुसलमान व्यापारियों को चुंगी से मुक्त कर देने के कारण राजकीय आय की बड़ी क्षति हुई।

प्रश्नोत्तर (5) विजयनगर में तीन वंश के शासकों ने शासन किया। इसमें सबसे प्रसिद्ध शासक कृष्णदेव राय को माना जाता है। वह तुलुव वंश के गद्दी पर 1509 ई॰ में बैठा और 1529 ई॰ तक शासन किया। उसे महानतम शासक मानने के कारण निम्नलिखित है : –

1. वह एक महान योद्धा था और उसने विजयनगर की सेनाओं को अभूतपूर्व रूप से शक्तिशाली बनाया, जिसे वह दक्षिण की सबसे शाक्तिशाली सेना बन गई।
2. वह एक महान निर्माता था। उसने एक शहर बसाया तथा एक भव्य तालाब का निर्माण करवाया।
3. उन्होंने धार्मिक संस्थानों और मंदिरों को अनुदान भी दिए।

प्रश्नोत्तर (6) अलबरूनी यह समझना चाहता था कि वह कौन–सा तत्व है जिसने भारतीयों की चिंतन पद्धति को निर्धारित किया था। वह 'तुलनात्मक धर्म' के अध्ययन में दिलचस्पी लेता था। अलबरूनी को भारतीय धर्म एवं दर्शन में गहरी रूचि थी। उसकी यात्रा का प्रमुख उद्देश्य भारतीय धर्म एवं दर्शन का अध्ययन करना था एवं उसे सटीक रूप में प्रस्तुत करना था।

प्रश्नोत्तर (7) पहाड़िया लोगों की जीविका के निम्नलिखित साधन थे : –

1. पहाड़िया लोग जंगलों से घनिष्ठ रूप से जुड़े थे। वे इमली के पेड़ों के बीच बनी अपनी झोपड़ियों में रहते थे और आम के पेड़ों के नीचे आराम करते थे।
2. राजमहल के जंगलों में पहाड़िया लोग खाने के लिए महुआ के फूल एकत्र करते थे, बेचने के लिए रेशम का कोया, राल और काष्ठ कोयला बनाने के लिए लकड़ियाँ एकत्र करते थे।
3. पेड़ों के नीचे जमनेवाली घासों पर उनके पशु जीवित रहते थे और वह पशुओं के लिए चारागाह बन जाती थी।
4. पहाड़िया लोग झूम खेती करते थे।

प्रश्नोत्तर (8) मंगल पाण्डेय 1857 ई॰ के विद्रोह के जनक और महान देश भक्त थे। वे बैरकपुर की 34वीं सैन्य बटालियन का एक साधारण सिपाही थे। उन्होंने चर्बी वाले कारतूत का प्रयोग करने से इंकार कर दिया और अंग्रेज अधिकारियों के धर्म विरोधी आदेश की अवहेलना की। सारजेंट मेजर हगसन के आदेशानुसार किसी भारतीय सैनिक ने पाण्डे को कैद नहीं किया, तो उन्होंने (हगसन) और बाम को उसके घोड़े सहित ढ़ेर कर दिया। आगे उन्हें कैद कर 8 अप्रैल, 1857 ई॰ को फाँसी दे दी गई।

प्रश्नोत्तर (9) पहला हिल स्टेशन शिमला (हिमाचल प्रदेश) था जिसकी स्थापना गोरखा युद्ध 1815–16 के दौरान की गई।

हिल स्टेशन फौजियों के ठहरने, सरहद की चौकसी करने और दुश्मन आक्रमण करने के लिए बनाये गये थे। शिमला हिल स्टेशन अंग्रेजों और यूरोपियनों के लिए भी आदर्श स्थान था।

प्रश्नोत्तर (10) 26 जुलाई, 1945 ई॰ को ब्रिटेन में लेवर पार्टी की सरकार में आती है और क्लीमेंट एटली ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनते हैं। एटली की घोषणा के बाद मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की माँग को बड़े जोरदार ढ़ंग से पेश किया। स्थान–स्थान पर दंगे हुए। आखिर राष्ट्रवादियों को विभाजन की बात माननी पड़ी। अंततः 15 अगस्त, 1947 ई॰ को भारत आजाद हुआ और भारत के दो टुकड़े हो गये।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर : –

प्रश्नोत्तर (11) ऋग्वेद से ऋग्वैदिककालीन धार्मिक जीवन एवं धार्मिक प्रथाओं तथा देवी–देवताओं के विषय में जानकारी मिलती है। ऋग्वैदिक काल 1500–1000 ई॰पू॰ तक मानी जाती है। इनसे आरंभिक आर्यों की देवताओं के विषय में जानकारी मिलती है। आर्य प्राकृतिक शक्तियों की पूजा विभिन्न देवताओं के रूप में करते थे। इन्द्र अथवा पुरन्दर उनके प्रमुख देवता थे। वे युद्ध एवं वर्षा के देवता थे। दूसरे महत्त्वपूर्ण देवता अग्नि थे। वरूण को न्याय का देवता, सोम वनस्पति एवं सूर्य प्रकाश के देवता थे। मरूत तूफान, रूद्र पशु के देवता थे। देवताओं

को प्रसन्न करने के लिए उनकी उपासना एवं मंत्रोंचारण किए जाते थे तथा यज्ञाहूति दी जाती थी। यज्ञ एवं मंत्रोंचारण व्यक्तिगत एवं सामूहिक दोनों रूपों में किया जा सकता था।

उत्तरवैदिक काल में आर्यों के धार्मिक जीवन में बदलाव के लक्षण दिखाई देने लगते थे। इसका काल 1,000–600 ई॰पू॰ माना जाता है। इस काल में तीनों वेदों – सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद की चर्चा मिलती है। ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद् जैसे ग्रंथ भी लिखे गए। उत्तरवैदिक काल में नये देवताओं का प्रादुर्भाव हुआ। इन्द्र एवं अग्नि अपना महत्त्व खो बैठे। प्रजापति या ब्रह्मा को विश्व का सृष्टिकर्त्ता बन गए। रूद्र के स्थान पर पशुपति या नारायण या विष्णु की पूजा संरक्षक के रूप में होने लगी।

प्रश्नोत्तर (12) प्राचीन भारत में शिल्प, व्यापार और मौद्रिक अर्थव्यवस्था नगरों के उदय के कारण एवं परिणाम दोनों थे। प्रथम नगरी का प्रमाण सिंधु घाटी सभ्यता में एवं द्वितीय नगरीकरण छठी शताब्दी ई॰पू॰ में माना जाता है। हड़प्पा संस्कृति के बाद भारत में नगरों का पुनरूत्थान ई॰पू॰ छठी शताब्दी में हुआ। महाजनपदों की राजधानियों तक्षशिला, मथुरा, उज्जैयिनी, वैशाली, पाटलिपुत्र, चम्पा उस समय के प्रमुख नगर थे। इसका एक महत्त्वपूर्ण कारण यह था कि ये नगर जल–थल मार्गों के किनारे बसे हुए थे। इससे व्यावसायिक, व्यापारिक व राजनीतिक गतिविधियों के संचालन में सहायता मिली। छठी शताब्दी ई॰पू॰ में नगरों के उदय को द्वितीय नगरीकरण कहा जाता है।

मौर्य काल में भी नगरों की संख्या में वृद्धि हुई तथा उनकी संपन्नता बढ़ी। नगर राजनीतिक केन्द्र के अतिरिक्त औद्योगिक व्यापारिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र भी बन गए। पहली बार मौर्य काल में नगर प्रशासन का विस्तृत विवरण मिलता है। पुरातात्विक साक्ष्यों ये यह पता चलता है कि कुषाण काल में नगरों की संख्या एवं समृद्धि में सबसे अधिक वृद्धि हुई। नगरों के विकास के साथ ही नगरीय संस्कृति का भी विकास हुआ। नगर आर्थिक गतिविधियों का केन्द्र बन गए। विभिन्न प्रकार के व्यवसायी, शिल्पी, व्यपारी रहने लगे। इस प्रकार प्राचीन भारत में उत्तरोत्तर एवं क्रमिक रूप से नगरों का विकास हुआ।

प्रश्नोत्तर (13) बर्नियर के वृत्तांतों में जहाँ एक ओर सूक्ष्म गहनता एवं विश्लेषण झलकता है, वही दूसरी ओर कुछ विरोधाभास भी दृष्टिगोचर होते हैं। बर्नियर के एक वृत्तांत में कृषकों की दयनीय दशा का वर्णन मिलता है। इस वृत्तांत के अनुसार कृषक गर्वनरों के बुरे व्यवहार से दुःखी थे तथा करों के बोझ से दबे हुए थे। कभी–कभी उनके बच्चों को अनेक स्वामी द्वारा दास बना लिया जाता था। ऐसी स्थिति में वे गाँव छोड़कर चले जाते थे।

दूसरे वृत्तांत में बर्नियर लिखता है कि भारत की अधिकांश भूमि उपजाऊ है। यहाँ के कृषक उन वस्तुओं का भी उत्पादन करते है, जो मिस्र के किसान नहीं करते हैं। यहाँ चावल और कपास की खेती अधिक की जाती है। यह एक सम्पन्न व सुखी कृषक की तस्वीर प्रस्तुत करता है।

इस प्रकार दोनों वृत्तांतों दो अलग–अलग तस्वीरों पेश करते हैं। इन वृत्तांतों का आपसी विरोधाभास इतिहास के निर्माण में बाधा पेश करता है।

प्रश्नोत्तर (14) 1919 ई॰ के अधिनियम में ऐसा प्रावधान था कि दस वर्षों के बाद इसकी सफलता की जाँच के लिए एक कमीशन नियुक्त किया जाएगा। पर परिस्थिति कुछ ऐसी हुई कि 1927 ई॰ में

ही ब्रिटिश सरकार को एक कमीशन नियुक्त करना पड़ा। इस कमीशन के अध्यक्ष साइमन थे। अतः यह उन्हीं के नाम से 'साइमन कमीशन' कहलाया था। यह कमीशन 1928 ई॰ में भारत पहुँचा। चूँकि इस कमीशन के सात सदस्यों में एक भी सदस्य भारतीय नहीं था, इसलिए महात्मा गाँधी के नेतृत्व में देशवासियों ने इसका तीव्र विरोध किया। देश के विभिन्न भागों में हड़तालें हुई। इस कमीशन को काले झंडे दिखाए गए और ''सामइन कमीशन वापस जाओं'' के नारे बुलंद किए गए। सरकार ने बड़ी कठोरता से प्रदर्शनकारियों को दमन किया। उस समय लाहौर में पंजाब केसरी लाला लाजपतराय जैसे वयोवृद्ध राजनेता पर अंग्रेजी सरकार के सिपाहियों ने लाठी का प्रकार किया। लाला लाजपतराय को सांघातिक चोट लगी, जिसके चलते उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना से सारे देशवासियों में आक्रोश व्याप्त हो गया।

प्रश्नोत्तर (15) खिलाफ आंदोलन (1919–1920) मुहम्मद अली और शौकत अली के नेतृत्व में भारतीय मुसलमानों का एक आंदोलन था। इस आंदोलन की निम्नलिखित माँगे थे : –

पहले के ऑटोमन साम्राज्य के सभी इस्लामी पवित्र स्थानों पर तुर्की सुल्तान अथवा खलीफा का नियंत्रण बना रहे, जजीरात–उल–अरब (अरब, सीरिया, ईराक, फिलीस्तीन) इस्लामी संप्रभुता को अधीन रहे तथा खलीफा के पास इतने क्षेत्र हो कि वह इस्लामी विश्वास को सुरक्षित करने के योग्य बन सकें। काँग्रेस ने इस आंदोलन का समर्थन किया और गाँधी जी ने इसे असहयोग आंदोलन के साथ मिलाने की कोशिश की।

महत्व : – भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास में खिलाफत आंदोलन का बड़ा महत्त्व है। इसी के कारण हिन्दू और मुसलमान एकता को बल मिला। जिससे स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूती मिली। अंग्रेज सरकार जनता के सहयोग से वंचित हो गयी। फलस्वरूप 1857 ई॰ की क्रांति के बाद अंग्रेजी सरकार एक बार फिर दुविधा में पड़ गई।

❖❖❖❖❖

Set – 7
Inter (12th) History

वस्तुनिश्ठ उत्तरीय प्रश्न : –

1. लोथल कहाँ स्थित है?
   (अ) पश्चिम बंगाल में (ब) राजस्थानों में (स) गुजरात में (द) पंजाब में
2. महाभारत किसने लिखा?
   (अ) कौटिल्य (ब) बाल्मीकी (स) वेद व्यास (द) मनु
3. चौथी बौद्ध संगीति कहाँ हुई?
   (अ) बिहार (ब) उत्तर प्रदेश (स) नेपाल (द) काश्मीर
4. हरिषेण किसका राजकवि था?
   (अ) अशोक का (ब) समुद्रगुप्त का (स) बिन्दुसार का (द) हर्षवर्द्धन का
5. महात्मा बुद्ध का जन्म कहाँ हुआ था?
   (अ) पाटलिपुत्र में (ब) नेपाल में (स) उत्तर प्रदेश में (द) बंगाल में
6. सिंधुघाटी सभ्यता का क्षेत्रफल कितना था?
   (अ) लगभग 13 लाख वर्ग कि॰मी॰ (ब) लगभग 15 लाख वर्ग कि॰मी॰
   (स) लगभग 14 लाख वर्ग कि॰मी॰ (द) लगभग 20 लाख वर्ग कि॰मी॰
7. सिंधुघाटी सभ्यता में लोथल की खोज कब आरंभ हुआ?
   (अ) 1950 ई॰ में (ब) 1940 ई॰ में (स) 1955 ई॰ में (द) 1921 ई॰ में
8. 16 महाजनपदों का उल्लेख किस ग्रंथ में है?
   (अ) ललित विस्तार में (ब) अंगुत्तर निकाय में (स) सुतापिटक में (द) किसी में नहीं
9. मनुस्मति की रचना किसने की?
   (अ) विष्णुगुप्त (ब) हरिषेण (स) याज्ञवल्ध्य (द) मनु
10. गहपति का कौन थे?
    (अ) चरवाहा (ब) घर का मुखिया (स) किसान (द) इनमें कोई नहीं
11. कनिष्क किस वंश का शासक था?
    (अ) ग्रीक यूनानी वंश का (ब) मौर्य वंश का
    (स) गुप्त वंश का (द) कुषाण वंश का
12. त्रिपिटक किस धर्म से संबधित है?
    (अ) जैन धर्म से (ब) ब्राह्मण धर्म से (स) बौद्ध धर्म से (द) ईसाई धर्म से
13. सबसे प्राचीन वेद कौन है?
    (अ) सामवेद (ब) अथर्ववेद (स) यजुर्ववेद (द) ऋग्वेद
14. 'ए फारगोटन एम्पायर' के लेखक निम्नलिखित में से कौन है?
    (अ) रॉबर्ट सीवेल (ब) मेगास्थनीज (स) ह्वेनसांग (द) इब्नबतूता
15. 'मार्कोपोलो' किस देश से भारत आया था?
    (अ) चीन (ब) इटली (स) तुर्की (द) फ्रांस
16. विदेशी यात्री टेबरर्नियर एक था : –

(अ) जौहरी (ब) इंजीनियर (स) डॉक्टर (द) वक्ता

17. निम्नलिखित में से कौन अलवार महिला संत थी?

(अ) मीरा बाई (ब) कराइकल (स) अंडाल (द) उक्त कोई नहीं

18. निम्नलिखित में से कौन संत बंगाल के निवासी थे?

(अ) तुकाराम (ब) चैतन्य (स) कबीर दास (द) नानक

19. मीरा बाई किनकी भक्त संत थी?

(अ) राम (ब) कृष्ण (स) शिव (द) किसी की नहीं

20. निम्नलिखित में से बीजापुर का संस्थापक कौन है?

(अ) कुली कुतुबशाह (ब) युसूफ आदिशाह (स) अमीर अली बरीद (द) मलिक अहमद

21. किस शासक ने तुंगभद्रा नदी पर बाँध बनवाकर विजयनगर के लिए नहरे निकलवायीं?

(अ) कृष्णदेव राय (ब) देवराय प्रथम (स) बहमन शाह (द) उक्त कोई नहीं

22. किसने 'लीलावती' का फारसी अनुवाद किया?

(अ) फैजी (ब) अबुल फजल (स) बाबर (द) शाहजहाँ

23. निम्न में से किस शासक ने कश्मीर में शालीमार बाग का निर्माण करवाया?

(अ) अकबर (ब) शाहजहाँ (स) बाबर (द) हुमायूँ

24. महाभारत का अनुवाद निम्नलिखित में से किस नाम से किया गया है?

(अ) पंचतंत्र (ब) रज्मनामा (स) आईन–ए–अकबरी (द) रेहला

25. खालसा सेना की स्थापना किसने किया?

(अ) नानक (ब) गोविन्द सिंह (स) अंगद (द) अमर दास

26. अमृतसर नगर की स्थापना किस सिक्ख गुरू ने किया था?

(अ) गुरू नानक (ब) बाजबहादुर

(स) गुरू रामदास (द) गुरू गोविन्द सिंह

27. बंगाल में 'इस्तमारारी' बंदोवस्त कब लागू किया गया?

(अ) 1707 ई० (ब) 1757 ई० (स) 1813 ई० (द) 1793 ई०

28. 1855–56 में कौन–सा विद्रोह हुआ?

(अ) कोल (ब) संथाल (स) सिपाही (द) मुण्डा

29. 1857 ई० का विद्रोह कब प्रारंभ हुआ था?

(अ) 10 जून (ब) 10 मई (स) 11 जुलाई (द) 31 मई

30. कानपुर में विद्रोहियों का नेतृत्व किसने किया था?

(अ) नाना साहेब (ब) नाना फड़नवीस

(स) लक्ष्मी बाई (द) पेशवा बाजीराव द्वितीय

31. प्लासी का युद्ध कब हुआ था?

(अ) 1857 ई० में (ब) 1757 ई० में (स) 1526 ई० में (द) 1530 ई० में

32. पुर्तगालियों ने गोवा के ऊपर कब कब्जा जमाया था?

(अ) 1610 ई० में (ब) 1510 ई० में (स) 1710 ई० में (द) 1810 ई० में

33. भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस पार्टी की स्थापना कब हुई?

(अ) 1785 ई॰ में (ब) 1885 ई॰ में (स) 1925 ई॰ में (द) 1980 ई॰ में

34. बंगाल विभाजन कब हुआ?

(अ) 1907 ई॰ में (ब) 1905 ई॰ में (स) 1900 ई॰ में (द) 1901 ई॰ में

35. इस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना कब हुई थी?

(अ) 1616 ई॰ में (ब) 1600 ई॰ में (स) 1664 ई॰ में (द) 1731 ई॰ में

36. 'पाकिस्तान' शब्द किसके दिमाग की उपज थी?

(अ) लियाकत अली (ब) मो॰ अली जिन्ना (स) रहमत अली (द) शौकत अली

37. कैबिनेट मिशन भारत कब आया?

(अ) 1946 ई॰ में (ब) 1940 ई॰ मे (स) 1950 ई॰ मे (द) 1930 ई॰ मे

38. भारत कब अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है?

(अ) 15 अगस्त (ब) 26 जनवरी (स) 15 जून (द) 25 अगस्त

39. संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष कौन थे?

(अ) डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद (ब) मोहम्मद अली जिन्ना

(स) डॉ॰ भीम राव अम्बेडकर (द) सच्चिदानन्द सिन्हा

40. भारतीय संविधान बनकर कब तैयार हो गया था?

(अ) 26 नवम्बर, 1949(ब) 26 नवम्बर, 1950(स) 26 जनवरी, 1951(द) उक्त सभी

लघु उत्तरीय प्रश्न : –

1. अभिलेख से आप क्या समझते हैं? समझाइए।
2. हड़प्पा लिपि के बारे में आप क्या जानते हैं? बताइए।
3. हीनयान या थेरवाद क्या है?
4. स्तूप के संरचनात्मक स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
5. बर्नियर भारत में किन आर्थिक वर्गों का उल्लेख करता है?
6. मुगल काल में किसानों के दो किस्म कौन–से है?
7. विजयनगर साम्राज्य के व्यापार का वर्णन करें।
8. दक्कन दंगा आयोग क्यों स्थापित किया गया?
9. चॉल से आप क्या समझते हैं?
10. मद्रास, बम्बई और कलकत्ता में अंग्रेज कब बसे और बम्बई कैसे उनके अधिकार में आये?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : –

11. आरंभिक समाजों में स्त्री–पुरुषों के संबंधों की विषमताएँ कितनी महत्त्वपूर्ण रही होगी? कारण सहित उत्तर दीजिए।
12. मनसबदारी व्यवस्था क्या है/थी? इसके गुणों एवं दोषों की भी चर्चा करें।
13. "भारत में संचार की एक अनूठी प्रणाली थी" इब्नबतूता के वृत्तांत से इसकी पुष्टि कीजिए।
14. महात्मा गाँधी के अनुसार राष्ट्रीय भाषा की क्या विशेषताएँ होनी चाहिए?
15. महालवारी व्यवस्था पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

वस्तुनिश्ठ प्रश्नोत्तर : –

(1)	स	(2)	स	(3)	द	(4)	ब	(5)	ब	(6)	अ
(7)	स	(8)	ब	(9)	द	(10)	ब	(11)	द	(12)	स
(13)	द	(14)	अ	(15)	ब	(16)	अ	(17)	स	(18)	ब
(19)	ब	(20)	ब	(21)	ब	(22)	अ	(23)	ब	(24)	ब
(25)	ब	(26)	स	(27)	द	(28)	ब	(29)	ब	(30)	अ
(31)	ब	(32)	ब	(33)	ब	(34)	ब	(35)	ब	(36)	स
(37)	अ	(38)	अ	(39)	अ	(40)	अ				

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर : –

प्रश्नोत्तर (1) अभिलेख उन्हें कहते हैं जो पत्थर, धातु या मिट्टी के बर्तन जैसे कठोर सतह पर खुदे होते है। अभिलेखों में उन लोगों की उपलब्धियों क्रियाकलाप या विचार लिखे जाते है, जो उन्हें बनवाते हैं। इन राजाओं के क्रियाकलापों तथा महिलाओं एवं पुरुषों द्वारा धार्मिक संस्थाओं को दिए गए दान का ब्यौरा होता है। यानि अभिलेख एक प्रकार से स्थायी प्रमाण होता है। कई अभिलेखों में इनके निर्माण की तिथि भी खुदी होती है। जिनपर तिथि नहीं होती है उनका काल निर्धारण आमतौर पर पुरालिपि अथवा लेखन शैली के आधार पर काफी सुस्पष्टता से किया जा सकता है।

प्रश्नोत्तर (2) हड़प्पा सभ्यता की लिपि को उन विभिन्न प्रकार के वस्तुओं पर लिखावट के रूप में प्राप्त की गई है, जिन्हें हम मुहरें, ताम्बों के औजार, मर्तबानों के अँवठ, ताम्बें तथा मिट्टी की लघु पट्टिकाऐं, आभूषण एवं प्राचीन सूचना पट्टी पर पाते हैं। हालांकि इसे अभी तक पढ़ा नहीं जा सका है। लेकिन इनमें चिह्नों की संख्या 375–400 के बीच बतायी जाती है। यह लिपि दायी से बायीं ओर लिखी जाती थी। मुहरों पर दायीं ओर चौड़ा अंतराल है और बायीं ओर संकीण। इस लिपि की मौजूदगी से सिंधु घाटी सभ्यता में साक्षरता का पता चलता है।

प्रश्नोत्तर (3) हीनयान के अनुयायी दूसरी बौद्ध परंपराओं के समर्थकों को हीनयान के अनुयायी कहते थे। लेकिन पुरातन परंपरा के अनुयायी खूद को थेरवादी कहते थे। इसका मतलब है वे लोग जिन्होंने पुराने, प्रतिष्ठित शिक्षकों के बताएँ रास्ते पर चलने वाले थे। इन्हें थेर कहा जाता था।

प्रश्नोत्तर (4) 'स्तूप' संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है 'टीला' स्तूप का जन्म एक गोलार्द्ध के लिए हुए मिट्टी के टीले से हुआ जिसे बाद में अंड कहा गया। धीरे–धीरे इसकी संरचना ज्यादा जटिल हो गई जिसमें कई चौकोर और गोल आकारों का संतुलन बनाया गया। अंड के ऊपर एक हर्मिका होती थी। यह छज्जे जैसा ढ़ाँचा देवताओं के घर का प्रतीक था। हर्मिका से एक मस्तुल निकलता था जिसे यष्टि कहते थे जिसपर अक्सर एक छत्री लगी होती थी, जो पवित्र स्थल को सामान्य दुनिया से अलग करती थी। स्तूप के चारों दिशाओं में खड़े तोरण द्वार भी बनाए जाते थे जिसपर सुन्दर नक्कासी भी किया जाता था। बौद्ध धर्म से संबंधित एवं बुद्ध के अवशेषों को सुरक्षित रखने हेतु स्तूपों का निर्माण किया जाता था।

प्रश्नोत्तर (5) बर्नियर कहता है कि भारतीय समाज दरिद्र लोगों के समूह से बना है, जो अल्पसंख्यक, अति अमीर तथा शक्तिशाली शासक वर्ग के अधीन होता है। गरीबों में सबसे गरीब तथा

अमीरों में सबसे अमीर व्यक्ति के बीच नाममात्र की भी कोई सामाजिक समूह या वर्ग नहीं था। बर्नियर कहता है, 'भारत में मध्य स्थिति के लोग नहीं है।'

प्रश्नोत्तर (6) मुगल काल में किसानों के दो निम्न किस्म थे : –

1. खुदकाश्त : – ये ऐसे किसान थे जो उन्हीं गाँवों में रहते थे जिनमें उनकी जमीन थी।
2. पाहिकाश्त : – वे खेतिहर जो दूसरे गाँव से ठेके पर खेती करने आते थे। लोग अपनी मर्जी से पाहिकाश्त बनते थे।

प्रश्नोत्तर (7) विजयनगर साम्राज्य का व्यापार : –

1. विजयनगर के शासकों को युद्ध में विजय प्राप्ति हेतु अरब तथा मध्य एशिया के घोड़ों की आवश्यकता थी। अतः उन्होंने इन देशों में घोड़ों का आयात किया।
2. व्यापारियों के स्थानीय समूह तथा कुदिरई, चेट्टी या घोड़ों के व्यापारी भी इसमें रूचि लेते थे।
3. वियजनगर मसालों, वस्त्रों तथा रत्नों के अपने बाजारों के लिए प्रसिद्ध था। यहाँ की जनता महँगी वस्तुओं का आयात करती थी। व्यापार से राज्य के राजस्व वृद्धि हुई।

प्रश्नोत्तर (8) दक्कन (1875) में हुए दंगों के कारणों की छानबीन करने लिए जिस आयोग की स्थापना की गई, उसे दक्कन दंगा आयोग कहते हैं। आयोग ने एक रिपोर्ट तैयार की जो 1878 ई॰ में ब्रिटिश पार्लियामेंट में पेश की गई। यह रिपोर्ट जिसे दक्कन दंगा रिपोर्ट कहा जाता है।

ब्रिटिश सरकार 1857 ई॰ के विद्रोह की याद से चिंतित थी। ब्रिटिश सरकार नहीं चाहती थी कि भारत में फिर से इस प्रकार के विद्रोह हो।

प्रश्नोत्तर (9) बम्बई में जगह की कमी और भीड़भाड़ को ध्यान में रखकर एक विशेष प्रकार की इमारते बनाई गई, जिनको चॉल कहा गया। ये बहुमंजिला इमारते होती थी, जिनमें एक–एक कमरे वाली आवासीय इकाईयाँ बनाई जाती थी। इमारत के सभी कमरों के सामने एक खुला बरामदा होता था और बीच में दालान होता था। इस प्रकार की इमारतों में बहुत थोड़ी जगह में कई परिवारों के अनेक सदस्य रहते थे। इनके बीच एकजुटता होती थी।

प्रश्नोत्तर (10) मद्रास, बम्बई और कलकत्ता तीनों शहर मूलतः मत्स्य ग्रहण तथा बुनाई के गाँव थे। वे इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी की व्यापारिक गतिविधियों के कारण व्यापार के महत्त्वपूण्र केन्द्र बन गए। कम्पनी के एजेंट 1639 ई॰ में मद्रास तथा 1690 ई॰ में कलकता में बस गए। 1661 ई॰ बम्बई को ब्रिटेन के राजा ने कंपनी को दे दिया गया था, जिसे उसने पुर्तगाल के शासक से अपनी पत्नी के दहेज के रूप में प्राप्त किया था। कंपनी ने इन तीन वस्तियों में व्यापारिक तथा प्रशासनिक कार्यालय स्थापित किए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर : –

प्रश्नोत्तर (11) आरंभिक समाजों में इतिहासकारों द्वारा विशिष्ट परिवारों के बारे में जानकारी आसानी से मिल जाती है। किन्तु सामान्य लोगों के परिवारिक संबंधों को पुनर्निमित करना मुश्किल हो जाता है। स्त्री–पुरुष विषमताओं को निम्न रूपों में देखा जा सकता है : –

1. **पितृवंशिक व्यवस्था के आदर्श** : – पितृवंशिकता का अर्थ वह वंश परंपरा जो पिता के पुत्र, फिर पौत्र, प्रपौत्र आदि से चलती है। मातृवंशिकता का इस्तेमाल तब होता है जब वंश परंपरा माँ से जुड़ी होती है। अधिकतर राजवंश पितृवंशिकता प्रणाली का

अनुसरण करते थे। हालांकि इस प्रथा में विभिन्नताएं भी थी।

कभी पुत्र के नहीं होने पर एक भाई दसूरे का उत्तराधिकारी हो जाता था, तो कभी बंधु, बांधव सिंहासन पर अपना अधिकार जमाते थे। कुछ विशिष्ट परिस्थितियों में स्त्रियाँ जैसें प्रभावती गुप्त सत्ता का उपयोग करती थी।

2. **विवाह के नियम** : — जहाँ पितृवंश को आगे बढ़ाने के लिए पुत्र महत्त्वपूर्ण थे वहाँ इस व्यवस्था में पुत्रियों को अलग तरह से देखा जाता था। पैतृक संसाधनों पर उनका कोई अधिकार नहीं था। गोत्र से बाहर विवाह कर देना ही अपेक्षित था। इसका तात्पर्य था ऊँची प्रतिष्ठा वाले परिवारों की कम उम्र की कन्याओं और स्त्रियों का जीवन बहुत सावधानी से नियमित किया जाता था, जिसे 'उचित समय' एवं उचित व्यक्ति से विवाह किया जा सके। इसका प्रभाव यह हुआ कि विवाह में कन्या की भेंट को पिता का महत्त्वपूर्ण धार्मिक कर्त्तव्य माना गया। संभवतः इस वजह से आरंभिक विश्वासों एवं व्यवहारों पर प्रश्न चिह्न लगाए गए। विवाह के पश्चात् स्त्रियों के गोत्र के स्थान पर पति के गोत्र को माना जाना तथा समान गोत्र में विवाह न होना। ये सारी परंपराएँ स्त्री—पुरुष विषमता को दर्शाता है। परंतु कुछ ऐसे वंश परंपरा का उदाहरण मिलते हैं जिनमें स्त्री के गोत्र के आधार पर वंश का निर्धारण होता है। जैसे — गौतमी पुत्र शातकर्णी। इस तरह सातवाहन राजाओं को उनके माता के नाम से चिह्नित किया जाता था। इससे प्रतीत होता है कि माताएँ महत्त्वपूर्ण थी। लेनिक अंतिम निष्कर्ष स्पष्ट नहीं है क्योंकि सातवाहन राजाओं के संदर्भ में यह ज्ञात है कि सिंहासन का उत्तराधिकार पितृवंशीय होता था।

इस प्रकार आरंभिक समाज में स्त्री—पुरुष संबंधें के विश्लेषण से पितृवंशीय महत्त्व, मातृवंशीय महत्त्व से अधिक सम्मानजनक स्थान रखता है, जो विषमता का सूचक है।

प्रश्नोत्तर (12) मनसबदारी व्यवस्था की शुरूआत अकबर काल में हुई। यह मुगल प्रशासन के एक सैनिक नौकरशाही तंत्र था। मनसब उपाधि या पद होता था जिसके द्वारा किसी अधिकारी या कर्मचारी को प्रशासन में स्थिति का निर्धारण होता है। मनसब जात और सवार पर आधारित थी। यथा — एक हजारी, पाँच हजारी आदि।

मनसबदारी प्रथा की विशेशताएँ / गुण : —

1. प्रत्येक मनसबदार अपना मासिक वेतन प्राप्त करने के लिए सम्राट के सामने उपस्थित होता था। मनसबदारों पर बादशाह का सीधा नियंत्रण होता था।
2. मनसब योग्यता के आधार पर दिए जाते थे। अयोग्य सिद्ध होने पर उन्हें उनके पद से हटा दिया जाता था।
3. इस प्रथा से यह लाभ हुआ कि राजपूत मनसबदार, मंगोलों, उजबेगों तथा अफगानों के विरूद्ध संतुलन सा बनाए रखते थे।
4. मनसबदारों ने काल और साहित्य को संरक्षण तथा प्रोत्साहन प्रदान किया। कई साहित्यकार तथा कलाकार उनके संरक्षण में रहते थे।

मनसबदारी प्रथा के दोश : –

1. मनसबदार के सैनिकों को वेतन मनसबदार ही दिया करते थे। अतः वे बादशाह के प्रति निष्ठावान न होकर, अपने स्वामी मनसबदार के प्रति निष्ठावान थे।
2. प्रत्येक मनसबदार अपने ढंग में अपनी सैनिक टुकड़ी की व्याख्या करता था। अतः इस प्रकार की सेना में एक राष्ट्रीय सेना के गुण तथा एकता की भावना न थी।
3. चूँकि मनसबदारों को प्रशासनिक एवं सैनिक दोनों प्रकार के कार्य करने पड़ते थे, अतः वे न तो पूर्णतया प्रशासनिक कार्यों में दक्ष होते थे और न सैनिक कार्यों में ही।

प्रश्नोत्तर (13) व्यापार और वाणिज्य को बढ़ाव देने के लिए राज्य ने कई उपाय किये थे। जिसमें अनूठी संचार प्रणाली का महत्त्वपूर्ण योगदान है। लगभग सभी व्यापारिक भागों पर सराय तथा विश्रामगृह स्थापित किये गए। इब्नबतूता भारत की अद्भूत डाक व्यवस्था देखकर चकित रह गया था। इसके कारण व्यापारियों को सुदूर स्थानों पर सूचना भेजने की सुविधा ही नहीं, उधार भेजना भी संभव हो गया। अल्प सूचना पर व्यापारी आसानी से माल भी भेज देते थे। डाक–प्रणाली इतनी कुशल थी कि जहाँ सिंध से दिल्ली की यात्रा में 50 दिन लगते थे वहीं गुप्तचरों की खबरें सुल्तान तक इस डाक व्यवस्था के माध्यम से सिर्फ 5 दिनों में पहुँच जाती थी।

इब्नबतूता के अनुसार भारत में डाक–व्यवस्था दो प्रकार की थी : –

1. अश्व डाक व्यवस्था (उलूक)
2. पैदल डाक व्यवस्था (दावा)

अश्व डाक व्यवस्था या उलूक प्रत्येक चार मील की दूरी पर स्थापित राजकीय घोड़ों द्वारा संचालित होती थी। पैदल डाक व्यवस्था या दावा में प्रत्येक तीन मील पर अवस्थान था।

पैदल डाक व्यवस्था अश्व डाक व्यवस्था से अधिक तीव्र था। इसकी प्रक्रिया अद्भूत थी। इसमें प्रत्येक तीन मील पर एक गाँव होता था। जिसके बाहर तीन मंडप होते थे। जिनमें लोग कार्य आरंभ के लिए तैयार बैठे रहते थे। उनमें प्रत्येक के पास 2 हाथ (40 ईंच) लंबी एक छड़ी होती थी जिसके ऊपर तांबे की घंटिया लगी होती थी।

डाक व्यवस्था प्रक्रिया में संदेश–वाहक शुरू से यात्रा आरंभ करता था। वह एक हाथ में पत्र तथा दूसरे हाथ में घंटियों सहित छड़ी लिए वह क्षमतानुसार तेज भागता था। तब मंडप पर बैठे लोग घंटियों की आवाज सुनकर तैयार हो जाते थे। जैसे संदेशवाहक उनके पास पहुँचता था, उनमें एक उससे पत्र लेता था और वह छड़ी हिलाते हुए पूरी सामर्थ्य से दौड़ता था, जब तक वह अगले दावा तक नहीं पहुँच जाता था। पत्र के अपने गंतव्य स्थान तक पहुँचने तक यही प्रक्रिया चलती रहती थी।

प्रश्नोत्तर (14) अपनी मृत्यु से कुछ माह पहले महात्मा गाँधी ने भाषा के प्रश्न पर अपने विचार दोहराते हुए कहा था : –

यह हिन्दुस्तानी न तो संस्कृतनिष्ठ हिन्दी होनी चाहिए और न ही फारसीनिष्ठ उर्दू। यह दोनों का सुन्दर मिश्रण होना चाहिए। उसे विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं से शब्द खुलकर उधार लेने चाहिए। विदेशी भाषाओं के ऐसे शब्द लेने में कोई हर्ज नहीं है, जो हमारी

राष्ट्रीय भाषा में अच्छी तरह और आसानी से घुलमिल सकते हैं। इस प्रकार हमारी राष्ट्रीय भाषा एक समृद्ध और शक्तिशाली भाषा होनी चाहिए, जो मानवीय विचारों और भावनाओं के पूरे समुच्चय को अभिव्यक्त दे सकें। खुद को हिन्दी या उर्दू से बाँध लेना देशभक्ति की भावना तथा समझदारी के विरूद्ध एक अपराध होगा।

महात्मा गाँधी जी के अनुसार राष्ट्रीय भाषा की उपरोक्त विशेषताएँ हैं।

प्रश्नोत्तर (15) जिस प्रकार बंगाल में स्थायी भूमि व्यवस्था तथा दक्षिण में रैयतवाड़ी भूमि व्यवस्था लागू की गई थी। उसी प्रकार महालवाड़ी व्यवस्था का प्रस्ताव सर्वप्रथम 1819 ई॰ में 'हाल्ट मैंकेंजी' द्वारा लाया गया और यह व्यवस्था उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं पंजाब में सर्वप्रथम लागू किया गया था।

इस व्यवस्था के अंतर्गत भूमि पर ग्राम समुदाय का सामूहिक अधिकार होता था। इस समुदाय के सदस्य अलग–अलग या फिर संयुक्त रूप से लगान की अदायगी कर सकते थे। सरकारी लगान को एकत्र करने के प्रति पूरा महाल या सामूहिक रूप से जिम्मेदार होता था।

महालवाड़ी व्यवस्था के अंतर्गत ब्रिटिश भारत भूमि का लगभग 30 प्रतिशत भाग सम्मिलित था। इस व्यवस्था में प्रारंभ में लगान दर को कुल उपज का 80 प्रतिशत निश्चित किया गया, कालांतर में विलियम बैंटिक ने इस दर को कम करके 66 प्रतिशत कर दिया। 1855 ई॰ में सहारनपुर नियम के अनुसार लॉर्ड डलहौजी ने लगान की दर को 50 प्रतिशत निश्चित किया। इस व्यवस्था का परिणाम भी कृषकों के प्रतिकूल रहा, परिणामतः 1857 ई॰ के विद्रोह में इस व्यवस्था से प्रभावित होकर बहुत से लोगों ने हिस्सा लिया।

❖❖❖❖❖

Set – 8
Inter (12th) History

वस्तुनिश्ठ उत्तरीय प्रश्न : –

1. प्रथम बौद्ध संगीति कहाँ हुई?
   (अ) वैशाली में (ब) पाटलिपुत्र में (स) राजगृह में (द) काश्मीर में
2. जैनधर्म के अंतिम तीर्थंकर कौन थे?
   (अ) पार्श्वनाथ (ब) आदिनाथ (स) मल्लिनाथ (द) महावीर
3. साँची का स्तूप कहाँ है?
   (अ) उत्तर प्रदेश में (ब) मध्य प्रदेश में (स) बिहार में (द) उड़ीसा में
4. वैदिक काल की अवधि क्या है?
   (अ) 1500–600 ई॰पू॰ (ब) 1500–900 ई॰पू॰ (स) 1000–600 ई॰पू॰ (द) उक्त कोई नहीं
5. महाभारत में पर्वों की संख्या कितनी है?
   (अ) 16 (ब) 15 (स) 18 (द) 20
6. 'स्तूप' किस धर्म से संबंधित है?
   (अ) बौद्ध धर्म (ब) जैन धर्म (स) ब्राह्मण धर्म (द) ईसाई धर्म
7. अशोक के समय कौन–सा बौद्ध संगीति हुई?
   (अ) चौथा (ब) तीसरा (स) दूसरा (द) पहला
8. भारत का नेपोलियन कहा जाता है : –
   (अ) अशोक को (ब) चन्द्रगुप्त को (स) हर्षवर्द्धन को (द) समुद्रगुप्त को
9. 'अगहार' क्या था?
   (अ) भूमि अनुदान (ब) भूमिकर (स) नमक कर (द) उक्त कोई नहीं
10. हड़प्पा सभ्यता में सर्वप्रथम किस स्थल की खोज हुई?
    (अ) कालीबंगा का (ब) मोहनजोदड़ो (स) हड़प्पा का (द) बनावली का
11. 'अंग महाजनपद' की राजधानी कहाँ थी?
    (अ) कुशीनगर (ब) चंपा (स) मथुरा (द) पाटलिग्राम
12. महाभारत मूलतः किस भाषा में लिखा गया?
    (अ) पालि (ब) प्राकृत (स) हिन्दी (द) संस्कृत
13. अभिलेख में किसका नाम 'प्रियदस्सी' है?
    (अ) चन्द्रगुप्त का (ब) समुद्रगुप्त का (स) अशोक का (द) बिन्दुसार का
14. आगरा किला का निर्माण किसने करवाया?
    (अ) शाहजहाँ (ब) अकबर (स) जहाँगीर (द) बाबर
15. निम्नलिखित में जहाँगीर का मकबरा कहाँ है?
    (अ) शाहदरा (लाहौर) (ब) दिल्ली (स) आगरा (द) सिकन्दरा
16. किस सिक्ख गुरू को औरंगजेब ने फाँसी दे दी थी?
    (अ) गुरू गोविन्द सिंह (ब) गुरू तेगबहादुर (स) गुरू नानक (द) गुरू अर्जुनदेव
17. अकबर का जन्म स्थान निम्नलिखित में से है : –

(अ) अमरकोट (ब) फरगाना (स) लाहौर (द) काबुल

18. ताजमहल का निर्माण किसने करवाया?

(अ) अकबर (ब) शाहजहाँ (स) जहाँगीर (द) बाबर

19. बुलन्द दरवाजा कहाँ स्थित है?

(अ) आगरा (ब) फतेहपुर सिकरी (स) दिल्ली (द) लाहौर

20. निम्नलिखित में से किस संत को 'महबूब–ए–इलाही' कहा जाता है?

(अ) शेख सलीम चिश्ती (ब) निजामुद्दीन औलिया

(स) मुईनुद्दीन चिश्ती (द) बहाउद्दीन जकारिया

21. कबीर दास का जन्म किस वर्ष हुआ था?

(अ) 1480 ई॰ में (ब) 1430 ई॰ में (स) 1425 ई॰ में (द) 1435 ई॰ में

22. चैतन्य महाप्रभु निम्नलिखित में से किनके उपासक थे?

(अ) कृष्ण (ब) राम (स) शिव (द) किसी के नहीं

23. 'आमुक्तमाल्यद' नामक कृति किस भाषा में है?

(अ) तेलगु (ब) तमिल (स) कन्नड़ (द) हिन्दी

24. नागलपुर नगर की स्थापना किस शासक ने की थी?

(अ) देवराय प्रथम (ब) देवराय द्वितीय (स) कृष्णदेव राय (द) हरिहर

25. 'सि यू की' किसकी यात्रा वृत्तांत है?

(अ) ह्वेनसांग की (ब) फाह्यान की (स) इत्सिंग की (द) उक्त कोई नहीं

26. 'इंडिका' किसकी रचना है?

(अ) इत्सिंग की (ब) ह्वेनसांग की (स) मैंगास्थनीज की (द) उक्त कोई नहीं

27. ब्रिटिश पार्लियामेंट द्वारा रेग्युलेटिंग एक्ट कब पारित किया गया?

(अ) 1770 ई॰ में (ब) 1773 ई॰ में (स) 1873 ई॰ में (द) 1793 ई॰ में

28. बंगाल में इस्तमरारी बंदोबस्त किस गर्वनर जनरल ने लागू किए?

(अ) कार्नवालिस (ब) बैंटिक (स) क्लाइव (द) डलहौजी

29. 1857 ई॰ का विद्रोह भारत के किस गर्वनर जनरल के शासनकाल में हुआ था?

(अ) लॉर्ड डलहौजी (ब) लॉर्ड कैनिंग

(स) लॉर्ड मिन्टो (द) लॉर्ड कार्नवालिस

30. 1857 ई॰ में सिपाहियों ने मेरठ से दिल्ली पहुँच कर किसे अपना नेता चुना?

(अ) वीर कुँअर सिंह (ब) नाना साहिब

(स) बहादुर शाह जफर द्वितीय (द) बख्त खाँ

31. प्लासी के युद्ध के समय बंगाल का नवाब कौन था?

(अ) रॉबर्ट क्लाइव (ब) सिराजउद्दौला (स) मीर जाफर (द) मीर कासिम

32. सर्वप्रथम भारत में रेलगाड़ी कब चलाया गया था?

(अ) 1853 ई॰ में (ब) 1753 ई॰ में (स) 1953 ई॰ में (द) 1855 ई॰ में

33. भारत में ब्रिटिश काल में पहला हिल स्टेशन कहाँ बना था?

(अ) नैनिताल में (ब) शिमला में (स) मनाली में (द) दार्जिलिंग में

34. 'मुस्लिम लीग' की स्थापना कब हुई थी?
(अ) 1905 ई॰ में (ब) 1906 ई॰ में (स) 1908 ई॰ में (द) 1940 ई॰ में

35. 'खिलाफत आंदोलन' कब हुआ था?
(अ) 1920 ई॰ में (ब) 1930 ई॰ में (स) 1940 ई॰ में (द) 1942 ई॰ में

36. 'पूना समझौता' कब हुआ था?
(अ) 1932 ई॰ में (ब) 1934 ई॰ में (स) 1942 ई॰ में (द) 1947 ई॰ में

37. रॉलेक्ट एक्ट कब पारित हुआ था?
(अ) 1919 ई॰ में (ब) 1930 ई॰ में (स) 1940 ई॰ में (द) 1905 ई॰ में

38. अगस्त प्रस्ताव के समय भारत का गर्वनर जनरल (वायसराय) कौन थे?
(अ) लॉर्ड मिन्टो (ब) लॉर्ड रिपन (स) लॉर्ड लिनलिथगो (द) लॉर्ड रिपन

39. मुस्लिम लीग ने मुस्लमानों के लिए पृथक् राष्ट्र की माँग कब की?
(अ) 1920 ई॰ में (ब) 1930 ई॰ में (स) 1906 ई॰ में (द) 1940 ई॰ में

40. 1945 ई॰ में ब्रिटेन में जब लेबर पार्टी सत्ता में आयी तो ब्रिटेन का प्रधानमंत्री कौन थे?
(अ) क्लीमेंट एटली (ब) विस्टन चर्चिल (स) स्टालिन (द) उक्त कोई नहीं

लघु उत्तरीय प्रश्न : –

1. मातृवंशिकता क्या है?
2. सिंधु सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता के नाम से क्यों जाना जाता है?
3. अशोक किस वंश का शासक था? उन्हें महान क्यों कहा जाता है?
4. मुगल साम्राज्य में शाही परिवार की महिलाओं द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डालें।
5. सूफी खानकाहों में किस प्रकार के ग्रंथ लिखे जाते थे। संक्षिप्त प्रकाश डाले।
6. भक्ति और सूफी आंदोलन एक दूसरे के पूरक थे। व्याख्या कीजिए।
7. सूर्यास्त कानून क्या है?
8. 1857 ई॰ के विद्रोह के चार प्रमुख केन्द्रों और उनके नेताओं के नाम बताईए।
9. व्हाइट और 'ब्लैक' टाउन शब्दों का क्या महत्त्व था?
10. असहयोग आंदोलन के कारणों पर प्रकाश डालें।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : –

11. हड़प्पा सभ्यता के निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल का विवरण दीजिए। ये किस प्रकार प्राप्त किए जाते थे?
12. अकबर को राष्ट्रीय शासक क्यों कहा जाता है?
13. भक्ति आंदोलन से आप क्या समझते हैं? इस आंदोलन का क्षेत्र एवं इससे जुड़े संतों का नाम बताइए।
14. स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गाँधी की भूमिका पर प्रकाश डालिए।
15. भारत में साम्प्रदायिकता के विकास के कारण बताइए।

वस्तुनिश्ठ प्रश्नोत्तर : —

(1)	स	(2)	द	(3)	ब	(4)	अ	(5)	स	(6)	अ
(7)	ब	(8)	द	(9)	अ	(10)	स	(11)	ब	(12)	द
(13)	स	(14)	ब	(15)	अ	(16)	ब	(17)	अ	(18)	ब
(19)	ब	(20)	ब	(21)	स	(22)	अ	(23)	अ	(24)	स
(25)	अ	(26)	स	(27)	ब	(28)	अ	(29)	ब	(30)	स
(31)	अ	(32)	अ	(33)	ब	(34)	ब	(35)	अ	(36)	अ
(37)	अ	(38)	स	(39)	द	(40)	अ				

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर : —

प्रश्नोत्तर (1) मातृवंशिकता शब्द का इस्तेमाल हम तब करते हैं, जहाँ वंश परंपरा माँ से जुड़ी होती है। सातवाहन राजाओं को उनके मातृनाम (माता के नाम से उदभूत) से चिह्नित किया गया है। इससे यह प्रतीत होता है कि माताएँ महत्त्वपूर्ण थी किंतु किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने पहले सावधानी की जरूरत है। फिर भी माता के गोत्र के नाम पर सातवाहन शासकों का नामकरण मिलता है। जैसे गौतमीपुत्र शातकर्णी।

प्रश्नोत्तर (2) इस सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता इसलिए कहा जाता है क्योंकि हड़प्पा नामक स्थान, जहाँ यह संस्कृति पहली बार खोजी गई थीं। सिंधु घाटी में खोजा गया पहला स्थल हड़प्पा था, जिसको 1921 ई० में सर्वप्रथम दयारामा साहनी ने खोजा था। इसका काल निर्धारण 2600—1900 ईसा पूर्व के पूर्व किया गया है। इस क्षेत्र में इस सभ्यता से पहले और बाद में भी संस्कृतियाँ अस्तित्व में थी जिन्हें क्रमशः आरंभिक तथा परवर्ती हड़प्पा कहा जाता है। इन संस्कृतियों से हड़प्पा संस्कृतियों को अलग करने के लिए कभी—कभी इसे विकसित हड़प्पा संस्कृति भी कहा जाता है।

प्रश्नोत्तर (3) अशोक मौर्य वंश का शासक था। इस वंश का महान शासक कहा जाता है वह अपने अहिंसा की नीति, लोककल्याणकारी कार्य प्रजावातसल्य धम्म की नीति के कारण 'महान' कहा जाता है। वह संभवतः विश्व का पहल शासक था, जो प्रजा को पुत्रवत् समझा। उसने युद्ध एवं हिंसा का परित्याग कर दिया एवं भेरीघोष के स्थान पर धम्मघोष को अपनाया।

प्रश्नोत्तर (4) मुगल साम्राज्य में शाही परिवार की महिलाएँ अनेक रूपों में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं। हुमायू की बहन गुलबदन बेगम ने हुमायूंनामा लिखीं। हुमायूँ की भतिजी सलीमा सुल्तान फारसी की अच्छी ज्ञाता थी। जुबिन्निसा अपनी सुन्दर लिखावट के लिए जानी जाती थी। नूरजहाँ जहाँगीर के समय शासन कार्य में भी हस्तक्षेप करने लगी थी। मुगल परिवार की रानियाँ एवं शाहजादियों ने वित्तीय स्रोतों पर नियंत्रण भी रखना आरंभ कर दिया था। विदेशी व्यापार के प्रमुख बंदरगाह सूरत से जहाँआरा को राजस्व प्राप्त होता था। जहाँआरा ने शाहजाबाद में कई इमारतों के निर्माण की देख—रेख की।

प्रश्नोत्तर (5) सूफी संतों द्वारा लिखित ग्रंथों में हिन्दू—मुस्लिम एकता, भक्तिभावना, धर्मनिष्ठा त्याग, विद्वता एवं चमत्कारी शक्तियों से युक्त लेखन देखने को मिलता है। कुछ स्रोतों से शासक एवं सूफी संतो के बीच तनाव का पता चलता है। प्रख्यात फारसी कवि अथीर हसन सिजजी देहलवी ने शेख निजामुद्दीन औलिया की बातचित पर आधारित एक ग्रंथ फवाइद—उल—फवाद का

संग्रह किया। इस ग्रंथ से पता चलता है कि शेख फरीदुद्दीन ने ग्यासुद्दीन तुगलक (1320–25) की भेंट अस्वीकार कर दी थी। सूफियों द्वारा 'मुख्तुबात' उन पत्रों का संकलन है, जो सूफी संतों द्वारा अपने अनुयायियों एवं सहयोगियों को लिखे तबकिरा संतों की जीवनी है। 'मुलफुजात' शेखों के बातचीत का संग्रह है।

प्रश्नोत्तर (6) हिन्दू संतों के आंदोलन को भक्ति आंदोलन एवं मुस्लिम संतों के आंदोलन को सूफी आंदोलन कहते हैं। ये दोनों ही आंदोलन आम जनता पर अपना प्रभाव छोड़ने में सफल रहें। लेकिन रीति–रिवाजों में ये एक दूसरे से भिन्न थे किन्तु वृहत् दृष्टि से ये एक–दूसरे के पूरक थे, दो समुदायों में एक साथ आंदोलन शुरू होना ही इस तथ्य की पुष्टि करता है कि ये दोनों एक–दूसरे के पूरक थे। संतों एवं सूफियों की वाणी घर–घर तक पहुँच गई। दोनों ने प्रेम, भाई–चारों, सद्भाव एवं बंधुत्व की भावना को बढ़वा दिया। दोनों ने अंधविश्वास एवं धार्मिक रूढ़ियों पर प्रहार किया।

प्रश्नोत्तर (7) फसल अच्छी हो या खराब उससे अंग्रेजों को कोई मतलब नहीं होता था। राजस्व की ठीक समय पर भुगतान जरूरी थी। इस कानून के अनुसार निश्चित तिथि को सूर्य डूबने तक भुगतान हो जाना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता तो जमींदार की जमीन को नीलम कर किया जा सकता था। इस प्रकार जमींदार को जमीन से हाथ धोना पड़ता था। इसे सनसेट लौ कहते है।

प्रश्नोत्तर (8) 1857 ई॰ के विद्रोह 10 मई, 1857 ई॰ को मेरठ की छावनी से प्रारंभ हुआ था और जिन प्रमुख केन्द्रों पर 1857 ई॰ का विद्रोह हुआ वे केन्द्र और नेता अग्रलिखित हैं : –

1. दिल्ली – बहादुरशाह द्वितीय,
2. झाँसी – रानी लक्ष्मी बाई
3. जगदीशपुर – वीर कुँवर सिंह
4. लखनऊ – बेगम हजरत महल
5. कानपुर – नाना साहिब और तात्या टोपे।

प्रश्नोत्तर (9) औपनिवेशिक शहरों में गोरों अर्थात् अंग्रेजों और काले अर्थात् भारतीयों की अलग बस्तियाँ होती थी। उस समय के लेखकों ने भारतीयों की बस्तियों को 'ब्लैक टाउन' और गोरों की बस्तियों को 'ह्वाइट टाउन' कहा जाता था।

ऐसा शब्दों का प्रयोज नस्लभेद प्रकट करने के लिए किया जाता था। इन दोनों बस्तियों के मकानों में भी अंतर होता था। भारतीय एजेंटों और बिचैलियों ने बाजार के आस–पास ब्लैक टाउन में परंपरागत ढ़ंग से दालानी मकान बनवाए। सिविल लाईन में केवल गोरों को बसाया गया। उनके मकान सुन्दर होते थे।

प्रश्नोत्तर (10) महात्मा गाँधी ने 1920 ई॰ में असहयोग आंदोलन आरंभ किये। इसके निम्नलिखित कारण थे: –

1. **रौलेट एक्ट** – प्रथम विश्वयुद्ध के 1919 ई॰ में रौलेट एक्ट पास किया गया था। इसके द्वारा सरकार बिना कारण ही किसी व्यक्ति को बंदी बना सकती थी। इस एक्ट को बिना अपील, बिना वकील तथा बिना दलील का कानून भी कहा गया। इसे काला

कानून के नाम से भी जानते थे। इस कानून से अंसतुष्ट होकर महात्मा गाँधी ने असहयोग आंदोलन चलाया।

2. **जालियावाला बाग हत्या काण्ड** : — 13 अप्रैल, 1919 ई॰ को रौलेक्ट एक्ट का विरोध करने के लिए अृतससर में जालियवाला बाग में एक जनसभा बुलायी गई। जनरल डायर ने इस सभा में एकत्रित लोगों पर अंधाधुंध गोलियाँ चलवाया भयंकर हत्याकाण्ड कराया। महात्मा गाँधी को इस घटना से अत्याधिक दुःख हुआ और उन्होंने 'कैसर–ए–हिन्द' की उपाधि को लौटा दिया। इस जलियावाला बाग हत्याकाण्ड से दुःखी होकर उन्होंने असहयोग आंदोलन चलाया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर : —

प्रश्नोत्तर (11) सिंधु घाटी सभ्यता भारत की प्राचीनतम एवं नगरीय सभ्यता मानी जाती है। पुरातात्विक स्रोतों के आधार पर शिल्प उत्पादन के संबंध में जानकारी मिलती है।

1. **शिल्प उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल** : — कार्निलियन (सुन्दर लाल रंग का), जैस्पर, स्फटिक ह्वार्टज, सेलखड़ी पत्थर, ताम्बा, कांसा तथा सोने जैसी धातुऐं, 'शंख, फयान्स' और पक्की मिट्टी सभी का प्रयोग मनकें बनाने में होता था। कुछ मनकें दो या उससे अधिक पत्थरों को आपस में जोड़कर बनाए जाते थे और कुछ सोने के टोप वाले पत्थर के होते थे। इनके कई आधार होते थे; जैसे — बेलनाकार, गोलाकार, चक्राकार, ढ़ोलाकार तथा खंडित। शिल्प कार्यों में मनके बनाना, शंख की कटाई, धातुकर्म, मुहर निर्माण तथा बाट बनाना संबंधित थे।
2. **कच्चे माल प्राप्त करने के उपाय/विधियाँ** :— शिल्प उत्पादन के लिए ये कच्चे माल आंतरिक एवं बाह्य दोनों स्रोतों से प्राप्त किए जाते थे। आंतरिक स्रोतों में नागेश्वर एवं बालाकोट से शंख, कार्निलियन, लोथल से, सेलखड़ी दक्षिण राजस्थान एवं गुजरात से धातु ताम्बा राजस्थान से, प्राप्त किए जाते थे। सोना दक्षिण भारत से प्राप्त किए जाते थे। वही बाहरी स्रोतों में लाजवर्द मणि अफगानिस्तान के गोतुघई से, ताम्बा अरब प्रायः द्वीप के दक्षिण छोर पर स्थित ओमान से लाया जाता था। रासायनिक विश्लेषण दर्शाते हैं कि ओमानी ताम्बें तथा हड़प्पाई पुरावस्तुओं दोनों में निकेल के अंश मिले हैं, जो दोनों के साझा उद्भव की ओर संकेत करते हैं। संभव है कि हड़प्पा सभ्यता के लोग इनमें रखे सामान का ओमानी ताम्बें से विनिमय करते थे।

प्रश्नोत्तर (12) अकबर की गणना एक महान सम्राट के रूप में की जाती है। वह सिर्फ मुगल बादशाहों में ही सर्वश्रेष्ठ नहीं था बल्कि भारत के प्रमुख और महान शासकों में उसका स्थान अग्रणी है। एक महान साम्राज्य निर्माता, कुशल प्रशासक, धर्म सहिष्णु शासक, समाजसुधारक, कला और संस्कृति के संरक्षक के रूप में उसका स्थान अतुलनीय है। अकबर की ख्याति मुख्यतः इसलिए है कि उसने समस्त भारत को एक सूत्र में बाँधने का प्रयास किया। अपनी सुलह–ए–कुल की नीति द्वारा उसने सभी भारतीयों को समान अवसर प्रदान किया और एक साथ मिलकर रहने का वातावरण तैयार किया। उसका उद्देश्य समूचे भारत का एक सूत्र में बाँधना था। उसका कानून एक शासक और साम्राज्य संस्थापक के लिए सर्वोत्तम था।

उसकी महानता उसके कार्यों पर आश्रित है। अकबर के कार्यों को ध्यान में रखते हुए ही अनेक इतिहासकारों ने उसे एक राष्ट्रीय सम्राट का दर्जा दिया है।

वह समस्त भारत को एक राजनैतिक और प्रशासनिक सूत्र में बाँधकर, सबको समान अवसर और सुविधाएँ प्रदान कर, सामाजिक बुराईयों को मिटाकर, धर्मनिरपेक्षता की नीति अपनाकर, साहित्य एवं कला का विकास, भारत की स्थिति सुदृढ़ करना चाहता था। उसने भारत को ही अपना देश समझा और इसके विकास के लिए अनवरत प्रयास किया। उसके ये कार्य ही उसे एक राष्ट्रीय शासक बनाता है।

प्रश्नोत्तर (13) भक्ति आंदोलन का अभिप्राय उस आंदोलन से है, जो तुर्कों के आगमन से पहले ही यहाँ चल रहा था और जो अकबर के काल तक चलता रहा। इस आंदोलन में मानव और ईश्वर के मध्य रहस्यवादी संबंधों को स्थापित करने पर बल दिया। इस आंदोलन की जड़े सातवीं शताब्दी से जमी। शैव नयनार और वैष्णव अलवार ने जैन और बौद्ध धर्म के अपरिग्रह सिद्धांत को अस्वीकार कर ईश्वर के प्रति व्यक्तिगत भक्ति को ही मोक्ष का मार्ग बतलाया। उन्होंने वर्ण और जाति भेद को अस्वीकार किया और प्रेम तथा व्यक्तिगत ईश्वर भक्ति का संदेश दिया। उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन का प्रयास दक्षिण भारत से हुआ। उत्तर में संत एवं विचारक दोनों भक्ति दर्शन लाए।

क्षेत्र तथा संत : — भक्ति आंदोलन व्यापक था और सारे देश में इसका प्रसार हुआ। यह आंदोलन तेरहवीं शताब्दी से सोलहवीं शताब्दी तक इस्लाम के संपर्क में आया और इसकी चुनौतियों को अंगीकार करता हुआ इससे प्रभावित, उत्तेजित और आंदोलित हुआ। इस आंदोलन में शंकराचार्य जैसे महान दार्शनिक के अद्वैतवाद एवं ज्ञानमार्ग के विरोध में भक्ति मार्ग पर अधिक जोर दिया। इस आंदोलन के चार विभिन्न संस्थापकों ने चार मतों को जन्म दिया। वे थे : —

1. 12वीं शताब्दी के रामानुजाचार्य (विशिष्टाद्वैतवाद)
2. 13वीं शताब्दी के विष्णुस्वामी (शुद्धाद्वैतवाद)
3. 13वीं शताब्दी के माधवाचार्य (द्वैतवाद)
4. 13वीं शताब्दी के निष्बार्काचार्य (द्वैताद्वैतवाद)

थोड़े बहुत अंतर होते हुए भी इन चारों मतों की मूल प्रवृत्ति सगुण भक्ति की ओर झुकी हुई थी। इन्होंने ब्रह्म और जीव की पूर्ण एकता को स्वीकार नहीं किया। मध्यकाल में यह आंदोलन विराट आंदोलन के रूप में प्रकट हुआ और इसका प्रसार सोलवीं सदी तक होता रहा। कालांतर में यह आंदोलन महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बंगाल, असम, राजस्थान आदि क्षेत्रों में फैल गया और भक्त संत के रूप में कबीर, नानक, शंकरदेव, चैतन्य महाप्रभु, ज्ञानेश्वर, तुकाराम, नामदेव, मीराबाई आदि का नाम अमर हो गया।

प्रश्नोत्तर (14) महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 ई० को गुजरात के पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ। 1917 ई० में उन्होंने बिहार के चम्पारण और 1918 ई० में खेड़ा और अहमदाबाद में सत्याग्रह का सफल प्रयोग किया। रॉलेक्ट एक्ट कानून, जालियावाला बाग काण्ड और खलीफा के प्रश्न को लेकर 1920 ई० में गाँधी जी ने असहयोग आंदोलन आरंभ किया। इसमें बहिष्कार, स्वदेशी तथा रचनात्मक कार्यों पर बल दियागया। गाँधी जी का दूसरा

व्यापक आंदोलन 1930 ई॰ में हुआ। उन्होंने सरकारी नीतियों के विरूद्ध सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ किया। इसका आरंभ उन्होंने 12 मार्च, 1930 ई॰ को दाण्डी यात्रा से किया और दाण्डी पहुँचकर नमक बनाकर उन्होंने नमक कानून तोड़ा। गाँधी जी का निर्णायक आंदोलन 1942 ई॰ में हुआ। उन्होंने भारत छोड़ों आंदोलन करने के लिए लोगों को प्रेरित किया तथा 'करों या मरों' का नारा। महात्मा गाँधी ने यहीं भारत छोड़ो आंदोलन में दिया था।

महात्मा गाँधी एक राजनीतिक नेता के साथ–साथ प्रबुद्ध चिंतक, समाजसुधारक एवं हिन्दू–मुस्लिम एकता के समर्थक थे। उन्होंने दलितों के उद्धार के लिए अनेक कार्य किया। अंततः 30 जनवरी, 1948 ई॰ को दिल्ली में हत्या कर दी गई।

प्रश्नोत्तर (15) भारत में साम्प्रदायिकता के विकास के निम्नलिखित कारण है : –

1. **इतिहास में गलत तथ्य** : – अंग्रेजों ने इतिहास में गलत तथ्यों को पढ़ाया और लिखा। उन्होंने मध्यकाल को मुगलकालीन या मुसलमानों का काल कहा। उन्होंने बताया कि हिन्दुस्तान में मुस्लिम लोग शासक रहे और हिन्दू शासित। उन्होंने हिन्दू और मुस्लिम संस्कृति को कभी मिली–जुली नहीं बताया।
2. **उग्रराष्ट्रवादी** : – कुछ उग्रराष्ट्रवादियों ने प्राचीन भारतीय संस्कृति को अधिक महत्त्व दिया और मध्यकालीन संस्कृति की अवहेलना की।
3. **मुस्लिम लीग की स्थापना** : – सन् 1906 ई॰ में सलीम उल्ला खाँ तथा आगा खाँ के द्वारा मुस्लिम लीग की स्थापना की गई। मुस्लिम लीग अलग राजनैतिक पार्टी को अंग्रेजों ने पूरा सम्मान दिया। बदले में मुसलमानों ने बंग–भंग का समर्थन किया। मुसलमानों को सम्प्रदायिकता के आधार पर अलग से निर्वाचन का अधिकार मिल गया। मुस्लिम लीग ने स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन का विरोध किया।
4. **देश का पिछड़ापन** : – देश आर्थिक रूप से काफी पिछड़ा हुआ था। लोगों का जीवन शोषित और दया पर आधारित था। फिर भी मुसलमानों ने देश में पिछड़ेपन को साम्प्रदायिकता, जात–पात और प्रांतीयता के आधार पर हल करना चाहता था। अंग्रेज भी ऐसा ही चाहते थे। वह हर काम ऐसा चाहते थे जिससे देश में अधिक–से–अधिक साम्प्रदायिकता बढ़े और फूट पड़े।
5. अलीगढ़ विश्वविद्यालय के संस्थापक सर सैय्यद अहमद खाँ और हिन्दू विश्वविद्यालय के पंडित मदन मोहन मालवीय थे। इस प्रकार की स्थापना करना मुस्लिम के लिए अलग पढ़ाई और हिन्दू के लिए अलग पढ़ाई करवाना भी साम्प्रदायिकता का कारण बना।

❖❖❖❖❖

Set – 9
Inter (12^{th}) History

वस्तुनिश्ठ उत्तरीय प्रश्न : –

1. हड़प्पा में सर्वप्रथम किस स्थल की खोज हुई?
   (अ) मोहनजोदड़ो में (ब) हड़प्पा में (स) कालिबंगा में (द) बनावली में
2. 'हड़प्पा लिपि' में लगभग कितने चिह्न है?
   (अ) 500 (ब) 200 (स) 100 (द) 400
3. 'जुते खेत' का साक्ष्य किस हड़प्पाई स्थल से मिला है?
   (अ) बनाबली में (ब) मोहनजोदड़ो में (स) कालिबंगा में (द) लोथल में
4. चन्द्रगुप्त मौर्य का राज्यारोहण कब हुआ?
   (अ) 324 ई॰पू॰ (ब) 321 ई॰पू॰ (स) 315 ई॰पू॰ (द) 310 ई॰पू॰
5. अरबों ने सिंध विजय कब किया?
   (अ) 715 ई॰ में (ब) 720 ई॰ में (स) 712 ई॰ में (द) उक्त कोई नहीं
6. मौर्य वंश का प्रथम शासक कौन थे?
   (अ) अशोक (ब) बिन्दुसार (स) दशरथ (द) चन्द्रगुप्त मौर्य
7. ऋग्वेद का काल क्या है?
   (अ) 2000–1500 ई॰पू॰ (ब) 1500–1000 ई॰ पू॰(स) 1000–600 ई॰पू॰(द) उक्त कोई नहीं
8. वेदों की संख्या कितनी है?
   (अ) पाँच (ब) तीन (स) चार (द) दो
9. गुप्तवंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक कौन था?
   (अ) चन्द्रगुप्त द्वितीय (ब) समुद्रगुप्त (स) रामगुप्त (द) स्कंधगुप्त
10. 'स्वर्ण युग' किस काल से संबंधित है?
    (अ) मौर्य काल (ब) हर्यंक वंश (स) शुंग काल (द) गुप्त काल
11. जैन–धर्म के 23वें तीर्थंकर कौन थे?
    (अ) महावीर (ब) आदिनाथ (स) पार्श्वनाथ (द) उक्त कोई नहीं
12. हीनयान का संबंध किस धर्म से है?
    (अ) जैन धर्म (ब) ब्राह्मण धर्म (स) बौद्ध धर्म (द) ईसाई धर्म
13. सिकन्दर का भारत पर आक्रमण कब हुआ?
    (अ) 327–325 ई॰पू॰ में(ब) 323–320 ई॰पू॰ में(स) 315–310 ई॰पू॰ में(द) उक्त कोई नहीं
14. 'गज–ए–सिकंदरी' की माप क्या थी?
    (अ) 41 अंगुल या 33 ईंच (ब) 42 अंगुल या 34 ईंच
    (स) 40 अंगुल या 32 ईंच (द) 43 अंगुल या 35 ईंच
15. अकबर काल में कर के रूप में कितना भाग लिया जाता था?
    (अ) उपज का 1/4 भाग (ब) औसत पैदावार का 1/3 भाग

(स) औसत पैदावार का 1/5 भाग (द) औसत पैदावार का 1/5 भाग

16. निम्न में से कौन–सा सिक्का 'चौकोर चाँदी' का होता थ?
(अ) शंसब (ब) रूपया (स) जलाली (द) जीतल

17. पुस्तक 'मुन्तखब–उल–लुवाब' किसकी रचना है?
(अ) खाफी खाँ (ब) फैजी (स) अबुल फजल (द) मौतमिद खाँ

18. पानीपत की द्वितीय युद्ध कब हुआ?
(अ) 1526 ई॰ में (ब) 1536 ई॰ में (स) 1556 ई॰ में (द) 1576 ई॰ में

19. हुमायूँ का अर्थ क्या होता है?
(अ) भाग्यशाली (ब) भाग्यहीन (स) खुशहाल (द) उपरोक्त सभी

20. फर्नाओ नूनीज विजयनगर के किस शासक के काल में भारत आया?
(अ) कृष्णदेव राय (ब) देवराय प्रथम (स) अच्युत देवराय (द) देवराय द्वितीय

21. निम्नलिखित में से कौन 'फरिश्ता' के नाम से प्रसिद्ध है और ग्रंथ 'तारीख–ए–फरिश्ता' लिखी?
(अ) मुहम्मद कासिम (ब) बरनी
(स) मुहम्मद गजनी (द) मिन्हाज–ए–सिराज

22. अब्दुर्रज्जाक किस देश का यात्री था?
(अ) इटली (ब) ईरान (स) पुर्तगाल (द) रूस

23. गुरू नानक का जन्म तलबंडी में हुआ था। यह किस नदी के किनारे अवस्थित है?
(अ) रावी (ब) सतलज (स) ब्यास (द) सिंधु

24. कबीर दास जी का संबंध किस जाति से था?
(अ) जाट किसान (ब) राजपूत (स) नाई (द) जुलाहा

25. शेख सलीम चिश्ती का दरगाह कहाँ है?
(अ) अजमेर (ब) फतेहपुर सिकरी (स) पण्ढ़रपुर (द) दिल्ली

26. किताब–उल–हिन्द किस भाषा में लिखा गया है?
(अ) फारसी में (ब) अरबी में (स) तुर्की में (द) हिन्दी में

27. दक्कन का विद्रोह कब हुआ था?
(अ) 1855 ई॰ में (ब) 1875 ई॰ में (स) 1865 ई॰ में (द) 1899 ई॰ में

28. रैयतवारी व्यवस्था किसने लागू की?
(अ) कैप्टन मुनरो (ब) रॉबर्ट क्लाइव (स) लॉर्ड रिपन (द) लॉर्ड लिटन

29. नवाब वाजिद अली शाह कहाँ का नवाब था?
(अ) पंजाब का (ब) अवध का (स) सतारा का (द) बंगाल का

30. बैरकपुर छावनी में सर्वप्रथम किस सिपाही ने विद्रोह प्रारंभ किया?
(अ) नाना साहेब (ब) मंगल पाण्डे (स) तात्या टोपे (द) हजरत महल

31. बिहार में 1857 ई॰ की क्रांति का नेतृत्व किसने किया?
(अ) तात्या टोपे (ब) वीर कुँवर सिंह (स) नाना साहेब (द) उपरोक्त सभी

32. 1757 ई॰ में प्लासी युद्ध के समय बंगाल का गवर्नर कौन था?
(अ) रॉलेक्ट क्लाइब (ब) लॉर्ड डलहौजी

(स) लॉर्ड मिन्टो (द) लॉर्ड कार्नवालिस

33. भारत में नियमित जनगणना कितने वर्षों पर होती है?

(अ) 5 वर्ष पर (ब) 10 वर्ष पर (स) 15 वर्ष पर (द) 20 वर्ष पर

34. भारत में 'डाक टिकट' किस गवर्नर जनरल ने चलाया था?

(अ) लॉर्ड मिन्टो (ब) लॉर्ड डलहौजी (स) लॉर्ड कार्नवालिस (द) लॉर्ड रिपन

35. असहयोग आंदोलन कब प्रारंभ हुआ था?

(अ) 1918 ई० में (ब) 1919 ई० में (स) 1920 ई० में (द) 1917 ई० में

36. महात्मा गाँधी अफ्रीका से भारत कब लौटे?

(अ) 1915 ई० में (ब) 1918 ई० में (स) 1920 ई० में (द) 1940 ई० में

37. लाहौर अधिवेशन किस वर्ष हुआ था?

(अ) 1920 ई० में (ब) 1929 ई० में (स) 1940 ई० में (द) 1947 ई० में

38. भारत छोड़ो आंदोलन कब प्रारंभ हुआ था?

(अ) 1930 ई० में (ब) 1920 ई० में (स) 1942 ई० में (द) 1947 ई० में

39. हिन्दू महासभा की स्थापना कब हुई?

(अ) 1907 ई० में (ब) 1915 ई० में (स) 1939 ई० में (द) 1950 ई० में

40. भारतीय संविधान को बनाने में कितना समय लगा था?

(अ) 2 वर्ष 11 माह 18 दिन (ब) 3 वर्ष 11 माह 18 दिन

(स) 2 वर्ष 11 माह 28 दिन (द) 2 वर्ष 11 माह 5 दिन

लघु उत्तरीय प्रश्न : –

1. इतिहास लेखन के साहित्यिक स्रोतों के बारे में लिखे।
2. मौर्य वंश का संस्थापक कौन था? इस वंश के प्रमुख शासकों को लिखे।
3. स्तूप क्यों बनाए जाते थे?
4. अग्रहार क्या है?
5. भक्ति आंदोलन की विशेषताओं को बताइए।
6. विजयनगर साम्राज्य के ह्रास के प्रमुख कारण का उल्लेख कीजिए।
7. अकबर ने जजिया कर क्यों समाप्त किया? कारण बताइये।
8. प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस से आप क्या समझते हैं?
9. कलकत्ता नगर का निर्माण कैस हुआ?
10. अंग्रेजों ने सिपाही विद्रोह को कुचलने के लिए क्या कदम उठाए?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : –

11. मौर्य प्रशासन के प्रमुख अभिलक्षणों की चर्चा कीजिए।
12. मोहनजोदड़ो के कुछ विशिष्टताओं का वर्णन करें।
13. मुगलकाल के अध्ययन हेतु महत्त्वपूर्ण स्रोत के रूप में आईन–ए–अकबरी के तीन गुण एवं दो कमियों का उल्लेख कीजिए।
14. अब्दुर्रज्जाक विजयनगर की किस संरचना से प्रभावित हुआ? उसने उसका विवरण किस प्रकार किया?

15. सहायक संधि क्या थी?

वस्तुनिश्ठ प्रश्नोत्तर : –

(1)	ब	(2)	द	(3)	स	(4)	ब	(5)	स	(6)	द
(7)	ब	(8)	स	(9)	ब	(10)	द	(11)	स	(12)	स
(13)	अ	(14)	अ	(15)	ब	(16)	स	(17)	अ	(18)	स
(19)	अ	(20)	स	(21)	अ	(22)	ब	(23)	अ	(24)	द
(25)	ब	(26)	ब	(27)	ब	(28)	अ	(29)	ब	(30)	ब
(31)	ब	(32)	अ	(33)	ब	(34)	क	(35)	स	(36)	अ
(37)	ब	(38)	स	(39)	ब	(40)	अ				

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर : –

प्रश्नोत्तर (1) इतिहास लेखन में साहित्यिक स्रोत अनेक रूपों में उपलब्ध है। इन्हें निम्न वर्गों में बाँटकर देखा जा सकता है : –

1. **ब्राह्मण ग्रंथ** – वेद – इनमें ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद, और अथर्ववेद तथा ब्राह्मण । ग्रंथ – गोपथ ब्राह्मण, शतपथ ब्राह्मण, आदि। इसके अलावे महाभारत और रामायण भी है।
2. **गैर ब्राह्मण ग्रंथ** – बौद्ध ग्रंथ त्रिपिटक, ललितविस्तर, मिलन्दपन्हो, दीपवंश, महावंश। जैन ग्रंथों में – भगवती सूत्र, बारह आगम, 10 प्रकीर्ण, आदिपुराण, हरिवंशपुराण इत्यादि है।
3. **लौकिक साहित्य** – अर्थशास्त्र, मुद्राराक्षस, इंडिका।
4. **विदेशी विवरण** – इंडिका फाह्यान का विवरण और ह्वेनसांग का विवरण।

प्रश्नोत्तर (2) मौर्य वंश का संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य था। इस वंश के प्रमुख शासकों में चन्द्रगुप्त मौर्य के बाद बिन्दुसार, अशोक, दशरथ एवं कुणाल और अंतिम शासक के रूप मे बृहद्रथ की चर्चा है।

प्रश्नोत्तर (3) ऐसी कई अन्य जगहें थी जिन्हें पवित्र माना जाता था। इन जगहों पर बुद्ध से जुड़े कुछ अवशेष जैसे – उनकी अस्थिया या उनके द्वारा प्रयुक्त सामान गाड़ दिए गए थे। इन टीलों को स्तूप कहा जाता था। इस प्रकार बुद्ध के विभिन्न अवशेषों को विभिन्न जगहों पर सुरक्षित रखने के लिए स्तूप बनाए गए थे। ईसा पूर्व दूसरी सदी तक भरहूत, साँची और सारनाथ जैसे जगहों पर स्तूप बनाए गए।

प्रश्नोत्तर (4) अग्रहर उस भू–भाग को कहते थे जो ब्राह्मणों को दान में दिया जाता था। ब्राह्मणों से भूमिकर या अन्य प्रकार के कर नहीं वसूले जाते थे। ब्राह्मणों को स्वयं स्थानीय लोगों से कर वसूलने का अधिकार था।

प्रश्नोत्तर (5) भक्ति आंदोलन के प्रणेता एकेश्वरवाद पर बल देते थे। वे कर्मकाण्ड एवं आडम्बर को मिथ्या बताते थे। इन्होंने जाति–पांति के भेदभाव को त्यागने पर बल दिया, साथ ही अस्पृश्यता का विरोध किया। प्रत्येक प्रकार की सामाजिक कुरीति का विरोध किया। इन्होंने चरित्र की शुद्धता पर बल दिया।

प्रश्नोत्तर (6) तुंगभद्रा एवं कृष्णा नदियों के बीच रायचूर दोआब दक्षिण भारत का सर्वाधिक उपजाऊ एवं महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है। यही रायचूर दोआब मध्यकाल में विजयनगर और बहमनी साम्राज्य के बीच संघर्ष का कारण बना और 23 जनवरी, 1565 ई॰ को तालीकोट अथवा राक्षसतंगड़ी के युद्ध में बहमनी शासकों ने विजयनगर राज्य को परास्त किया। इस प्रकार विजयनगर पूरी तरह बर्बाद कर दिया गया।

प्रश्नोत्तर (7) 1564 ई॰ में अकबर ने जजिया कर बंद कर दिया था। यह समस्त भारत की गैर–मुस्लिम जनता से वसूला जानेवाला कर था। इस कर को समाप्त करने के पीछे वजह यह थी कि वह अपने को एक राष्ट्रीय शासक के रूप में प्रदर्शित करना चाहता था और इसके लिए प्रयासरत भी था। साथ ही अकबर 'सुलह–ए–कुल' की नीति में विश्वास करता था जिसका अर्थ है सबसे शांति रखने का सिद्धांत। ऐसा कर वह हिन्दुओं को अपने नजदीक लाने में सफल रहा।

प्रश्नोत्तर (8) कैबिनेट मिशन योजना से अपना समर्थन वापस लेने के बाद मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की अपनी माँग को अमली जामा पहनाने के लिए प्रत्यक्ष कार्यवाही करने का फैसला लिया। मुस्लिम लीग ने 16 अगस्त, 1946 ई॰ को ''प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस'' मनाने का ऐलान किया। उसी दिन कलकत्ता मे दंगा भड़क उठा जो कई दिनों तक चला और उसमें कई हजार लोग मारे गए।

प्रश्नोत्तर (9) 1757 ई॰ में प्लासी के युद्ध में सिराजुद्दौला की हार हुई। इसके बाद ईस्ट इंडिया कंपनी ने एक ऐसा नया किला बनाने का फैसला लिया जिस पर आसानी से हमला न किया जा सकें। कलकत्ता को सुतानाती कोलकाता और गोविन्दपुर, इन तीनों गाँव को मिलाकर बनाया गया था। कंपनी ने इन तीनों में सबसे दक्षिण में पड़नेवाले गोविंदपुर गाँव की जमीन को साफ करने में लिए वहाँ के व्यापारियों और बुनकरों को हटने का आदेश जारी कर दिया। इस प्रकार से कलकत्ता नगर का निर्माण हुआ था।

प्रश्नोत्तर (10) अंग्रेजों ने सिपाही विद्रोह को कुचलने के लिए फौजियों की आसानी के लिए कई कानून पारित कर दिये थे। मई और जून 1857 ई॰ में पारित किए गए कई कानून के जरिए न केवल समूचे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया बल्कि फौजी अफसरों और यहाँ तक की आम अंग्रेजों को भी ऐसे हिन्दुस्तानियों पर मुकदमा चलाने और उनको सजा देने का अधिकार दे दिया गया जिन पर विद्रोह में शामिल होने का शक था। कानून और मुकदमों की सामान्य प्रक्रिया रद्द कर दी गयी थी और स्पष्ट कर दिया गया था कि विद्रोह की केवल एक ही सजा हो सकती है सजा–ए–मौत। यही कदम अंग्रेजों ने विद्रोह को कुचलने के लिए मुख्य रूप से उठाए थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर : –

प्रश्नोत्तर (11) मोहनजोदड़ो सिंधु घाटी सभ्यता का प्रसिद्ध पुरा–स्थल है। इसका अनूठा पहलू शहरी केन्द्रों का विकास था। बस्ती मुख्यतः दो भागों में विभाजित था। एक छोटा लेकिन ऊँचाई पर बनाया गया और दूसरा कहीं अधिक बड़ा लेकिन नीचे बनाया गया था। पुरातत्त्वविदों ने इसे क्रमशः दुर्ग एवं निचला शहर का नाम दिया है। दुर्ग की ऊँचाई का कारण यह था कि यहाँ की संरचनाऐं कच्ची ईंटों के चबूतरें पर बनी थीं। दुर्ग को दीवार से घेरा गया था।

इससे निचले शहर से अलग किया गया था। निचला शहर भी दीवार से घेरा गया था। इसके अतिरिक्त कई भवनों को ऊँचें चबूतरें पर बनाया गया था। यह चबूतरा नींव का कार्य करता था।

मोहनजोदड़ो की विशिष्टताओं में नियोजित जल निकास प्रणाली तथा ग्रीड पैटर्न पर बनायी गयी नालियों एवं सड़कें भी थे। सड़कें एक–दूसरे को समकोण पर काटती थी। ऐसा प्रतीत होता है कि पहले नालियों के साथ गलियों को बनाया गया था। फिर उसके अगल–बगल आवासों का निर्माण किया गया था। हर घर में ईंटों के फर्श से बना अपना एक स्नानघर होता था। विद्वानों के अनसुार मोहनजोदड़ो में कुओं की कुल संख्या लगभग 700 थीं। मोहनजोदड़ो में ही विशाल अन्नागार भी प्राप्त हुए है। नर्त्तकी की मूर्तियों एवं विविध मनकें एवं मुहरें भी विशिष्टताओं में थे।

प्रश्नोत्तर (12) मौर्य वंश का संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य था। मौर्य साम्राज्य के अंतर्गत सर्वप्रथम सुसंगठित प्रशासन स्रोत के रूप में मेगास्थनीज की इंडिका एवं कौटिल्य द्वारा रचित अर्थशास्त्र प्रमुख ग्रंथ है। पुरातात्त्विक स्रोत के रूप में चन्द्रगुप्त एवं विशेषकर अशोक के अभिलेख है। इसके प्रमुख अभिरक्षण निम्नलिखित है : –

1. **केन्द्रीय प्रशासन** : – इसमें राजा, मंत्री व नौकरशाही है। राजतंत्रीय व्यवस्था थीं। इस व्यवस्था के अनुसार राजा प्रशासन का प्रधान एवं सर्वोच्च पदाधिकारी था। मंत्रियों, प्रशासनिक एवं सैनिक अधिकारियों की नियुक्ति राजा के द्वारा होती थी। राजा की सहायता सचिव अथवा मंत्री करते थे। कौटिल्य ने 18 तीर्थ की चर्चा की है।
2. **सैनिक व्यवस्था** : – मौर्य शासकों ने सैनिक संगठन पर विशेष ध्यान दिया। प्लिनी के अनुसार चन्द्रगुप्त मौर्य की सेना में 6,00,000 (छः लाख) पदाति 30,000 (तीस हजार) घुड़सवार 9,000 (नौ हजार) हाथी एवं रथ 8,000 (आठ हजार) थे। सेना चतुरंगिनी थीं।
3. **राजस्व प्रशासन** : – राजकीय आय का प्रमुख स्रोत भूमिकर अथवा भाग था। सामान्यतः किसानों से 1/4 भाग अथवा 1/6 भाग भूमिकर करों में बिक्री कर, चुंगी, खान, करार गणना कर आदि थे।
4. **प्रांतीय एवं स्थानीय प्रशासन** : – मौर्य साम्राज्य प्रशासनिक सुविधा हेतु 5 (पाँच) प्रांतों कें विभक्त थे। ये थे – उत्तरापथ, आवन्ति रथ, दक्षिणापथ कलिंग और प्राची। प्रांतों का विभाजन क्रमशः स्थानीय द्रोणमुख, सर्वारिक एवं संग्रहण में किया गया था। गाँव सबसे छोटी इकाई थी जिसका प्रधान ग्रामिक होता था।

प्रश्नोत्तर (13) आईन–ए–अकबरी अबुल फजल के द्वारा लिखा गया था। यह पुस्तक तीन भागों में लिखी गई थी। अकबर के शासन काल का सकारात्मक पक्ष पेश करना इस ग्रंथ का मुख्य उद्देश्य था। यह एक ऐसा काल था जिसमें एक मजबूत सत्ताधारी वर्ग सामाजिक मेल–जोल बनाकर रखता था।

आईन–ए–अकबरी के गुण : –

1. अबुल–फजल कृत आईन–ए–अकबरी अकबरकालीन इतिहास को जानने का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण दस्तावेज है।

2. इसमें छोटी–से–छोटी जानकारी मिल जाती है।
3. अकबर पर कार्य करनेवाले शोधार्थियों को यह अत्यंत मददगार है।

आईन–ए–अकबरी के दोष :–

1. आईन–ए–अकबरी का लेखक अबुल फजल चूँकि अकबर का मित्र था। अतः उसने उसके काल की किसी भी बुराई को ग्रंथ में नहीं लिखा।
2. आईन–ए–अकबरी में इतनी अधिक सूचनाएँ दी गई है कि उनका समकालीन किसी भी स्रोत में मिलान संभव नहीं है। अतः इतिहास लेखन में इसको स्रोत के रूप में उपयोग करनेवाले इतिहाविद् की दृष्टि वैज्ञानिक होना आवश्यक है।

प्रश्नोत्तर (14) अब्दुर्रज्जाक विजयनगर की विशाल किलेबंदी से सबसे अधिक प्रभावित हुआ। इस किलेबंदी का वर्णन करते हुए उसने लिखा है कि इसकी सात पंक्तियाँ थीं। इसमें शहर, खेतों और जंगलों को भी घेरा गया था। सबसे बाहरी दीवार शहर के चारों ओर की पहाड़ियों को आपस में जोड़ती थी। दीवार बनाने के लिए पत्थरों के जिन फनाकार टुकड़ों का प्रयोग किया गया था, वे आपस में टिके रहते थे। दीवारों के अंदर का भाग मिट्टी और मलवे के मिश्रण से बना हुआ था।

अब्दुर्रज्जाक लिखता है कि पहली, दूसरी और तीसरी दीवारों के बीच जुते हुए खेत, बगीचें और आवास थे। ऐसा संभवतः कृषि की संरक्षण देने तथा शत्रुओं से खेती की रक्षा करने किया गया था।

नगर और शासकीय केन्द्रों को भी घेरा गया था। प्रवेश द्वार अत्यंत भव्य है एवं स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण है।

प्रश्नोत्तर (15) सहायक संधि लॉर्ड वेलेजली द्वारा 1798 ई॰ में तैयार की गई एक व्यवस्था थीं। अंग्रेजों के साथ यह संधि करनेवाले को कुछ शर्त्तें माननी पड़ती थी। मसलन : –

1. अंग्रेज अपने सहयोगी की बाहरी और आंतरिक चुनौतियों से रक्षा करेंगे;
2. सहयोगी पक्ष के भूक्षेत्र में ब्रिटिश सैनिक टुकड़ी तैनात रहेगी;
3. सहयोगी पक्ष को इस टुकड़ी के रख–रखाव की व्यवस्था करनी होगी;
4. सहयोगी पक्ष न तो किसी शासक के साथ संधि कर सकेगा और न ही अंग्रेजों के अनुमति के बिना किसी युद्ध में हिस्सा लेगा।

यही उपरोक्त सहायक संधि की शर्त्तें है।

❖❖❖❖❖

Set – 10
Inter (12th) History

वस्तुनिश्ठ उत्तरीय प्रश्न : –

1. हर्षवर्द्धन कहाँ का शासक था?
   (अ) बल्लभी का (ब) कन्नौज का (स) बंगाल का (द) काश्मीर का
2. मौर्य वंश का पतन कब हुआ?
   (अ) 180 ई॰पू॰ में (ब) 190 ई॰पू॰ में (स) 185 ई॰पू॰ में (द) 175 ई॰पू॰ में
3. कनिष्क का राज्यारोहण कब हुआ?
   (अ) 78 ई॰ में (ब) 78 ई॰पू॰में (स) 100 ई॰में (द) उक्त कोई नहीं
4. अशोक का अभिलेख सर्वप्रथम किसने पढ़ा?
   (अ) एलेकौण्डर कनिंघम ने (ब) ह्वीलर ने
   (स) जेम्स प्रिंसेप ने (द) माझेल ने
5. उत्तरवैदिक काल की अवधि क्या है?
   (अ) 1200–600 ई॰पू॰ (ब) 1100–600 ई॰पू॰ (स) 1500–600 ई॰पू॰ (द) 1000–600 ई॰पू॰
6. जैन धर्म का वास्तविक संस्थापक कौन था?
   (अ) पार्श्वनाथ (ब) आदिनाथ (स) महावीर (द) उक्त कोई नहीं
7. मोहनजोदड़ो की खोज कब आरंभ हुई?
   (अ) 1921 ई॰ में (ब) 1922 ई॰ में (स) 1925 ई॰ में (द) 1920 ई॰ में
8. मार्टिनर ह्वीलर के अनुसार हड़प्पा सभ्यता का काल क्या है?
   (अ) 2350–1750 ई॰पू॰ (ब) 2700–2000 ई॰पू॰
   (स) 2500–1500 ई॰पू॰ (द) उक्त कोई नहीं
9. महायान का संबंध किस धर्म से है?
   (अ) जैन (ब) बौद्ध (स) ब्राह्मण (द) ईसाई
10. सिकन्दर की मृत्यु कब हुई?
    (अ) 325 ई॰पू॰ (ब) 326 ई॰पू॰ (स) 320 ई॰पू॰ (द) 323 ई॰पू॰
11. पुराणों की संख्या कितनी है?
    (अ) 10 (ब) 15 (स) 18 (द) 16
12. जय संहिता किस ग्रंथ को कहा जाता है?
    (अ) रामायण को (ब) महाभारत को (स) अर्थशास्त्र को (द) इंडिका को
13. धम्म किसने आरंभ किया?
    (अ) चन्द्रगुप्त (ब) बिन्दुसार (स) अशोक (द) दशरथ
14. निम्नलिखित में से कौन–सा विदेशी यात्री तोपची था?
    (अ) पीटर मुण्डी (ब) मनुची (स) नूनीज (द) उपरोक्त सभी
15. फ्रांसिस बर्नियर किसके काल में भारत आया था?

(अ) अकबर (ब) बाबर (स) जहाँगीर (द) औरंगजेब

16. भक्ति आंदोलन को दक्षिण भारत से उत्तर भारत में लानेवाले संत निम्नलिखित में से कौन थे?
(अ) कबीर दास (ब) रामानन्द (स) रामानुजाचार्य (द) चैतन्य महाप्रभु

17. अलवार संतों की संख्या निम्न में से कितनी बताई जाती है?
(अ) 61 (ब) 60 (स) 62 (द) 63

18. रामानन्द के गुरू कौन थे?
(अ) रामानुजाचार्य (ब) शंकराचार्य (स) राघवानन्द (द) कबीर दास

19. कराइकल अम्मइयार नामक महिला किसकी भक्त थीं?
(अ) शिव के (ब) विष्णु के (स) राम के (द) कृष्ण के

20. तालीकोट का युद्ध कब हुआ था?
(अ) 1560 ई॰ में (ब) 1556 ई॰ में (स) 1565 ई॰ में (द) 1576 ई॰ में

21. कृष्णदेव राय का संबध निम्न में से किस वंश से था?
(अ) संगम वंश से (ब) सालुब वंश से
(स) तुलुव वंश से (द) किसी भी वंश से नहीं

22. किस वर्ष अकबर ने गुजरात पर विजय प्राप्त की थी?
(अ) 1570 ई॰ में (ब) 1571 ई॰ में (स) 1572 ई॰ में (द) 1573 ई॰ में

23. शाहजहाँ उच्च कोटि का गायक था, यह कथन : –
(अ) सत्य (ब) असत्य
(स) कहा नहीं जा सकता (द) उपरोक्त सभी

24. अकबर ने किस वर्ष 'दीन–ए–इलाही' धर्म चलाया?
(अ) 1581 ई॰ में (ब) 1580 ई॰ में (स) 1583 ई॰ में (द) उक्त कोई नहीं

25. अकबर के दरबार का प्रख्यात गायक था?
(अ) तानसेन (ब) बैरम खाँ (स) टोडरमल (द) अब्दुर रहीम

26. अकबर का संरक्षक बनकर किसने शासन किया?
(अ) बैरम खाँ (ब) मुनीम खाँ (स) अब्दुल लतीफ (द) हुमायूँ

27. लॉर्ड कार्नवालिस का जीवन काल क्या था?
(अ) 1838–1905 ई॰ (ब) 1738–1805 ई॰ (स) 1638–1705 ई॰ (द) उपरोक्त सभी

28. कंपनी काल में शक्तिशाली जमींदारों के लिए जो शब्द प्रयोग किया जाता था, वह था : –
(अ) कोतवाल (ब) राजा (स) रैयत (द) जोतदार

29. लॉर्ड डलहौजी ने अवध का अधिग्रहण कब किया था?
(अ) 1846 ई॰ में (ब) 1848 ई॰ में (स) 1856 ई॰ में (द) 1857 ई॰ में

30. 1857 ई॰ के विद्रोह का तात्कालिक कारण था?
(अ) ईसाई धर्म का प्रचार (ब) पगड़ी बाँधने पर प्रतिबंध
(स) सैनिक को कम वेतन (द) चर्बी वाले कारतूस

31. बहादुरशाह जफर द्वितीय की मृत्यु कहाँ हुई थी?
(अ) दिल्ली में (ब) रंगून में (स) जापान में (द) नेपाल में

32. 1857 ई० की प्लासी की लड़ाई में किसकी हार हुई?
(अ) रॉबर्ट क्लाइब (ब) सिराजुद्दौला (स) मीर जाफर (द) मीर कासिम
33. भारत में 'तार' किस गवर्नर जनरल ने प्रारंभ किया?
(अ) लॉर्ड डलहौजी (ब) लॉर्ड मिन्टो (स) लॉर्ड रिपन (द) लॉर्ड लिटन
34. महात्मा गाँधी के नेतृत्व में बिहार में चम्पारण आंदोलन कब आरंभ हुआ?
(अ) 1910 ई० में (ब) 1917 ई० में (स) 1920 ई० में (द) 1930 ई० में
35. डांडी किस राज्य में अवस्थित है?
(अ) गुजरात में (ब) बिहार में (स) बंगाल में (द) उड़ीसा में
36. दूसरा गोलमेज सम्मेलन कब हुआ?
(अ) 1930 ई० में (ब) 1932 ई० में (स) 1931 ई० में (द) 1942 ई० में
37. जवाहर लाल नेहरू ने पूर्ण स्वराज की माँग किस वर्ष किया था?
(अ) 1930 ई० में (ब) 1931 ई० में (स) 1940 ई० में (द) 1942 ई० में
38. कांग्रेस मंत्रिमंडल ने कब त्यागपत्र दिया?
(अ) 1939 ई० में (ब) 1931 ई० में (स) 1940 ई० में (द) 1942 ई० में
39. सीमांत गाँधी किसे कहा जाता है?
(अ) खान अब्दुल गफ्फार खाँ (ब) मौलाना आजाद
(स) मोहम्मल अली (द) शौकत अली
40. भारतीय संविधान सभा की प्रथम बैठक कब हुई थी?
(अ) 9 दिसम्बर, 1946 ई० को (ब) 11 दिसम्बर, 1946 ई० को
(स) 9 दिसम्बर, 1945 ई० को (द) 9 दिसम्बर, 1948 ई० को

लघु उत्तरीय प्रश्न :—

1. गृहपति कौन थे? उसका क्या कार्य था?
2. प्रयाग प्रशास्ति के लेखक कौन थे? इस प्रशस्ति में किसकी चर्चा है?
3. मगध महाजनपद पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।
4. प्राचीन काल में जनपद क्या था? लिखिए।
5. भक्ति आंदोलन के प्रभावों का वर्णन करें।
6. ताजमहल पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
7. विजयनगर साम्राज्य में आयंगर व्यवस्था पर प्रकाश डालें।
8. मुस्लिम लीग की स्थापना कब हुई? इसकी क्या माँग थी?
9. सहायक संधि की दो शर्तें बताइयें।
10. प्रांतों में काँग्रेसी मंत्रिमंडलों ने क्यों त्याग–पत्र दे दिए?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :—

11. उत्तर मौर्यकाल में विकसित राजत्व के विचारों की चर्चा कीजिए।
12. हुमायूँनामा पर टिप्पणी कीजिए।
13. कृष्णदेवराय विजयनगर के शासकों में महानतम शासक था? अपने उत्तर के मत में तर्क दीजिए।
14. सविनय अवज्ञा आंदोलन क्यों शुरू किया गया? इसका क्या महत्त्व है?

15. आधुनिक भारत के निर्माण में डॉ॰ बी॰आर॰ अम्बेडकर की देनों का मूल्यांकन कीजिए।

वस्तुनिश्ठ प्रश्नोत्तर : –

(1)	ब	(2)	स	(3)	अ	(4)	स	(5)	द	(6)	स
(7)	ब	(8)	स	(9)	ब	(10)	द	(11)	स	(12)	ब
(13)	स	(14)	ब	(15)	द	(16)	ब	(17)	द	(18)	स
(19)	अ	(20)	स	(21)	स	(22)	स	(23)	अ	(24)	अ
(25)	अ	(26)	अ	(27)	ब	(28)	ब	(29)	स	(30)	द
(31)	ब	(32)	ब	(33)	अ	(34)	ब	(35)	अ	(36)	स
(37)	ब	(38)	अ	(39)	अ	(40)	अ				

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर : –

प्रश्नोत्तर (1) गृहपति घर का मुखिया होता था। घर में रहनेवाली महिलाओं, बच्चों, नौकरों और दासों पर नियंत्रण करता था। घर से जुड़े भूमि, जानवर, या अन्य सभी वस्तुओं का वह मालिक होता था। कभी–कभी इस शब्द का प्रयोग नगरों में रहनेवाले संभ्रांत व्यक्तियों और व्यापारियों के लिए भी होता था।

प्रश्नोत्तर (2) प्रयाग प्रशस्ति के लेखक हरिषेण है। इस प्रशस्ति में हरिषेण ने गुप्त वंश के सर्वाधिक शक्तिशाली शासक समुद्रगुप्त की चर्चा की है। वह समुद्रगुप्त का राजकवि भी था। इस प्रशस्ति की रचना संस्कृत भाषा में है। इसे इलाहाबाद स्तंभ अभिलेख भी कहा जाता है।

प्रश्नोत्तर (3) छठी से चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में मगध सबसे शक्तिशाली महाजनपद बन गया। आधुनिक इतिहासकार इसका कई कारण बताते हैं। जैसे – यहाँ खेती के उपज खासतौर पर अच्छी होती थी। दूसरे, लोहे की खादानें उपलब्ध थी जिनसे उपकरण एवं हथियार बनाना सरल था। जंगली क्षेत्रों में हाथी, गंगा और सहायक नदियों के रूप में आवागमन आदि की उपलब्धता, मगध के उत्कर्ष एवं संपन्नता के सहायक तत्व थे। इसके साथ ही विभिन्न शक्तिशाली राजाओं की परम्परा जैसे – बिम्बिसार, अजातशत्रु, महापदमनंद, चन्द्रगुप्त, अशोक की नीतियाँ भी मगध के उत्कर्ष में सहायक थी।

प्रश्नोत्तर (4) जनपद का तात्पर्य ऐसे भूखण्ड से है जहाँ कोई जन (लोग, कुल या जनजाति) अपना पाँव रखता है अथवा वस जाता है। इस शब्द का प्रयोग प्राकृत व संस्कृत दोनों में मिलता है।

प्रश्नोत्तर (5) भक्ति आंदोलन के निम्नलिखित प्रभाव थे : –

1. भक्ति आंदोलन के संतों ने स्थानीय भाषा में भजन गाये एवं पदों का सृजन किया, इससे प्रांतीय भाषा एवं साहित्य का विकास हुआ।
2. जनता में भाई–चारे एवं सहिष्णुता की भावना का विकास हुआ।
3. हिन्दू–मुस्लिम के बीच वैमनस्य में कमी आई।
4. सामाजिक कुरीतियों एवं अंधविश्वासों पर प्रहार किया गया।

प्रश्नोत्तर (6) ताजमहल, पत्नी के प्रति समर्पित प्रेम का अमर प्रतीक है। इसे शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताजमहल की याद मे बनवाया था। इतिहासकारों के अनुसार इसका निर्माण 1632 ई॰ में आरंभ हुआ और 1648 ई॰ में यह बनकर तैयार हो गया। इसके निर्माण में चारबाग पद्धति

कुछ परिवर्तन के साथ अपनाई गई है। ताजमहल का नक्शा उस्ताद ईसा ने बनाया। इसके वास्तुकार उस्ताद अहमद लाहोरी है। यह सफेद संगमरमर की बनी विश्व की श्रेष्ठतम इमारत है।

प्रश्नोत्तर (7) आयंगर व्यवस्था के अनुसार प्रत्येक ग्राम को एक स्वतंत्र इकाई के रूप में संगठित किया जाता था। इस पर बारह व्यक्ति मिलकर शासन करते थे जिन्हें सामूहिक रूप से आयंगर कहा जाता था। इनके पद अनुवांशिक होते थे। इन्हें वेतन के बदले करमुक्त भूमि दी जाती थी?

प्रश्नोत्तर (8) मुस्लिमलीग की स्थापना 1906 ई॰ (सलीम उल्ला खाँ और आँगा खाँ) में ढ़ाका में की गई थी। जल्द ही उत्तर प्रदेश के विशेष कर अलीगढ़ के संभ्रांत वर्ग प्रभाव में आ गए।

1940 ई॰ के दशक में पार्टी भारतीय महाद्वीप के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों की स्वायत्तता या फिर पाकिस्तान की माँग करने लगी।

प्रश्नोत्तर (9) सहायक संधि के दो शर्तें निम्नलिखित है : –

1. अंग्रेज अपने सहयोगी की बाहरी और आंतरिक चुनौतियों से रक्षा करेंगे।
2. सहयोगी पक्ष के भू–क्षेत्र में एक ब्रिटिश सैनिक टुकड़ी तैनात रहेगी। सहयोगी पक्ष को इस टुकड़ों के रख–रखाव की व्यवस्था करनी होगी।

प्रश्नोत्तर (10) 1 सितम्बर, 1939 ई॰ में द्वितीय विश्वयुद्ध आरंभ हो गया। इंग्लैण्ड इसमें शामिल था। भारत के वायसराय लिनलिथगो ने भारतवासियों से पूछे बिना भारत को इस युद्ध में शामिल कर दिया। इस बात से नाराज होकर कांगेसी मंत्रिमंडलों ने त्याग–पत्र दे दिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर : –

प्रश्नोत्तर (11) मौर्यों के पतन के बाद के काल को उत्तर मौर्य काल कहा जाता है। यह काल 185 ई॰पू॰ से मौर्यवंश के पतन के बाद आरंभ हुआ।

राजत्व के विचार अथवा सिद्धांत का तात्पर्य है, ''राजा के पदों का संबंध देवी–देवताओं से दिखाना या जोड़ना।'' राजाओं के लिए उच्च स्थिति प्राप्त करने का एक साधन विभिन्न देवी–देवताओं से जुड़ना था।

मध्य एशिया से लेकर पश्चिमोत्तर भारत तक शासन करने वाले कुषाण शासकों ने (लगभग प्रथम शताब्दी ईसा पूर्व से प्रथम शताब्दी ई॰ तक) इस उपाय का सबसे अच्छा उदाहरण प्रस्तुत किया। कुषाण इतिहास की रचना अभिलेखों एवं साहित्य परंपरा के आधार पर की गई है। कुषाणों द्वारा राजधर्म को प्रस्तुत करने का सर्वोत्तम प्रमाण उनके सिक्कों एवं मूर्तियों से प्राप्त होता है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि इन मूर्तियों के जरिए कुषाण स्वयं को देवतुल्य प्रस्तुत करना चाहते थे। कई कुषाण शासकों ने अपने नाम के आगे 'देवपुत्र' की उपाधि लगाई थी। संभवतः वे चीनी शासकों से प्रेरित हुए होंगे, जो स्वयं को स्वर्ग–पुत्र कहते थे।

चौथी शताब्दी ई॰ मे गुप्त शासकों ने भी अपने नामों के साथ देवताओं के नाम को जोड़ा। प्रयाग प्रशस्ति में हरिषेण ने समुद्रगुप्त की तुलना कुबेर, वरूण, इन्द्र और यम से की है। राजा को अलौकिक शाक्ति का स्वामी माना गया जिसके बल वह प्रजा का पालन

करता था। अनेक विद्वान राजा के दैवीकरण की प्रक्रिया को सामंतवाद के उदय से जोड़कर देखते है।

प्रश्नोत्तर (12) गुलबदन बेगम ने अपने भतीजे अकबर के आग्रह पर हुमायूँनामा को दो भागों में लिखा। प्रथम भाग में बाबरकालीन इतिहास मिलता है एवं द्वितीय भाग में हुमायूँकालीन इतिहास दिया गया है। इसमें राजनीतिक इतिहास की अपेक्षा मुगलकालीन सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास अधिक मिलता है। मुगलकालीन अंतःपुर (हरम) की घटनाओं एवं बेगमों की जीवनचर्या का इसमें अच्छा चित्रण किया गया है। पुत्र जन्म के समय बेगमों एवं महिलाओं द्वारा प्रतीक्षा, विवाह समारोह, हुमायूँ का बहिन एवं माता के प्रति प्रेम आदि का इसमें अच्छा वर्णन है। उसने अपने सगे भाई हिन्दाल के विवाह के समय सम्पन्न समस्त रीति–रिवाजों का इसमें वर्णन किया है। कई वर्णन गुलबदन बेगम अत्यंत भावुकता के साथ करती है। 27 अप्रैल, 1534 ई॰ को अपनी माँ माहम अनगा की मृत्यु के बारे में गुलबदन ने लिखा है, ''मुझे बड़ा शोक, नैराश्य एवं घोर कष्ट हुआ। रात–दिन मैं विलाप किया करती थी।'' हुमायूँनामा का अंग्रेजी अनुवाद श्रीमति हेनरी बेबरीज द्वारा किया गया है।

प्रश्नोत्तर (13) तुलुव वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक कृष्णदेव राय थे जिसे विजयनगर राज्य का सबसे महान शासक कहा जाता है। वह बड़ा वीर सैनिक और चतुर योद्धा था। उसने पहले अपने राज्य को सुव्यवस्थित किया और विद्रोहियों की शक्ति को कुचल डाला। फिर उसने मैसूर पर आक्रमण किया और उसे जीत डाला। उसने उड़ीसा पर आक्रमण किया और उस राज्य से भी वे सभी प्रांत छीन लिये, जो उड़ीसा के शासकों ने कभी विजयनगर के शासकों से छीने थे। उसकी अंतिम सैनिक सफलता बीजापुर के शासक के विरूद्ध थी, जिसे छीने हुए दोआब को वापस लेने का प्रयत्न किया था, परंतु इसमें सफलता कृष्णदेव राय को ही मिली।

कृष्णदेव राय केवल एक विजयी शासक ही नहीं था वरन कला और शिक्षा का भी बड़ा प्रेमी था। वह स्वयं विष्णु का पुजारी था; परंतु फिर भी उसका व्यवहार अन्य धर्मवालों से अच्छा था। सबके साथ न्याय किया जाता था। कई सुन्दर मंदिर उसके राज्य में बनाये गये और ब्राह्मणों को विशेष स्थान दिया गया। कृष्णदेव राय की इतनी महान सफलताओं के कारण ही उसके विषय में यह कहा गया है कि ''दक्षिण के हिन्दू और मुसलमान शासकों में ऐसा कोई शासक नहीं, जो कृष्णदेव राय का मुकाबला कर सकें।''

प्रश्नोत्तर (14) सविनय अवज्ञा आंदोलन का आरंभ सन् 1930 ई॰ में गाँधी जी के नेतृत्व में हुआ। यह 12 मार्च, 1930 ई॰ को गाँधी जी के डाण्डी मार्च से आरंभ हुआ। यह आंदोलन दो चरणों में चला और 1933 ई॰ के अंत तक चलता रहा। इसके कारणों और इसकी प्रगति के महत्त्व का वर्णन इस प्रकार है : –

कारण : (क) 1928 ई॰ मे 'साइमन कमीशन' भारत आया। इस कमीशन ने भारतीयों के विरोध के बावजूद भी अपनी रिपोर्ट प्रकाशित कर दी। इससे भारतीयों में असंतोष फैल गया।

(ख) सरकार ने नेहरू रिपोर्ट की शर्तों को स्वीकार न किया।

(ग) बारदौली के किसान आंदोलन की सफलता ने गाँधी जी को सरकार के विरूद्ध आंदोलन चलाने के लिए प्रेरित किया।

(घ) गाँधी जी ने सरकार के सामने कुछ शर्त्तों रखी, परंतु वायसराय ने इन शर्तों को स्वीकार न किया।

महत्व : सविनय अवज्ञा आंदोलन वास्तव में ही उस समय तक का सबसे बड़ा जन संघर्ष था। इस आंदोलन में देश के सभी भागों तथा सभी वर्गों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। लोगों ने बड़ी संख्या में जेल–यात्रा की परंतु सरकार के आगे घुटने टेकने से इंकार कर दिया। गाँधी जी ने इसी आंदोलन में 6 अप्रैल, 1930 ई॰ को नमक बनाकर नमक कानून तोड़ दिया। अंततः 1934 ई॰ में यह आंदोलन समाप्त हो गया तो भी यह आंदोलन स्वतंत्रता सेनानियों का तब तक मार्गदर्शन करता रहा जब तक कि देश स्वतंत्र न हो गया।

प्रश्नोत्तर (15) डॉ॰ भीमराव अम्बेडकर जी का जन्म 14 अप्रैल, 1891 ई॰ में महाराष्ट्र के महू नामक गाँव में हुआ था। इग्लैण्ड से उन्होंने वकालत की उपाधि प्राप्त की। मुम्बई में अवस्थित सरकारी लॉ कॉलेज मे वे प्रधानाचार्य रहे। स्वतंत्रता से पूर्व दलितों की बेहतर दशा के लिए वे सदा प्रयत्नशील रहे। 1942 ई॰ मे अम्बेडकर जी ने गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी में श्रमिकों के प्रतिनिधि के रूप में चुना गया। इस गौरवपूर्ण पद पर रहकर सन् 1946 ई॰ तक सेवा करते रहे। बंगाल विधानसभा हेतु 1946 ई॰ अम्बेडकर जी को चुना गया, जहाँ भारत एक हो का नारा दिया। अम्बेडकर जी को संविधान सभा के प्रारूप को तैयार करनेवाली समिति का 1947 ई॰ में अध्यक्ष चुना गया। भारत के संविधान निर्माण में अम्बेडकर जी का योगदान महत्वपूर्ण है। अम्बेडकर जी कानून मंत्री भी बनें और 1951 ई॰ में अपने पद से त्याग–पत्र भी देना पड़ा। सरकार से अलग होकर अम्बेडकर जी अछूतों की सेवा में जुट गए। दलित समाज के मसीहा पुकारे जाने लगे। मजबूर होकर दलितों को सलाह दिया कि वे बौद्ध धर्म स्वीकार ले। 1956 ई॰ में उन्होंने बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया और 6 दिसम्बर, 1956 ई॰ को अम्बेडकर जी इस संसार में नहीं रहें।

सच्चे अर्थों में डॉ॰ अम्बेडकर एक महामानव, सच्चे देशभक्त और महान मानवतावादी थे। आधुनिक भारत के निर्माण में अम्बेडकर जी का बहुत बड़ा योगदान है।

❖❖❖❖❖